

**Thethi: Bible for 1 Timothy, 2 Corinthians, 2 John, 2 Peter, 2 Thessalonians,  
3 John, Ephesians, James, Jude, Philemon, Philippians, Titus**

Formatted for Translators

©2022 Wycliffe Associates

Released under a Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International License.

Bible Text: The English Unlocked Literal Bible (ULB)

©2017 Wycliffe Associates

Available at <https://bibleineverylanguage.org/translations>

The English Unlocked Literal Bible is based on the unfoldingWord® Literal Text, CC BY-SA 4.0. The original work of the unfoldingWord® Literal Text is available at <https://unfoldingword.bible/ult/>.

The ULB is licensed under the Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International License.

Notes: English ULB Translation Notes

©2017 Wycliffe Associates

Available at <https://bibleineverylanguage.org/translations>

The English ULB Translation Notes is based on the unfoldingWord translationNotes, under CC BY-SA 4.0. The original unfoldingWord work is available at <https://unfoldingword.bible/utn>.

The ULB Notes is licensed under the Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International License.

To view a copy of the CC BY-SA 4.0 license visit <http://creativecommons.org/licenses/by-sa/4.0/>

Below is a human-readable summary of (and not a substitute for) the license.

You are free to:

- Share — copy and redistribute the material in any medium or format.
- Adapt — remix, transform, and build upon the material for any purpose, even commercially.

The licensor cannot revoke these freedoms as long as you follow the license terms.

Under the following conditions:

- Attribution — You must attribute the work as follows: "Original work available at <https://BibleInEveryLanguage.org>." Attribution statements in derivative works should not in any way suggest that we endorse you or your use of this work.
- ShareAlike — If you remix, transform, or build upon the material, you must distribute your contributions under the same license as the original.
- No additional restrictions — You may not apply legal terms or technological measures that legally restrict others from doing anything the license permits.

Notices:

You do not have to comply with the license for elements of the material in the public domain or where your use is permitted by an applicable exception or limitation.

No warranties are given. The license may not give you all of the permissions necessary for your intended use. For example, other rights such as publicity, privacy, or moral rights may limit how you use the material.



## 2 Corinthians

## Chapter 1

<sup>1</sup>पावल, परमेश्वरके इच्छा अनुसार येशू मशिहके प्रेरित आ हमर भाइ तिमोथीसे, कोरिन्थीमे भेल परमेश्वरके मण्डली आ अखैया प्रान्तमे रहेके सम्पूर्ण विश्वासीसबके: <sup>2</sup> हमनीके पिता परमेश्वर आ प्रभु येशू मशिह के अनुग्रह आ शान्ति तोरासबके साथ रहो। <sup>3</sup>हमनीके पिता परमेश्वर येशू मशिहके प्रशंसा होओ। उहा दया के पिता आ सब सान्त्वनाके परमेश्वर है। <sup>4</sup>परमेश्वर हमनीके सब दुःख कष्टमे हमनी के सान्त्वना दैछै। यहि स, हमनी भि दुःख मे परलसबके सान्त्वना देबे सकु। परमेश्वर हमनीके सान्त्वना देवेला प्रयोग कैल सान्त्वनाद्वारा ही हमनी दोसराके सान्त्वना दैछी। <sup>5</sup>जैसे हमनी के लागी मशिहके कष्ट प्रसस्त है, वसहि मशिहद्वारा हमनीके सान्त्वना प्रसस्त रहैछै। <sup>6</sup>लेकिन यदि हमनी दुःख भोगल त यि तोहनीसबके सान्त्वना आ उद्धारके लागी है। आ यदि हमनीसबके सान्त्वना पौलि त कहके यी तोहनी के सान्त्वनाके लागी वा तोहनी हमनी के दुःख मे धैर्यसाथ सहभागी भेल तोहनीसबके सान्त्वनाके प्रभावकारी रुपसेकाम कैलगेल है। <sup>7</sup>तोहनीके लागी हमनीके आशा वृद्ध है। तोहणि सब दुःख मे सहभागी भेल सान्त्वना मे भी साहभागी होएबे कहके हमरा थाह हइ। <sup>8</sup>भाइसब हो, हमनी एसियामे भोगल दुःख के बारेमे तोहनीसब अनजान रह कहके हमसब न चाहैछी। हम सब सह न सकेबाला तरिकसे जातल रहलिय, एहन किसिमसे कि हम सब बाचेके आशा छोड़ देने रहलीय <sup>9</sup>वास्तमे हमनी पर मृत्युदण्ड रहे, लेकिन ऊ हमनी अपने मे न, मृतकसबके जीवन देबेवालाके उपर भरोसा करे सकुँ कहके भेलरहे। <sup>10</sup>उँ अपने के हमनीके विसन घातक जोखिम से वचनके आ फेरु उहाँ हमनी के बचतै उँ हमनी फेरु होइतै कहके हमनी उनका पर रखले छी। <sup>11</sup>परमेश्वर यहन करतै जैसन तोहनीसब भिन हमनी के अपना प्रार्थना द्वारा मदत करैछई। ओकरावाद बुतेके प्रार्थनाद्वारा हमनीके देवल अनुग्रह कृपाके लागी बहुते सब हमनीके तर्फसे धन्यवाद देतै। <sup>12</sup>हमनी के भित्रीमन स गवाहीमे हमनी गर्व करबे। कैलाकी यी परमेश्वरसे आएल शुद्ध प्रेरणा आ इमान्दारीमे है जोन अनुसार हमनी यी संसार मे चलै छी। विशेष करके, हमनी यी तोहनी साथ और बेसी कैलेछी, संसारीक ज्ञानमे नै लेकिन परमेश्वरके अनुग्रहमे। <sup>13</sup>हमनी तोहनीसब पढे आ नसमझे जैसन करके कुछो भी न लीखब। हम आशा करैछी, कि तोहनीसब पुर्णरुपसे बुझबै। <sup>14</sup>जैसे अभी तोहनीसब हमनी के कन्का मात्र बुझले ह। येशू मशिह दिनमे हमनी तोहनीके लागी गर्व करेवाला कारण बनब, जैसे तोहनीसब हमनीके कारण बनबे। <sup>15</sup>यी बातमे हम निर्धक्क भेल कारण, तोहनीसब दुई टा मिलल लाभ उठाएके सककहके हम तोहनी किहा पहिले आबे चाहैत रहली। <sup>16</sup>माकेडोनिया तोहनीसब लन आके भेटघाट करके हम योजना बनाबैतरहली। माकेडोनिया के यात्रा बाद हम फेर तोहनीसबसे भेटे चाहैत रली आ तोहनीसब हमरा यहुदियाके रस्ता होइत भेजेके चाहैत रहलीय। <sup>17</sup>जब हम यी तरिके से सोचै सोचैत रही, तब कि हम हिचकियाएँ का ? की हम मानवीय पाप अनुसार योजनासब बनैलीकी हम एक समयमे “है” आ “नैहै” कहके आ ? <sup>18</sup>लेकिन परमेश्वर जैसन विश्वास योग्य होइपरत। हमनी एक साथ है आ नहै नैकहब। <sup>19</sup>कैलाकी परमेश्वरके पुत्र येशू मशिह, जेकरा सिलाश, तिमोथी आ हम तोहनीसबके बिचमे घोषणा कैले जोन कि है आ नैहै नैछै बल्की उहाँ सदा है रहैछै। <sup>20</sup>कैलाकी परमेश्वरके सब प्रतिज्ञा हुनकरामे है होतै। यहिसे हुनकराद्वारा ही हमनी परमेश्वरके महिमाके “आमेन” कहले छी। <sup>21</sup>आब परमेश्वर जोन हमनीके तोरासबके सँहो मशिहमे बरियार कैले है उहाँ हमनीके न्युक्ती करक कै <sup>22</sup>परमेश्वर अपन छाप हमनी पर लगलकै आ हमनीके पिछे देबेवाला बातके बैनाके रुपमे हमनीके हृदयमे पवित्र आत्मा देलकै। <sup>23</sup>बलकी परमेश्वरके हम अपना गवाहीके लागी पुकारली यहिसे तोहनीसबके बचाबेसकू कहके हम कोरिन्थीमे नै ऐली। <sup>24</sup>तोहनीके विश्वास कैसन होएके चाहि कहके हमनी नियन्त्रण करेके प्रयास करेके कारण यी सब नै भेलछै। बलकी हमनी तोहनीसबके आन्नदके निम्ति तोहनीसाथ काम कर रहलछी जैसन तोहनी अपन विश्वासमे अटल रहैछै।

## Chapter 2

<sup>1</sup>तोहनीके दुःख पुर्ण अवस्थामे हम फेर तोहनीसबकिहा न आबेके निर्णय कैली <sup>2</sup>यी हम तोहनीके दुःखीत बनाएमत हम जेकराके दुःखीत बनाएब वोकरा इलावा और कोन हमरा खुशी बनासकैय ?<sup>3</sup>हम जे लिखली, उ यी कारण लिखली की हम तोहनी किहा आएमत जोन आदमी जे हम आन्नद मिलीबाला रहे ओकनी द्वारा है दुःखी नहोऊ । हमर आन्नद तोहनी मे सबमे भेललेखा है कहके उबातमे हम निश्चित छी । <sup>4</sup>कैलाकी हम बरका कष्टः हृदयमे पीडा आ बहुत आशुँके साथ तोहनीके लीखली । हम तोहनीके कष्ट देबेला नै चाहैछी बलकी तोहनीपर भेल हमर प्रेमके गहिराई तोहनीसबके थाहा पाओ कहके हम चाहै छी ।<sup>5</sup>यदि कौन दुःख देले हैत उ हमरा मात्र नै लेकिन कुछ हदतक (यकरा कडा करके नहबेत) तोहनीसबके दुःखीत बनयले है । <sup>6</sup>उ ब्यक्ति के बहुमतद्वारा तेबल सजाय प्रयात है । <sup>7</sup>यहिसे साटा ओकराके क्षमा आ सान्त्वना दे उ ज्यादा दुःख से ओकरा नाखाओ कहके यैसन कर .<sup>8</sup>ओकरा लागी कैल तोहनीके प्रेम सार्वजनिक रुपसे प्रकट कर । <sup>9</sup>तोहनीके सजाय करे सकु आ तोहनीसब बातमे आज्ञाकारी छे कि नछै कहके हम बुझसकी कहके हम तोहनीके लिखली ।<sup>10</sup>यदी तोहनी केकरो क्षमा देबेत, हम भी उ व्यक्तिके क्षमा देब । यदि हम कुछो क्षमा देने छी कहके, यी येथूके उपस्थिती मे तोहनीके लागि है । <sup>11</sup>वहिसे शैतान हमनीके छकयान सकैय कैलाकी हमनी ओकर योजनासे अनजान नै छी ।<sup>12</sup>जब हम मशिहके सु-समाचार प्रचार करे त्रोआस सहर मे ऐली उहाँ प्रभु हमरा लागि दरवाजा खोलदेल कै <sup>13</sup>आ भी हमरा मनमे शान्ति नमिलै, कैलाकी हमर भाई तीतसके उहाँ भेटली । वहिसे ओकनीसबके छोडके हम माकेडोनिया फिरली ।<sup>14</sup>लेकिन परमेश्वरके धन्यवाद होबे जोन हमनीके सबदीन बिजयमे अगुवाई कलकै । हमनीद्वारा उ अपने सबओर ज्ञानके मिठ सूबासना छिटतै । <sup>15</sup>कैलाकी हमनी परमेश्वरके निम्ति उद्धार पाएलसब आ नष्ट होरहलसबके लागि मशिह के सूबसना छी ।<sup>16</sup>नष्ट होरहल आदमीसबके लागि यी मृत्यु से मृत्यु तक सूबासना हो । आ बचाएल गेलसबके लागि हमनी जिवनसे जिवनतक सुबासना छी । यी बातसबके लागि यी योग्य है ? <sup>17</sup>हमनी नाफाके लागि परमेश्वरके वचन बेचेबाला बहुत आदमीसब लेखा नै छी बल्की, हमनी मशिह शुद्ध, अभिप्रयासे परमेश्वरके दृष्टीमे उ भेजलगेल लेखा करके बोलबै ।

## Chapter 3

<sup>1</sup>कि हमसब अपन प्रशंसा अपने कर रहलछी? कुछ आदमीसब के जैसन हमनेके भी तोहनी सब समझ आ तोहनीसबके सिफारिस पत्र जरुरी नैछै, छै की ?  
<sup>2</sup>तोहनीसबही हमने के लागि हृदयमे लीखल सिफारिस पत्र छे जेकरा सब आदमी सब पढेले आ जानले है । <sup>3</sup>तोहनीसब हमनी द्वारा वितरण कैल मशिहके पत्र छे कहके तोहनीसब देखाबैछे । यी आदमी नै,लेकिन जीवीत परमेश्वरके आत्मासे लीखल है । यी पथरके पाट्टीमेन,लेकिन आदमीसब के हृदयके पाट्टीमे लीखल है ।  
<sup>4</sup>आ यी मशिह येशू द्वारा परमेश्वरमे भेल हमनीके आत्मविश्वास है । <sup>5</sup>कौनो भी बात हमनीसे आएल है कहके दाबी करेला हमनी अपने योग्य नैछी । बलकी हमनीके योग्यता परमेश्वरसे आएल है । <sup>6</sup>परमेश्वर हमनीके नयाँ करारके सेबक सब होए बाला योग्य बनैले है यी करार अक्षरसे नै, लेकिन आत्मासे है कैलाकी अक्षरसे मरे छै,लेकिन आत्मासे जीवन दैछै । <sup>7</sup>अब पथरपर कुटल मृत्यु त्याबेबाला अक्षर यैसन महिमा साथ इस्राएलीसबके बिचमे आएल की इस्राएलीसब मोशाके मुह सिधा देखे नै सकलकै । यी उन्कर मुहके महिमा के कारण है, जोन महिमा मन्द होइत रहतै । <sup>8</sup>पवित्र आत्माके काम और केतना महिमित होतै ? <sup>9</sup>यदी निन्दापुर्ण सेवाके महिमा रहलै त कह धार्मीकताके सेवा और कतना बेसी महिमित होतै । <sup>10</sup>कैलाकी बास्तवमे जोन एक समय महिमित कैलरलै यकरा साथ करेला दोसर महिमा के कारण अभि ऊँ महिमित नै है <sup>11</sup>यदि बितके जोएबाला बातके महिमा रलैत सब्दीन रहेबाला बातके अरू केतना बेसी महिमा होतै । <sup>12</sup>हमनी साथे यहन आशा भेलाके कारण हमनी साहसी छी । <sup>13</sup>हेरा रहल महिमा के अन्त्य इस्राएलीसबके सिधे देखे नसके कहके हमनी अपन मुहपर चुनरी लगाबेबाला मोशा जैसन नै छी । <sup>14</sup>लेकिन तोहनीके मन कठोर बनाएल गेल छलै । पुरनका करार कैलाकी अजुके दिनतक उ चुनरी रह रहल है । उ खुलल नै छी । कैलाकी मशिहमे माग खुलतै । <sup>15</sup>लेकिन आजु भी मोशाके बारेमे बढल जाइछै,तोहनीके हृदयमे वुनरी रहै छै । <sup>16</sup>जब कौन व्यक्ति परमप्रभुमे फिरैछै,तब चुनरी हटाएल जाइछै परमप्रभु आत्मा है । <sup>17</sup>परमप्रभु आत्मा छै,जाहा परमप्रभुके आत्मा है उहा स्वतन्त्रता होइ छै । <sup>18</sup>अब हमनी सब चुनरी हटावल मुहसे परमप्रभुके महिमाके देख बै । हमनी एक महिसे दोसर महिमामे बढैत वहि महिमामे बदलरहल छी यी परमप्रभुसे औवतै,जोन आत्मा है ।

## Chapter 4

<sup>1</sup>उ कारण,हमनी सेहो यी सेवा कार्य भेल आ हमनी यी दया पावलके कारण से हमनी निरास नै होइछी । <sup>2</sup>बलकी हमनी गोव्य आ लाजबाला रास्ता त्यागले छी । हमनी धुर्ताभे नै जियैछी आ हमनी परमेश्वरके वचनके गलत तरिकासे नै चलवैछी । सत्यता प्रस्तुत करैत परमेश्वरके नजरमे प्रत्येकके विवेकप्रति हमनी अपनाआपके सिफारीस करैछी । <sup>3</sup>यदि हमनीके सु-समाचार चुनरीसे तोपल हैत उ विनाश होरहलसबके लागि मात्र तोपल है । <sup>4</sup>तोहनीके विषयमे कहेके हैत यी संसारके देवके ओकनीसबके अविश्वास मनसब अन्धा बनादेले है । फलस्वरूप ओकनीसब मशिहके महिमाके सु-समाचारके प्रकाश देखे नै सकतै जोन परमेश्वरके स्वरूप है । <sup>5</sup>कैलाकी हमनी अपना आपके नै, लेकिन मशिहके खातिर तोहनीसबके सेवकके रूपमे रहके मशिह येशूके घोषणा करैछे कि परमप्रभु है । <sup>6</sup>कैलाकी परमेश्वर कहलकै,अन्धकारसे ज्योती चमकतै । येशू मशिहके अस्थितिमे परमेश्वरके महिमाके ज्ञानके ज्योती देवेला हमनीके हृदयमे चमकरहल है । <sup>7</sup>यी यतना महान शक्ति हमनी संघे नै लेकिन परमेश्वर संघे है,कहेके लागि स्पष्ट करेला हमनीसाथे यी धन माटीके बरतन है । <sup>8</sup>हमनी सब ओरीसे दुःखीत भेल छी, लेकिन निराश नै भेल छी । <sup>9</sup>हमनी सताएल गेल ची लेकिन त्याग्यले नै छी । हमनी पिटाएल छी लेकिन नाश नै भेलछी । <sup>10</sup>येशूके जीवन हमरा शरीरमे देखाई दे कहके हमनी हमनीके शरीरमे सब्दीन येशूके मृत्युके उठाके चलतारी<sup>11</sup>हमनीके मानवीय शरीरमे येशूके जीवन देखाई दे कहके जीवित भेल हमनीसब येशूके खातीर सब्दीन मृत्युमे देदेले छी । <sup>12</sup>. यहि कारणसे हमनीमे मृत्यु कार करैछै लेकिन जीवन तोरासबमे । <sup>13</sup>हम विश्वास कैली, यहिसे हम बोल्ली कहके लीखल जैसन हमनीकेसाथ विश्वास के ओहने आत्मा है । <sup>14</sup>हमनीके पत्ताहै कि जोन प्रभु येशू के पुत्रः जीवित करके उहा अपने हमनीसब के भी उहासंघे पुनःजीवित करेबाला है हमनीके पत्ता है की उहा हमनीके तोहनीसबके साथे उहाँ अपन उपस्थितिमे आबेबाला है । <sup>15</sup>हर बात तोहरा सबके लागि है ताकी जैसन बहुत आदमीमे अनुग्रह फैलल है वहिसेही परमेश्वरके महिमा के काम लागि धन्यवाद देवेके काम भी बढते जोओ । <sup>16</sup>वहिकारण हमनी निराश नै होइछी । हमनी बाहरी रुपसे विनाश होते जायम फिरभी भिन्नि रूपसे हमनी प्रतिदिन नयाँ भेरहल छी । <sup>17</sup>कैलाकी यी क्षणीक है, हलका कष्टसे हमनीके सब नापके माथ करेबाला वजन्दार अन्नत महिमा के लागि तयार कर रहल छै । <sup>18</sup>कैलाकी हमनी देखेबाला बातके नै लेकिन नदेखेबाला बातके प्रतिक्षा कर रहल छी । देखेबाला बातसब क्षणीक होइछै आ नदेखेबाला बातसबके अन्नत तक रहैछै ।

## Chapter 5

<sup>1</sup>हमनी जानैछी, कि हमनीसब बास करैछी यी पार्थीव शरीर नष्ट होतै त भी हमनीसाथ परमेश्वरके देवल भवन है यी आदमीके हातसे बनाएले घर नै है लेकिन स्वर्गमे रहेबाला अन्नत तकके रहेबाला घर है । <sup>2</sup> कैलाकी हमनीके स्वर्गी बास्यस्थानके पोशाक पहिनेबाला आशामे हमनी यी पालमे पीडासे आर्तनाद करैछी । <sup>3</sup>हमनी यकर इच्छा करैछी कैलाकी एकराके पहिनला पर हमनी लडगटे नै रहब । <sup>4</sup>कैलाकी जबतक हमनी यी पालमे छी, भारीसे भरके हमनी आर्तनाद करै छी । हमनी निर्वस्र होएके नै चाहैछी लेकिन जे मरल शिल है, उ जीवनमे समावेश होए कहके हमनी बस्र पहिने चाहैछी । <sup>5</sup>हमनी यकरा लागि तयार करेबाला परमेश्वर हि है, जोन हमनी के लागि पछाडीसे होएबाला बातके बैनाके रूपमे पवित्र आत्मा देने है । <sup>6</sup>यहि स सब्दीन विश्वास रह यी जानलेकी जब हमनी अपन शारिरीक घरमे रहेछी, हमनी परमेश्वरसे दुर रहैछी <sup>7</sup>हमनी विश्वासद्वारा चलैछी, देखेबाला बातके आधारमे नै । <sup>8</sup>हमरा सब मे पुर्ण भरोसा छै,बरु शरीरसे अलग भक प्रभुसंगे रहे के चाहि छी । <sup>9</sup>यहिसे घरमे या ओसे दुर जहा रूछु हमनीके उदेश्य हुनकाके प्रशन्न करेके है । <sup>10</sup>कैलाकी हमनीसबके मशिहके न्याय आसनके अगाडी खडा होएला पर्ते । ताकी हरेक शरीरमे रहके कैल निमन आ खराब कामके लागि प्रतिफल मीलो । <sup>11</sup>यहिकारण परमेश्वरके भय जानके छी हमनी आदमीसबके मनाबैछी । हमनी केछी कहके परमेश्वरके थाह है, हम आशा करैछी तोहनीके विवेक मे यी बात स्पष्ट है । <sup>12</sup>हमनी के तोहनीसब इमान्दार समझ कहके हमनी तोहनीसबके मनाबेला नै खोजैछी । बलकी हमनी तोहनीसबके हमनी पर गर्व करेला कारण दैछी ताकी हृदयसे बाहरी रुपसे धाक लगावे बालाके जवाफ देबे सक । <sup>13</sup>कैलाकी यदि हमनीके मन ठिक नैहैत भी उ परमेश्वरके लागि है । लेकिन हमनीके मन ठिक हैत उ हमनीके लागि है । <sup>14</sup>कैलाकी मशिहके प्रेमसे हमनी क मजबुर बनाबैछै आ हमनीके यी निश्चय है की सबके लागि एक गोरा मरल गेल है । <sup>15</sup>और मशिह हमनीसबके लागि मरल कै ताकी जिएबाला अपना लागि न जीवो बलकी ओकनीसब हुनकरा लागि जिएपर्ते जे मरलकै आ फेर जिन्दा भेल कै । <sup>16</sup>वहि से हमनी एक बेरा ,मशिहके वैसहि करले रहती तपरभी अब हमनी केकरो आदमीके दृष्टि कोण अनुसार मुल्याङकन नै करैछी अब हमनी कदापी बैसे देखभ । <sup>17</sup>कैलाकी कौनो मशिहमे है त उ नयाँ सृष्टि है । पुरनका पीतके गेल है । देखँ उ नयाँ भेगेल है । <sup>18</sup>यी सब परमेश्वरसे भेल है, परमेश्वर हमनीके मशिहद्वारा उँ अपना साथ मिलापमे लेअलके आ हमनी मिलापके सेवा देने छै । <sup>19</sup>अर्थात ओकनीके पापके लेखा नलेके परमेश्वर मशिहद्वारा संसारके अपनासाथे मिलापमे ला रहल हई है । परमेश्वर मिलापके सन्देशके जिम्मा हमनी हमनिके जिम्मा दे रहल हई । <sup>20</sup>ओहिसे, परमेश्वर हमनिद्वारा अनुरोध कैल रहल है कि हमनी मशिहके दुतके रूपमे नियुक्त कैलगेल छी परमेश्वरके मिलापमे आओ कहके हमनी तोहनीसे मशिहके खातिर अनुरोध करैछी । <sup>21</sup>उँ अपन मशिहके हमनीके पाप के लागि बलि बनेला लगलकै । उँ कहियो पाप नै कलकै । हमनी हुनकामे परमेश्वरके धार्मिकता मे बने सक कहके परमेश्वर यहन कलकै ।

## Chapter 6

<sup>1</sup>आ यी कारण हुनकारा अनुग्रहमे साथे-साथे काम करैत हमनी तोहनीके अनुरोध करैछी कि हुनकारा अनुग्रहके व्यर्थमे नलिउ । <sup>2</sup>उ यहन कहैछी, हम उपयुक्त समयमे तोहर वास्ता कैही आ मुक्तिके दीनमे हम तोहर साहायता कैली । देख यी मुक्तिके दिन आएल । <sup>3</sup>हमनी केकरो अगाडी ठेस लागेबाला बातसब नैरखैछी, कारण हमनी हमनीके सेवामे बैमाइनी करेने चाहैछी । <sup>4</sup>बलकी हमनी अपने परमेश्वरके सेबक सब छी कहके हमनी के कामसे प्रमाणित करैछी । हमनी धैर्य धारणमे कष्टमे, विपत्तिमे कठिनाईमे <sup>5</sup>पिटाइमे, कैदी अवस्थामे, छुलदडगमे, कडा परिश्रममे, अनिन्द्रा रातमे भुख मे, <sup>6</sup>सुधतामे, ज्ञानमे, धैर्यमे, दयामे, पवित्र आत्मामे, असल प्रेममे हुनकर सेवक सब छी । <sup>7</sup>हमनीसब परमेश्वरके शक्तिमे, वचनके सत्यतामे सेवकसब छी हमनीके साथे दाय आ बाया हातमे धार्मिकताके हतियार है ॥ <sup>8</sup>हमनी मान आ अपमान, निन्दा आ प्रशंसाके काम करैछी हमनीके ठगाइछी कहके आरोप लगावलगेल, तथापि हमनी सयाछी । <sup>9</sup>हमनी नचिनहल व्यक्तिसब लेखा करैछी तापरभी हमनी चिन्हल छी । हमनी मरल लेखा काम करैछी लेकिन हमनी रुरी जीवित छी । हमनीसब हमनीके कार्यसबके निम्ति दण्डित भेल जैसन काम करैछी, लेकिन मृत्युदण्ड पाएल जैसन नै <sup>10</sup>हमनी अफसांसी होके काम करैछी लेकिन सब्दीन आन्नदमे खुशीयाली छी । हमनी गरीब भक काम करैछी । लेकिन बहुतो के धनी बनाबैछी । हमनी कुछो न भेल लेखा काम करछी तापरभी सब चिड़ा मीलल है । <sup>11</sup>हे कोरिन्थीके विश्वासीसब हो हमनी तोहनीसबके सब्दीन सच्चा बात बतैलेछी आ हमनीके हृदय खुल्ला है । <sup>12</sup>तोहनीसबके हृदय हमनीसे नियन्त्रीत नैहौ । लेकिन तोहनीसब अपने भावनाद्वारा नियन्त्रीत छे । <sup>13</sup>अब यकरा सट्टामे, हम बालसबके जेखा बोलेछी, कि अपन हृदयके खुल्ला रख । <sup>14</sup>अविश्वाससबके साथे न सटीयो । कैलाकी धार्मिकताके व्यवस्थाहिन सबके साथे कौन सहभागीता ? आ ज्योतिके अन्धकारसे कौन संगत <sup>15</sup>मशिहके झुट्टा बोलेबाला साथे कौन समझौता ? अर्थात विश्वाससबके अविश्वासीसबके साथे कौन साहभागीता <sup>16</sup>आ परमेश्वरके मन्दिर आ मुर्ति बिच कौन समझौता ? इ कारण हमनीसब जीवित परमेश्वरके मन्दिर छी, जैसे उ कहने छै, हम तोहनीके बिचमे चलम आ बास करबै हम तोहनीके परमेश्वर होएब आ हमर आदमीसब होतै”” <sup>17</sup>यी कारण ओकनीके बिचमे से बाहर निकलके आओ आ अपनाके अलगे कर परमप्रभु कहैछै । अशुद्ध चिजके न छुउ आ हम तोहनीसबके हमर अपनाएबे । <sup>18</sup>हम तोहनीसबके बाबु होबै आ तोहनीसब हमर बेटा आ बेटी सब होएबे सर्वशक्तिमान परमेश्वर कहै छै ।

## Chapter 7

<sup>1</sup>प्रिय सब हमनिके साथ यी प्रतिज्ञा भेल के कारण हमनीके शरीर आ आत्मामे हमनीके अशुद्ध करेबाला बातसबसे अपनाके शुद्ध रख । परमेश्वर के भयमे पवित्रता के पिछे चले ।<sup>2</sup>हमनी के लागी जगह बनाओ । हमनी केकरो खराबी नैखी कैले । हमनी केकरो हानी नै पुयलेछी न त केकरो फाईदा लेल छी ।<sup>3</sup>हम तोहनीके दोषी ठहराबेला यी सब नै कहनेछी । कैलाकी हम आगेभी कै है चुकलछी कि तोहनीसब हमनीके हृदयमे छे संघे मरेला आ जिएला के लागी ।<sup>4</sup>तोहनी पर हमर बडका भरोसा है आ हम तोहनीसब पर गर्व करैछी । हम सान्त्वना से भरल छी हमनीके सब कष्टमे भी हम आन्नद से भरल छी ।<sup>5</sup>हमनी माकेडोनिया ऐ लीत हमनीके शरीरि के आराम नै मिलल बल्की बाहरके सडर्घष सब आ भितर के भयसबसे हमनी हर तरहसे सताएल रहली ।<sup>6</sup>लेकिन निरुत्साहित सब के सान्त्वना देबेबाला परमेश्वर तीतसके अगनासे सान्त्वना देलकै ।<sup>7</sup>ओकर आगनासे मात्र हमनीके परमेश्वर सान्त्वना देलकै, लेकिन तीतसले तोहनीसे प्राप्त कैल सान्त्वना से भी है । उ तोहनीसब के महान प्रेम, दुःख आ हमरा लागि तोहनी सबके गहिरा चिन्ताके बारेमे बतलहकै । यी कारण हम और बेसी आन्नदीत भेलओ ।<sup>8</sup>हमर पत्र से तोहनी सब दुःखीत भेल छेत तब भी हम यकरा लागि न पछुताएभ, हमर पत्रसे तोहनीसबके दुःखीत बनल देखके हम पच्छतैली । लेकिन तोहनीसब कुछ समयके लागि मात्र दुःखी भेले ।<sup>9</sup>तोहनीसब सताएला के कारणसे नै, लेकिन तोहनीके दुःख से तोहनी सबके पश्चताप तक लगेला के कारण से अब हम खुशी छी तोहनीसब ईश्वरीय शोकके महसुस कैले । हमनी के कारण तोहनीसब के कौनो नौकसानी नै भोगले<sup>10</sup>कैलाकी ईश्वरीय शोकके पश्चताप ध्याबै छै जोन पछुताके बिना मुक्तिके काम पुरा करै छै । लेकिन संसारीक शोक मृत्यु लबैछै ।<sup>11</sup>देख, यी ईश्वरीय शोकसे तोहनीसब के कतेना बडका सडकल्प उत्पन्न करल कै । अपना के निर्दोष प्रमाणित करेला तोहनीमे केतना बडका सडकल्प रहे । तोहनीके क्रोध, डर तृषणा जोस आ न्याय भेल देखेला तोहनी के केतना बडका इच्छा रलै । यी सब बात मे तोहनी सब यी विषयमे अपना आपके निर्दोष प्रमाणीत कैले छे ।<sup>12</sup>हम तोहनीसबके लीखली तापरबी उ खराबी करेला आ खराबी भोगे खातिर नै लिखली । हमनी प्रति भेल तोहनीके गमभिरता परमेश्वरके सामु थाह पाबे सकु कहके हम लिखली ।<sup>13</sup>यहि कारणसे हमनी उत्साहित होइछी । हमनीके सान्त्वना साथे हमनी तीतसके आन्नदमे अरू खुशी भेली कैलाकी तोहनीद्वारा ओकर प्राणके स्फुर्ति मिलल है ।<sup>14</sup>कैलाकी ओकरासे तोहनीके बारेमे गर्व करैत हम नशरमडल यकर बिपरित, जैसे तोहनीसबके हमनीके कहल सब बात सच्चा रहे बैसने ही तोहनीके बारेमे हमनी तीतस साथ कैल गर्व भी सत्य ठहरलकै ।<sup>15</sup>तोहनी सबके आज्ञाकारी आ तोहनीसब प्रति उनकर स्नेह औरो बडठ गेल ।<sup>16</sup>हम खुशी होइछी तोहनी सब पर हमरा पुर्ण भरोसा है ।

## Chapter 8

<sup>1</sup>भाइ सब हो माकेडोनियाके मण्डलीसबके परमेश्वर से देवल गेल अनुग्रहके बारेमे तोहनीसब के पत्ता हो से हम चाहै छी । <sup>2</sup>कष्टके भयङ्कर परीक्षाके समयमे भि ओकनीके प्रशस्ताके शान्ति आ घोर दरिद्रतामे ओकनिमे उद्धारताके बडका धन उत्पन्न कराल कै । <sup>3</sup>हम साक्षी छी, कि ओकनी जेतना सक्लकै देलकै आ देवे नसकेबाला सेबेसी आ अपन स्वेच्छासे देलै । <sup>4</sup>ओकनी सब विश्वासीसबके बिचमे सेवामे सहभागीता के अवसरके लागी हमनीके साथ बहुत बिन्ति कलकै । <sup>5</sup>यी हमनी आशा कैल लेखा नै भेल । बलकी ओकनीसब पहिने अपना आपके प्रभुमे सुम्पो, अकराबाद परमेश्वरके इच्छा अनुसार अपना आपके हमनी काहाँ सुम्पदेलै । <sup>6</sup>ओकरा बाद तीतस यी काम अगाडीसे सुरु करला के कारण उद्धारकर्ता के यी तोहनीके बिचमे पुराकरो कहके हमनी आकनीके अनुरोध कैली <sup>7</sup>लेकिन तोहनी सब बातमे बडके गेले छे । अर्थात विश्वासमे बोलीचालीमे, ज्ञानमे सब लगावामे आ हमनी प्रतिके प्रेममे उँ कारण, उद्धारके यी काममे भी ओकनीसब बडके जाएबाला बातमे ख्याल रख । <sup>8</sup>हम यकराके आज्ञाके रुपमे नै कहब, बलकी औरो आदमी सबके तापरतासंघे तोहनीसबके इमन्दारीता तुलना करके जाएके लागि हम यी कहैछी । <sup>9</sup>कैलाकी हमनीके प्रभु येशू मशिहके अनुग्रह तोहनीसबके पत्ता है । उ धनी क होकर भी तोहनीसबके लागि गरीब भेल, ताकी हुनकरा गरीबीसे तोहनीसब धनीक बन सके<sup>10</sup>यी बातमे हम तोहनीके सल्लाह देब, जेकरासे तोहनीके सहायता मिली । एक बर्ष अगाडी तोहनी कुछ बात सुरु मात्र नै कैले लेकिन उ करेक चाहना भी कैले । <sup>11</sup>अब यकराके पुरा कर । जैसे ओ समयमे तोहनीमे कुछो करेके इच्छा आ याहना रहे, तोहनीसब ओकराके पुरा करेला जेतना सकबे कोसीर कर <sup>12</sup>कैलाकी यी काम करेके इच्छुक छेत यी असल आ ग्रहन योग्य बात है । यी कौना व्यक्तीसाथे भेल बातमे ओमे भर परेबाला, ओकरा साथे नभेल बातमे नै । <sup>13</sup>कैलाकी यी काम तोरासबके भार होए आ दोसराके हल्लुक्का होए कहके नै । बलकी नीषपक्षता होबके चाही । <sup>14</sup>तोहनीसबके अभि भेल प्रशस्तासे ओकनीके आवश्यकता पुरा करतै । यी यी कारण भी है की ओकनी के प्रसस्तता से तोहनीसबके आवश्यकता पुरा होसके आ समानता कायम होए । <sup>15</sup>यहन लिखल है । बहुते भेल साथे कुछ बाँकी नै रहल आ कम रहेबालाके कुछो अभाव नै भेल<sup>16</sup>लेकिन परमेश्वरके धन्यवाद होए । जोन तीतसके मनमे हमरा लागि सच्चा फिक्रिके मन लगादेल कै <sup>17</sup>कैलाकी उ हमनीके अनुग्रहके ग्रहण , मात्र नै कलकै लेकिन उ ओ प्रति बहुते उत्साहित भी भेलकै, उ अपने स्वतन्त्र इच्छासे तोहनी काहा अलकै । <sup>18</sup>सु-समाचार प्रचार करेबाला काममे सबके बिचमे प्रख्यात भेल एक भाईके ओकरा साथे भेजलेछी । <sup>19</sup>ओतने मात्रनै, उ हमनी के यी उद्धारकर्ताके काममे हमनीसंघे यात्रा के लागि मण्डली से चुनल गेल रलै । यी परमेश्वरके भी हमनीके अपने आदर सहयोग करे हमनीके उत्कष्ट इच्छा के लागि है । <sup>20</sup>हमनी के यी गहिराइ यी उद्धारकर्ताके कामके विषयमे कौनोके कएल उजुरीके सम्भावनाके हमनी हटारहल छी । <sup>21</sup>हमनी प्रभुके अगाडी मात्रे नै लेकिन आदमीसबके अगाडी भी आदरणीय भेल बातके ख्याल रखैछी । <sup>22</sup>हमनी दोसर भाईके भी ओकनीसबके साथ भेजरहल छी हमनी ओकरा बहुत बार जाचँ कैली आ हमनी ओकराके बहुत काम मे जोसिला भेल मिलल । तोहनीसब प्रति भेल भरोसाके कारण उ अभी और मेहनति भेल छै । <sup>23</sup>तीतसके संन्दर्भमे कहेला हमनीके लागि उ हमर साझेदार आ सहकर्मी है । भाई सब चाहे मण्डली स भेजावल है । ओकनी सब मशिह के महिमा है । <sup>24</sup>यहिसे ओकनीसबके तोहनीसबके प्रेम देखाओ आ तोहनीके विषयमे कैल हमर गर्वके कारण मण्डलीसबमे देखाओ ।

## Chapter 9

<sup>1</sup>विश्वासीसबके सेवा कार्यके विषयमे तोहनीसबके लिखैत रहेके हम जरूरी नै समझै छी । <sup>2</sup>तोहनीसब मे भेल चहना हमरा पत्ता है, जेकरा बारेमे माकेडोनियामे भेल आदमीसबके हम गर्व के साथ बतैली गेल वर्ष से अखैयासमे तयार होइत आरहल है कहके हम तोहनी के कहली । <sup>3</sup>तोहनी के लागी हमनी के कएल गर्व ब्यर्थ नहोए आ तोहनी से भी हमर कहल जैसन करके तयार हो कहके भाईसबके तोहनीसब किहा भेजले छी । <sup>4</sup>नैत यदि माकेडोनियाके कौन हमरा साथे अतैया तोहनी सब तयार नभेल मिलतै त हमनी शर्ममे परजबै । तोहनी सब पर बहुत भरोसा है वहिसे तोहनीसबके बारेमे हम कुछो न क हम <sup>5</sup>वोहिस भाइसबके तोहनी लगन भेजेला आवश्यक समझली के बिन्ति कैले छी ताकि तोहनी के प्रतिज्ञा कएल उपहार सब अगाडीसे प्रबन्ध करे सक । यी भेट्टी कर आ कापसे नै लेकिन आषिशके रूपसे तयार होसके कहके यहन कैलगेल । <sup>6</sup>यकर अर्थ है । कनका छिटेबाला कन्का हसोततै आषिश मिलेबाला उदेश्य से छिटटैत आषिश कटनी करतै <sup>7</sup>हरएक अपना हृदयमे सडकल्प कैल अनुसार देओस दुःखीत होके आ करकापमे परके कौनो भी नदेओ खुशी साथ देबेबाला के परमेश्वर भी प्रेम करैछै । <sup>8</sup>परमेश्वर हरेक आषिशके तोहनीके लागि वृद्धि करे सकजतै ताकी तोहनीके चाहेबाला सब बात तोहनीसब सबदीन प्राप्त करे सकबे । तोहनी के असल काम सब वृद्धि हो कहके यी होतै । <sup>9</sup>यहन लीखल है उ अपन सम्पत्ती बाडके गरीब सबके देले है । हुनकर धार्मिकता सबदीन रहतै । <sup>10</sup>छिटेबाला के बिया (बिउ) आ खाना के लागि रोटी उपलब्ध कराबे बाला तोहनीसबके बिया उपलब्ध कराके वृद्धि भि करतै, उँ तोहनी सबके धार्मिताके फसल प्रआस्ता साथे वृद्धि करब तै । <sup>11</sup>तोहनी सब उद्धार साथ दिबे सके कहके तोहनी सब हर किसिमसे धनी तुल्यावल जाएल । यसे हमनी द्वारा परमेश्वरप्रति चढाबेबाला धन्यबाद उत्पन्न करब तै । <sup>12</sup>कैलाकी सेवाके काम करै त विश्वासी सबके कमी मात्रै पुरा नै होतै यी परमेश्वर के धन्यबाद देवेला काममे वृद्धि करवतै <sup>13</sup>सेवक के कामसे तोहनी सब जचाएल आ प्रमाणीत होइत येशू मशिहके सु-समाचारके स्वीकार करके आज्ञाकारीकता के कारण तोहनीसब परमेश्वरके भी महिमीत तुल्यबे । तोहनीसब ओकनीसब के आ सबके उद्धारसाथे देवल भेट्टी के कारण भी परमेश्वरके महिमित तुल्याएबे । <sup>14</sup>ओकनी सब तोहनीसबके चाहना कैलेहै आ तोहनीके लागि प्रर्थना कर रहल है । परमेश्वरके महान अनुग्रहके कारण ओकनी यहन करैछै, जोन अनुग्रह तोहनीसबमे भी छै । <sup>15</sup>व्यक्त नै करेबाला बरदानके लागि परमेश्वरके महिमा भेल होए ।

## Chapter 10

<sup>1</sup>हम पावल अपने तोहनीसबके येशू मशिहके नम्रता आ विनम्रतामे आग्रह करैछी । हम तोहनीके उपस्थितिमे रहैत नम्र होइछी,लेकिन जब हम दुर होइछी,तब हम तोहनीसब प्रति हम साहसी होइछी । <sup>2</sup>हम तोहनी से बिनित्ति करैछी, कि तोहनीसबके साथ हम उपस्थिति होइत, हमरा आत्म विश्वासके साथ साहसी होएके आवश्यकता नै परतै । लेकिन हमर बिचारमे हमनी शरीर अनुसार जिरहल छी, कहेबाला के विरोध करैत हम साहसी होएके आवश्यक परतै । <sup>3</sup>हमनी शरीर मे चल तपरभी हमनी शरीर अनुसार युद्ध नै लडै छी । <sup>4</sup>हमनी लडाई लडे बाला हतियार शारीरीक बै, बल्की ओकनीसबके साथ किछलासब नष्ट करेबाला ईश्वरीय शक्ति छै । ओकनीसबके बहकाबेबाला बिवादसे बेकारके बनादे तै । <sup>5</sup>हमनी भि परमेश्वरके ज्ञानके विरुद्धमे खडा हर उच्च बातके नष्ट करबै । हमनी हर विचारके मशिहके आज्ञाकारीकता मे कैद करभ । <sup>6</sup>तोहनीके आज्ञाकारिकता पुरा होइतसाथ हमनी हर आज्ञाकारीकता मे काम सब दण्ड देबेला तयार होरहल छी । <sup>7</sup>जोन बात तोहनीके अगाडी स्पष्ट छै ओकरा देख यदि कौनो उँ मशिहके है कहके बातमे विश्वास हैत ऊ मशिहके भेलजेखा हमनी भी मशिहके छी कहेके बातमे अपनाके याद दिलाओ । <sup>8</sup>कैलाकी जोन तोहनीके नाश नै करतै तोहनीके निर्माण करतै हमनीके प्रभु देवल अधिकार के बारेमे कुछ ज्यादा ही घमण्ड करली त भी हम लजीत नैहोएब<sup>9</sup>हमर पत्रसबके द्वारा हम तोहनीसबके भयभित तुल्याउडत छित कहके देखावे नै चाहैछी । <sup>10</sup>लेकिन कुछ आदमीसब कहैछी,ओकर पत्रसब गम्भीर आ शक्तीशाली है । लेकिन उ शारीरक रूपमे कमजोर है ओकर बयनसब सुनेके लायक नै है । <sup>11</sup>बैसन आदमीसबके बातमे सचेत रहेके कि हमनीके अनउपस्थितिमे हमनीके पत्रके वचनमे हमनी जैसन छी हमनी उहा रहैत भी हमनीके कामदारद्वारा हमनी वैसन नै होबै । <sup>12</sup>हमनी अपन प्रशंसा अपने करेबाला आदमीसबके समुहमे रहेला आ ओकनीसंघे अपनाके तुलना करेला हद तक हमनी नैचाहैछी । आ एक दोसर संघे तुलना करैछै ओकनीसबके साथे अन्तर्दुष्टी नै होइछै । <sup>13</sup>लेकिन हमनी सिमासे बाहर जाके घमण्ड नै करबै बलकी परमेश्वर नियुक्त कर देले सिमासब के भितर मात्रे हमनी उ करैछी, जोन सिमा तोहनीसब तक पहुचैछै । <sup>14</sup>कैलाकी तोहनी किहा अबैत हमनी अपनाके बेसी नै समझली सु-समाचार लेके तोहनीसब किहा पहिले बेरा आबेबाला हमनीय रहली<sup>15</sup>हमनी दोसराके परिश्रमके बारेमे सिमा से बेसी घमण्ड नै कैनेछी । बलकी हमनी आशा करैछी कि तोहनीके विश्वास बढलकै हमनी कामके दायरा भी भूहत,रूपमे फैलतै तापरभी यी उच्चीत सिमाभितर ही रहतै <sup>16</sup>हमनी यकर आशा करैछी ताकी तोहनीसबके दरके क्षेत्रसबमे भी हमनी सु-समाचार प्रचार करे सकुँ औरी के क्षेत्रमे होरहल कामके बारेमे हमनी घमण्ड नैकरैछी<sup>17</sup>लेकिन घमण्ड करेबाला परमप्रभुमे घमण्ड करु । <sup>18</sup>कैलाकी अपन सिफारीस अपने करेबाला आदमीके स्वीकार नैकरतै बलकी परमप्रभुके सिफारीस कएल आदमीसब स्वीकार कएल जतै ।

## Chapter 11

<sup>1</sup>हमर कुछ मुखस्तासबके सहदेतै त होतीयेई कहके हमर इच्छा वा लेकिन बास्तमे तोहनीसब सहर हल छे । <sup>2</sup>कैलाकी हम तोरासबप्रति डाहि भेल छी । तोहनीसबके एक पतिसे विवाह करके प्रतिज्ञा कैलाके बाद हम ईश्वरीय डाहसे डाहि भेल छी हम हम तोहनी सब के एक शुद्ध कन्याके रूपमे मशिहमे प्रस्तुत करके प्रतिज्ञा कैला । <sup>3</sup>लेकिन सापँ हव्वा के अपना धुर्ताद्वारा छव्यल जैसन करके मशिहप्रति भेल तोहनी के निष्कट आ शुद्ध आराधनासे तोहनीके बिचार अलग लैजाइछई कहके हमरा डर लागल है । <sup>4</sup>कैलाई मानलु, यदि कौनो आके हमनी के प्रचार कैल के येशू से दोसर येशू है कहके प्रचार करैछे, चाहे मानलु तोहनी के मिलल आत्मा से दोसरे आत्मा प्राप्त कैले चाहे मानल तोहनीसबके प्राप्त कैल सु-समाचार से फरक सु-समाचार तोहनी के ग्रहण कैले तोहनी सब यी बात सब मे निमन से सहले छे । <sup>5</sup>कैलाकी हम विचार करैछी कि तीन सर्वोच्च प्रेरितसब कहावेबाला से हम कौनो हिसाब से कम नैछी । <sup>6</sup>लेकिन भाषण करेमे तालिम प्राप्त नैहै तपरभी हम ज्ञानमे अभिज्ञ नै छी हमनी सभी बातमे हर किसिमसे तोहनीसबके यी बात पत्ता देले छी । <sup>7</sup>कि हम तोरासबके उच्च बनाबेला अपना आपके नम्र बनाके पाप कैली ? कैलाकी हम तोहनीसबके आहिने सु-समाचार प्रचार कैली । <sup>8</sup>तोहनी सबके सेवा दे सकु कहके हम और मण्डली से सहयोग स्वीकार करके ओकनीसबके लुटली । <sup>9</sup>तोहनीके साथे रही हम अभावमे रली । हम केकरो बोझ नरहि । कैलाकी माकेडोनिया से आएल भाईसबके हमर अभावसब पुरा भेल । सब बातमे हम अपनेके ओकनीसबके बोझ बननेसे दुर रखली आ हम यी बातके निरन्तरता देब । <sup>10</sup>मशिहके सत्यता हमर भितर भेल के कारण अखैयामे हमर गर्व नैरोक सकिय । <sup>11</sup>कैला ? कैलाकी हम तोहनीसबके प्रेम नैकरैछी की ? परमेश्वर जानैछी । <sup>12</sup>लेकिन हम जे कर रहलछी, उँ हम करब । हम यी करब कैलाकी हमनीके स्थान मे आकर स्थापित होइत खोजैत जे बातमे ओकनीसब घमण्ड कर रहलछै ओकनीसबके यी मौकाके हम बन्द करेला चाहैछी । <sup>13</sup>कि एक त ओहन आदमिसब झुटा प्रेरितसब आ छली काम करेबाला सब है । उ सब ख्रिस्टके प्रेरित के भेष धारण करै छै । <sup>14</sup>आ यी कौनो अचमके बात नै छे । कैलाकी शैतान भी ज्योति मय स्वर्गदुतके भेष धरणा करैछे । <sup>15</sup>यदि यकर सेवकसब धार्मिकताके सेवके रूपमे भेष धरणा करके कहके यी अचमके बात नै छे । ओकनी के अन्त्य ओकनीके काम अनुसार होतै । <sup>16</sup>हम फेरु कहैछी: हमरा कोई मुख नसमझे, लेकिन यदिन तोहनीसब समझे छेत कहके फिरभी हमराके मुखके रूपमे ग्रहण कर, ताकी हम कनके घमण्ड करसकु । <sup>17</sup>हमर कहल यी घमण्डके निश्चयता के प्रभु स्वीकार नै कैने छै । लेकिन हम मुखलाख बोलैछी । <sup>18</sup>बहुत आदमी शरीर अनुसार घमण्ड करैछै, हम हु घमण्ड करब<sup>19</sup>कैलाकी तोहनीसब खुशिसाथ मुखसब सहन करैछै । तोहनीसब अपने बुद्धिमान छे । <sup>20</sup>कैलाकी तोहनीसब ओकराके सहैछे जोन तोरासबके दास बनाबैछौ । बर्बाद करैछै तोहनीसबसे फाइदा लेइछै । अपनाके तोहनीसे असल समझे छौ आ तोहनीसबके थप्पड भी लगबले <sup>21</sup>हम हमनीके शर्ममे यी बोलैछी, कि हमनी उ सब नकरे बाला दुर्बल रही । लेकिन यदि कौनो घमण्ड करैछै त हम एक मुख जैसन बोलैछी हम भी घमण्ड करबै<sup>22</sup>की उ सब हिब्रु सब है ? हम हु छी । की ओकनीसब इस्त्राएली है । कि उ सब अब्राहमके सन्तान है ? हम भी छी । <sup>23</sup>कि उ सब मशिहके सेवक सब है ? हम पागल भेल लेखा बोलैछी हम और बेसी छी, हम औरी बेसी परिश्रम कैलीछी औरी बेसी जेलखाना रहलछी । मपन नै करेसकेबाला पिटाई खएलेछी, मृत्युके खराबसबके सामना कैलीछी<sup>24</sup>यहुदीसब से हम पाँच बेरा “एक कम चालीस कोर्न कैलेछी । <sup>25</sup>हमराके उ बेर लाठिसे पिटाएली, एक पथरसे पिटाएली तिन बेर हम पानी जहाज दुर्घटनामे परली, हम एकदिन आ एक रात खुल्ला समुन्द्रमे बितैलेछी । <sup>26</sup>नदिसबके खतरामे डकुसबके खतरामे हमर अपने आदमीसब के खतरामे, अन्यजातिसबके खतरामे सहर भितर के खतरामे, उजाड स्थानसबके खतरामे समुन्द्रके खतरामे, मुट्टा भाइसबके खतरामे हम बारम्बार यात्रासब कैने छी । <sup>27</sup>बहुत अनिदोके रातसबमे भुख आ प्यासमे, प्राय उपवासमे, नडगापन आ ठनडामे हम कडा परिश्रम आ कठिनाई मे परल छी । <sup>28</sup>यी बात सबके बाहेक सब मण्डलीके फिक्रीके बोझ भी हमरा उपर है । <sup>29</sup>कोन कमजोर है आ हम कमजोर नै छी ? कौन ठकर खएले छै आ हम थकित नै छी । <sup>30</sup>यदि हमरा घमण्ड करेपरतै कहके, हमर कमजोरीसब देखाबेबाला बातमे घमण्ड करैछी । <sup>31</sup>प्रभु येशूके पिता आ सदासर्वदा प्रशंसा कराबेबाला परमेश्वरके पत्ता है कि हम दाटेके नैखे । <sup>32</sup>दमस्कसके राजा अरितसके महानतामे रहल हाकिम हमरके गिरफ्तार करेलागि सहरके पहरा देरहल छै । <sup>33</sup>लेकिन हमराके पर्खाल झ्यालसे टोकरीमे रखके निचे गिराएल आ ओकनीके हातसे फरार होगेली ।

## Chapter 12

<sup>1</sup>V1 हमरा गर्व करे परतै लेकिन यसे हमरा कुछो लाभ नै होतौ लेकिन प्रभुके दर्शन आ प्रकाशमे हम लागल रहब । <sup>2</sup>हम मशिहमे एक जन के चिन्हैछी जोन चौध वर्ष अगाडी तीस्रा स्वर्ग तक उठाएल गेल, शरीरमे आ शरीरविना हमरा थाह नैहै, लेकिन परमेश्वरके पत्ता है । <sup>3</sup>आ हमरा पत्ता है, उँ आदमी शरीरमे आ शरीरविना है, हमरा पत्ता नै है, लेकिन परमेश्वरके पत्ता है । <sup>4</sup>कि उ स्वर्गमे उठाएल गेल आ उ कौनोके उच्चारण नै करे सकेबाला अति पवित्र बातसब सुनल कै । <sup>5</sup>उ आदमीके तर्फसे हम गर्व करै छी लेकिन हम अपना दुर्बलता बाहेक ओरी बातमे गर्व नै करब । <sup>6</sup>यदि हम गर्व करे चाहतीत पर भी हम मुख्र नै बनब कलेली हम सत्य बोल सकिछी, लेकिन कौइभी हमरा से देखल आ सुनल बात से ज्यादा हमरा न सोचो कहके हम गर्व करेसे रूक जैछी । <sup>7</sup>आश्चर्य जन प्रकाशसबके कारण हम गर्व करेसे रूकजैछी उँ कारण हम घमण्डसे नभुलु कहके एगो काठो हमर शरीरमे देल गेल है । हम ज्यादा घमण्डी नहोउ कहके शैतान तर्फके दुत हमराके दुःख देवेके लागि देने है । <sup>8</sup>हमरा से यी काठों निकाल दिउ कहके हम प्रभुसे तिन बेरा बिनित्ति कैली । <sup>9</sup>तब हमराके हुन कहलकै हमर अनुग्रह तोरा लागि प्रसस्त है कैलाकी दुर्बलतामे ही शक्ति हमरासे बास करो कहके हम अपन दुर्बलतामे गर्व करब । <sup>10</sup>उ कारण मशिह खातिर सबमे, निन्दासबमे, समस्यासब मे, सतावटसबमे, कष्टपुर्ण, अवस्थासबमे खुशि रहै छी । <sup>11</sup>हम मुख्र भेल छी । तोहनीसब हमराके यहन करेला कर लगैले कैलाकी तोहनीसबसे त हमर प्रशंसा होवके चाहि । कैलाकी हम कुछ नछी तापरभी उ सर्वोच्च प्रेरितसबसे तुच्छ नैछी । <sup>12</sup>सारा धैर्य, चिएनसब आ शक्तोशाली कामसबद्वारा सच्चा प्रेरितसबके लक्षणसब तोहनीके बिचमे प्रदर्शन कैल रहे, <sup>13</sup>हम तोहनीसबके बोझ नभेलाके बात बाहेक कैसे भेल त ? यी गहती के लागि हमरा के क्षमा दिऊ । <sup>14</sup>देख! हम तोरासबके कह । तीसरा बेरी आबेला इच्छुक छी तोहनीसबके लागि हम बोझ बने नैआइल छी, कैलाकी हम तोरासबके साथे भेल बात सब नैचाहैछी । हम तोरासबके चाहैछी । कैलाकी बेटाबेटीसबके भाई, बाबुके लागि वचन नैकरैछे । बल्की भाई, बाबु बेटाबेटीसबके लागि वचन करेपरै छै । <sup>15</sup>हम तोहनीके प्राण के लागि ज्यादा खुशी साथ खर्च करबै आ स्वयम अपने भी खर्चामे । यदि हम तोहनीसबके बेसी प्रेम करैछी त हम चाही कम प्रेम पबै छी । <sup>16</sup>यहन होइ तापरभी हम तोहनीसब पर बोझ नबन ब । लेकिन हमरा धुर्त भेलाके कारण हम ही छल द्वारा तोहनीके फसैली । <sup>17</sup>कि हमर भोजन केकरो मार्फत हम तोहनीके फाइदा उठयले छी का ? <sup>18</sup>हम बिनित्ति करके तीतस संघे कुछ भाइसबके तोहनीसब किहा भेजली । कि तीतस तोहनी सब कुछ फाइदा लेलौ की ? कि हमनी भी ऐसन नै चलीसे ? कि हमनी सब भी ऐसही कदम नै चलएली स ? <sup>19</sup>कि यी हालत हमनी तोहनीसबके अगाडी हमनी अपन सफाई देइली कहने तोहनीसब सोचैछे ? परमेश्वरके दृष्टिमे गमनी तोहनीसबके बरिया बनावेला मशिहमे बोल रहल छी । <sup>20</sup>कैलाकी हम तोहनी सब किहा आएमत तोहनीसब हमनी क यहन जैसन नै झिलतै कहके हम डेराइछी । हमरा के तोहनी जैसन चाहैछे नमिलब कि कहके हम डेराइछी उहाँ बाद बिवाद, ईर्ष्या, रिस सब गिराबेला काम व्यक्तिगत स्वार्थ बात कटेबाला घमण्ड आ गडबड होई, कहके हम डेराइछी । <sup>21</sup>हम तोहनी किहा फेर फिरके अबैत हमर परमेश्वर हमराके तोरासब अगाडी बिनम्र बनातै कहके हमरा डर लगैछै । यहन बहुत आदमीसब जोन अपवित्र आ यौन अनैतिकता और कामबासनाके चाहनासे पश्चताप नै करने छै । ओकनीसबके कारणसे हमरा शोक परे के परे कि कहके हमरा डर लगैअ ।

## Chapter 13

<sup>1</sup>हम तीसा बेर तोरासब लडग आ रहल छी । “हरेक आरोपके दुआ तिन गोटा साक्षीद्वारा प्रमाणित करह जतै” । <sup>2</sup>हम दोसा बेरी उहा रहित पाप करेबाला आ बाँकीके कैहेदेले छी आ फेरू भी कहैछी हम फेर आयमत ओकनीसबके छोडेबाला नैछी । <sup>3</sup>तोहनीसबके यी कहै छी, कैलाकी तोहनीसब हमरा द्वारा मशिह बोल लकै के प्रमाण खोजैछे । उ तोहनीप्रति कमजोर नैछे । लेकिन उ तोहनीसबमे शक्तिशाली है । <sup>4</sup>कैलाकी उ दुर्बलतामे क्रु पर टडगागेलकै, लेकिन परमेश्वरके शक्तिद्वारा जीवित है । कैलाकी हमनीओ हुनकामे दुर्बल छी, कैलाकी तोहनीसबके बिचमे हमनी परमेश्वरके शक्तिद्वारा हुनकामे जिबै । <sup>5</sup>तोहनीसब विश्वासमे छे की नछे कहके अपने से जाँच कर । अपनाके जाँच । येशू मशिह तोहनीसबमे छै कहके तोहनीसब महसु स नै कैनेछे ? उ है नत तोहनीसब स्वीकृत नै होबे । <sup>6</sup>आ हम निश्चित छी । की तोहनीसब हमनी अस्वीकृत नभेल मिलतौ तोहनी कुछो खराबी करेबाला नै छै । कहके देखाबेबालाके लागि हम प्रार्थना नै करैछी । बलकी हमनी जाँचमे असफल भेल जैसन लौकाइ छी त पर भी तोहनीसब जे असल है उहे करे सक कहके हमनी प्रार्थना करैछी । <sup>8</sup>कैलाकी हमनी सत्यके विरुद्ध कुछो नै करेसकबै, केबल सत्य के निम्ति मात्रे करे सकबै । <sup>9</sup>कैलाकी हमनी दुर्बल रैछी आ तोहनीसब सामर्थी रहले हमनी खुशी होइछी । तोहनीसब पुर्ण हो कहके हमनी प्रार्थना करै छी । <sup>10</sup>हम दुर होइत यी बातसब देख रहल छी, ताकी हम तोहनीसब मे रहैत निर्दयतासाथ व्यवहार करेके नपरो । हमरा प्रभुसे मिलल अधिकार तोहनीके निर्माण करेलागी प्रयोग करेसकु, भसकाबे बाला नै<sup>11</sup>अन्तमे भाइहो, आन्नद कर । पुर्ण निर्माणको लागि काम कर उत्साहित हो । एक दोसरसाथ सहमत होऊ; शान्तिमे रह और प्रेम आ शान्तिमे परमेश्वर तोहनीसबके साथे रहतौ । <sup>12</sup>एक दोसरके पवित्र चुम्बनसे अभिवादन कर<sup>13</sup>सब विश्वासीसब तोहनीके अभिवादन पठएले छै । <sup>14</sup>प्रभु येशू मशिहके अनुग्रह परमेश्वर प्रेम, आ पवित्र आत्माके संगति तोहनीसब के साथे रहो । आमेन् ।

## Ephesians

## Chapter 1

<sup>1</sup>पावल परमेश्वरके इच्छा सअ येशू मशिहके एकटा प्रेरित सअ परमेश्वरके लेल अलग केल गेल एफिसीसमे भेल सब आ मशिह येशूमे विश्वास करके लेल योग्य भेलसबके, <sup>2</sup>अपना सबके पिता परमेश्वर आ मशिह येशू सअ आहांसबके अनुग्रह आ शान्ति । <sup>3</sup>परमेश्वर अपना सबके प्रभु येशू मशिहके पिताके प्रशंसा होय । जे परमेश्वर अपना सबके सब प्रकारके आत्मिक आशिष सभ स्वर्गके जगह सबमे आशिर्वाद देने है । <sup>4</sup>परमेश्वरके सामने पवित्र आ कोनो प्रकारके दोष नैय भेल होब सकी कैह कअ ऐय संसारके रचना होब सअ पहिले अपना सब मशिह मे विश्वास कर बाला सबके ओ चुनल कैय । <sup>5</sup>प्रेममे परमेश्वर अपना सबके येशू मशिह सअ अपने निज पुत्रसबके रुपमे स्वीकार करके लेल पक्का केलकै । ओ एना केलकै कैलाकी ओ परमेश्वर अपना योजनाके पुरा करके लेल ओ खुशी भेलै । <sup>6</sup>कारण यी है कि परमेश्वरके महिमा बाला अनुग्रहके कारण सअ सबहे कोय ओकर प्रशंसा करै । यी अनुग्रह ओअपन प्रिय पुत्र द्वारा मडनीएमे अपना सबके देने है । <sup>7</sup>अपार अनुग्रह सअ ओकर प्रिय पुत्र के खुन सअ छुटकारा आरो पापके क्षमा पबै छियै । <sup>8</sup>पुरा बुद्धि आ पुरा समझमे ओ यी अनुग्रह बौहते कक अपना सबके देने छेलै । <sup>9</sup>परमेश्वर अपन इच्छा अनुसार मशिहमे इजोतमे जे लौने रहै अपन योजना के छुपल सच्चाईके अपनासबके लेल प्रकट केलकै । <sup>10</sup>परमेश्वर स्वर्ग आ धरतीके सबहे कुछ के एक साथ लौतै । <sup>11</sup>येशू मशिहमे अपना सबपरमेश्वरके सन्तानके रुपमे चुनल रहियै । सबहे कुछ अपन एच्छा सअ करबालाके योजनामे अपनासब पहिले चुनल रहियै । <sup>12</sup>महिमाके होय कैय कअ अपना सब जीय सकी कैह कअ परमेश्वर एना केलकै । अपना सब मशिहमे भरोसा राख बाला पहिलका आदमी सब रहियै । <sup>13</sup>मशिहमे आहां सबके सही वचन, आहांसबके छुटकाराके असल खबर सुन्ताके बाद, ओकरे मे आहांसब विश्वास केने छी आ सर्त सहितके पवित्र आत्माके छाप लगाउल गेल छेलीयै । <sup>14</sup>अपना सब अपन हक जब तक नै पौबै पवित्र आत्मा अपनासबके पक्काके लेल प्रमाण छै । यी ओकर महिमाके लेल है । <sup>15</sup>अही कारण सअ प्रभु येशू मशिह मे भेल आहांसबके विश्वासके बारेमे आ ओकरा लेल अलग केल गेल सबके लेल आहांसबके प्रेमके बारेमे जैय समय सअ हम सुन लियै यअ <sup>16</sup>हम आहां सबके लेल परमेश्वरमे धन्यवाद दैला आ हमर प्रार्थना आहांसबके याद करै ला नै रोक्ने छियै । <sup>17</sup>हम यी प्रार्थना करै छियै कि अपनासबके प्रभु येशू मशिहके परमेश्वर महिमा के पिता आहांसबके बुद्धिके आत्मा आ ओकर ज्ञानके इजोत दैय । <sup>18</sup>हम यी प्रार्थना करै छियै कि अपनासबके बोलाहटके पक्का-पक्की कथि है कैह कअ जानके लेल आहांसबके हृदयके आइख सब देखै आ ओकर लेल अलग केल गेल सबके बिचमे ओकर हकके महिमाके सम्पत्ती कथि है से आहांसब जान सकू । <sup>19</sup>विश्वास करबाला अपनासबके ओकर शक्तिके अपार महान्ताके विषयमे आहां सब जानू कैह कअ हम प्रार्थना करै छि । यी महान्ता ओकर महान सामर्थ के काम है । <sup>20</sup>यी येहा शक्ति है जे परमेश्वर मशिह येशूके मरल मेस जीया देलकै आ स्वर्गके जगह सबमे ओकर दाहिना कात मे येशूके बैय नैलकै तैय समयमे येशू मशिहमे काम कैर ते रहै । <sup>21</sup>ओ परमेश्वरय येशूके सबहे शासन, सबहे अधिकार, शक्ति, प्रभुता आ सबहे नाम सअ उपर रखल कैय । ऐ जुगके लेल मात्रे नै, लेकिन आब बाला जुगके लेल सेहो ओ मशिहके रखने छै । <sup>22</sup>परमेश्वर सबहे कुछ येशू मशिहके पाउमे राइख देने है आ ओकरे मण्डलीमे सबहे कुछ के उपर मथा बना देने है । <sup>23</sup>ओ सबहे तरह से सबहे कुछ पुरा करतैय आ ओकर पूर्णता ओकर देह, मण्डली है ।

## Chapter 2

<sup>1</sup>आहां सब त अपन अपराध सब आ पापसबमे मरल रहियै । <sup>2</sup>ऐ संसारके चलनके अनुसार आहांसब एहन बातसबमे एकबेर चलल रहियै । आकाशके शक्तिके शासक के अनुसार आहां सब चलल रहियै । यी ओकर आत्मा है, जे आज्ञा पालन नै करबाला के धियापुता सबमे काम करै है । <sup>3</sup>अपनासब एकबेर यी सबहे विश्वास नै कर बाला सब जरे रहियै । अपना सबके शरीरके खराब इच्छा अनुसार काम करैत चलियै देह आ मनके इच्छा अनुसार काम करैत रहियै । अपनासब स्वाभवे सअ दोसर आदमी सब जाका क्रोधके धियापुता रहियै । <sup>4</sup>लेकिन परमेश्वर अपन महान प्रेम सअ अपन सबके प्रेम केलाके कारण ओ दयामे धनीक छै । <sup>5</sup>जब अपनासब अपन अपराध सबमे मरल रहियै, ओ अपन सबहे कोयके संगे मशिहमे लबका जीवनमे लौल कैय । ओकर अनुग्रह सअ आहां सब बचाउल गेल छी । <sup>6</sup>मशिह येशूमे अपनासबके परमेश्वर उठौने छै आ स्वर्गके जगह सबमे ओकरा संगे बसौने छै । <sup>7</sup>आब बाला दिन सबमे ओकर अपार अनुग्रहमे अपनासबके प्रकट करावके लेल ओ एना केलकैय । मशिह येशूमे ओकर दया सअ ओ यी देखबै छै । <sup>8</sup>कैलाकी आहांसब अनुग्रहके कारण विश्वास सअ बचाउल गेल छी । आ यी आहांसब सअ नै एल है लेकिन यी परमेश्वरके उपहार है । <sup>9</sup>काम सब सअ नै अहीकारण कोय घमण्ड नै कर सकैय । <sup>10</sup>कैलाकी अपनासब परमेश्वर बौहते पहिले सअ योजना केने रहल असल काम करके लेल आ अपनासब ओय बमोजिम चलु कैह कैय मशिह येशूमे रचल ओकर हातके शिप छियै । <sup>11</sup>अहीकारण सअ यी बात समझू, कि एक समय आहां सब शरीरमे गैर यहूदीसब रहियै । आदमी सबके हात सब सअ देहमे खतना भेल आदमीसब आहां सबके खतना नै भेल बाला कैह कअ बोलबै । <sup>12</sup>कैलाकी ओय समयमे आहां सब मशिह सअ अलग रहियै । इस्राएलके आदमी सबके लेल आहांसब बिदेशी रहियै । आहांसब बाच्चाके सर्त सअ दुर रहियै । आहांसबके आब बाला दिनके लेल कोनो (पक्का) नै रहै । आहांसब परमेश्वर बिना अय संसारके रहियै । <sup>13</sup>आहांसब एक समयमे परमेश्वर सअ दुर भअ गेल सब, आब येशू मशिहके खुनसअ मशिह येशूमे परमेश्वर लग लगने लावल गेल छी । <sup>14</sup>कैलाकी ओ अपनासबके शान्ति छै । ओ दुगोके एक बनौलकै । अपनासबके एक दोसर सअ अलग करबाला दुश्मनके देवालसब ओकर शरीरमे तोडल गेलै । <sup>15</sup>या ओकरेमे एकटा लबका आदमी रच के लेल, ओ नियमसबके आ आज्ञासबके कानूनके खारिज कअ देलकै । ओ मिलाप करौलकैय । <sup>16</sup>ओकर क्रुसे सअ दुगो आदमीके परमेश्वरमे देहमे एक बनावके लेल ओ एना केलकै । क्रुसेमे ओ दुश्मनीके नाश केलकै । <sup>17</sup>येशू एलै आ बौहते दुर आ लगमे भेल सबके ओ शान्तिके घोषणा केलकैय । <sup>18</sup>कैलाकी येशू सअ अपनासब दुनु कोय एकैटा आत्मामे पितालग जाय सकबैय । <sup>19</sup>अहीकारण आहां यहूदीसब कोनो लबका आदमी आ बिदेशी नै छियै । लेकिन सबहे परमेश्वरके लेल अलग केल गेल सब जरे ओकर राज्यके सँगी नागरिकसब छियै आ परमेश्वरके परिवारके आदमी छियै । <sup>20</sup>आहांसब प्रेरित आ भविष्यवक्तासबके जगके उपर बसाउल गेल छियै । मशिह येशू अपने कोनके पथर छै । <sup>21</sup>येशू मशिहमे ओकर सबहे काम मिल्ले जेतै आ प्रभुमे एकैटा मन्दिरके रुपमे बैढते जेतै । <sup>22</sup>आरो ओकरे मे आहां सब सेहो पवित्र आत्मामे परमेश्वरके रह बाला जगहके रुपमे सँगे बैनते जा रहल छी ।

## Chapter 3

<sup>1</sup>अहिकारण हम पावल,आहां गैरयहुदीसब के लेल येशू मशिहके एक कैदी छि । <sup>2</sup>आहांसबके लेल परमेश्वर हमरा जे अनुग्रह देने है ओकर कामके विषयमे आहांसब सुनने छी कहक हम बिचार करै छी ।<sup>3</sup>हमरा जे प्रकाश मिल लैय ओही आधारमे हम यी बात सब लिख रहल छी । हम दोसर चिट्ठीमे हमर छोट रूपमे लिखल बात एकटा छुपल सच्चाई है । <sup>4</sup>जब आहांसब ए के बारेमे पढबै,तब मशिहके छुपल सच्चाईके बारेमे हमरा लअ भेल भितरका बात के बारेमे आहांसब बुझ सकबै । <sup>5</sup>यी सच्चाई दोसर पुस्तासबके आदमीसबके नैय बातउल गेल रहै । लेकिन अखन ओकरामे समर्पित प्रेरित सब आ भविष्यवक्तासबके पवित्र आत्मा सअ यी प्रकट भेल छै ।<sup>6</sup>यी छुपल सच्चाई येहा है कि सु-समाचार द्वारा दोसर जातीसब संगी हक बाला सब है, एकैटा शरीरके अंगसब आ मशिह येशूमे रहल बच्चाके सझिया है । <sup>7</sup>ओकर शक्तिके काम सअ हमरा देल गेल परमेश्वरके अनुग्रहके वरदान सअ हम ऐय सु-समाचारके सेवा करबाला भेल छी । <sup>8</sup>परमेश्वरके लेल अलग केल गेल सब मे सअ हम सबहे सअ छोट छियै, लेकिन तैयो हमरा यी वरदान देलकैय । दोसरजाती सबके मशिह येशूके अथाह धनके बारेमे सु-समाचार सुनावके लेल यी वरदान हमरा देल गेलै । <sup>9</sup>सबहे आदमीसबके परमेश्वर छुपल योजनाके बारेमे हमरा देखार कर परतैय । पहिले यी योजना सबहे चिज के रच बाला परमेश्वर सअ बितल जुग सबमे छुपाउल रहैय ।<sup>10</sup>ओकर मनसाय यी रहै कि अखन स्वर्गके जगह सबमे भेल शासक सब आ अधिकार करबाला सब मशिह मण्डलीके देख कअ परमेश्वरके बहुत प्रकारके बुद्धि के जाइन सकैय । <sup>11</sup>अपना सबके प्रभु मशिह येशूमे ओकर सअ पुरा केल गेल कैहियो अन्त नै होवबाला योजनाके अनुसार यी हैतै ।<sup>12</sup>कैलाकी मशिहमे ओकरा उपर अपनासबके विश्वासके कारण अपनासब साहस और पक्का भरोसा पौने छि । <sup>13</sup>अहीकारण सअ, आहांसबके लेल हम जतेक दुःख उठौने छि ओय सअ आहांसब हिम्मत नै हारू कह क हम आहांसब सअ बिन्ति करै छी । कैलाकी आहांसबके लेल त यी गर्भ के बात है ।<sup>14</sup>अहीकारण सअ हम पिताके सामनेअपन ठहुनिया अरै छियै । <sup>15</sup>जेकर पछारुमे स्वर्ग आ धरतीमे भेल सबहे परिवारके नाम राखल गेल है । <sup>16</sup>ओकर अपार महिमा के अनुसार आहांसबके बास करबाला ओकर आत्माके शक्ति सअ ओ आहांसबके मजबूत बनबैय कैय कअ हम प्रार्थना करै छी ।<sup>17</sup>आहांसबके विश्वास द्वारा येशू मशिह आहांसबके हृदयमे बास करै कह कअ हम प्रार्थना करै छि । <sup>18</sup>ताकी ओकर प्रेममे सबहे विश्वासीसब जरे मशिहके प्रेमके चौडा कते हैय, लम्बा कते है, उच कते है आ गहिर कते हैय कह कअ आहांसब बुझ सकी । <sup>19</sup>आहांसब मशिहके प्रेमके महान्ताके बुझ सकी कह कअ हम प्रार्थना करै छी, जे ज्ञान सअ उत्तम है । आहांसब परमेश्वरके सबहे पुर्णता सअ भैरजाउ ।<sup>20</sup>आब अपनासबके भितर काम करबाला ओकर शक्तिके अनुसार, अपना सब जे मडबै आ जे बिचार करबै सबहे चिज सब सअ बौहते उपर सबहे कुछ कर सक बाला ओकरे <sup>21</sup>मशिह येशूमे भेल सबहे पुस्तासबके मार्फत आ मण्डलीमे ओकरा सबहे दिन तक युग-युग तक महिमा होय । आमेन् ।

## Chapter 4

<sup>1</sup>अहिकारण, प्रभुके लेल हम एक बंदी भेलाके नाता सअ आहांसबके जैय बोलावट मे बोलाउल गेल है ओही अनुसार सही ढंग सअ चलके लेल हम आहांसबके बिन्ति करै छी । <sup>2</sup>पुरा रुप सअ विनम्रतामे आ कोमलतामे आ धिरजतामे जिउ । एक कोय दोसरके प्रेममे स्वीकार करु । <sup>3</sup>पवित्र आत्माके एकताके शान्तिके बन्धनमे राखके लेल बनिया तरिका सअ प्रयास करु । <sup>4</sup>शरीर एकैटा है आ पवित्र आत्मा सेहो एकैटा है, जेना अहुसब सेहो एकैटा पक्का आशामा बोलाउल गेल रहियै । <sup>5</sup>प्रभु एकैटा है, विश्वास एकैटा है, आ बप्तिस्मा सेहो, <sup>6</sup>आ सबकोयके पिता, परमेश्वर सेहो एकैटा है । ओ सबहे कुछके उपर, सबहे कुछके भितर आ सबहे कुछमे है । <sup>7</sup>अपना सबहे कोयके मशिहके वरदानके नापमे वरदान देल गेल है । <sup>8</sup>जेना धर्मशास्त्र कहै है: “जखन ओ उचगर जगहमे गेलै, ओ बंदी सबके बंदी बना कअ लअ गेलै । ओ आदमीसबके वरदान सब देल कैय । <sup>9</sup>ओ उचगर जगहमे गेलै” कहके मतलब कथी है ? केवल येहा कि ओ धरतीके निचा जगहमे सेहो उत्तर लैय । <sup>10</sup>ओ जे निचा उत्तरलैय, वेहा सबहे स्वर्गसब सअ बौहते उपर चैढ गेलै । ओ सबहे कुछके पुरा करके लेल यी केलकै । <sup>11</sup>मशिह येहन वरदान सब देलकै: मशिह दुत सब, भविष्यवाणी करबाला सब प्रचार करबाला सब, मण्डलीके देख-रेख करबाला सब, और मास्टरसब । <sup>12</sup>मशिहके देह के तयार कक सेवाके कामके लेल विश्वाससबके मजबुत करके लेल ओ एना केलकै । <sup>13</sup>विश्वासके एकता आ परमेश्वरके पुत्रके ज्ञानमे अपनासब जबतक नैय पुगबै तब तक ओ यी करतैय । मशिहके उचाईमे पुरा रुप सअ पुगल सब जाका अपना सबजब तक पक्का नैय होबै ओ एना करतैय । <sup>14</sup>अपनासब आब बच्चासब जाका नै बनू कह कअ जरुरी है । अपनासब आब एना एनी-उनी नैय बहकूअ कह कअ यी जरुरी है । सबहे शिक्षाके झोकसंगे आ आदमीसबके धोखा दियबाला धुर्त के छलसअ अपनासब नै बहकूअ कह कअ जरुरी है । <sup>15</sup>बल्की अपना सब प्रेममे सही बोल्बै आ अपनासबके माथा, मशिहमे अपनासब सबहे कुछमे बैर जेबै । <sup>16</sup>मशिह विश्वासीसबके देह केसंगे जोडतैय । प्रेममे सबहे देहके विकास होय । आ अपने बरहे कह कअ उ सबहे सहयोग करबाला अंग सब सअ जुटल रहै है । <sup>17</sup>ओही दुवारे हम आहांसबके कहै छी आ प्रभुमे गवाही दै छी । दोसर जाती सब अपन विचारसबके खराबीमे जेना चलै है आब सअ ओना आहांसब नै चलु । <sup>18</sup>उ सब अपन विचारमे आन्हर भेल है । ओकरासबके हृदय कठोर भेलाके कारण ओकर सबमे भेल अजानता सअ उसब परमेश्वरके जीवन सअ अलग केल गेल है । <sup>19</sup>ओकरा सब के विवेक सुन्न भअ गेल है । ओकरा सबके लाज नै लगै है । उ सब सबहे प्रकारके गन्दा कामसब लालसा के साथ करके लेल उ सब अपनेके शरीरके इच्छाके बशमे कअ देने है । <sup>20</sup>लेकिन आहांसब मशिहके बारेमे एहन तरिका सअ नै सिखने छिये <sup>21</sup>आहांसब येशूके बारेमे सुन्न छी कह कह कअ हम समझै छियै । मशिहमे भेल सच्चाईके अनुसार आहांसब ओकरेमे सिखाउल गेल छी कहक हम समझै छियै । <sup>22</sup>आहांसब पहिलका चाल-चलन, पुरणका स्वभाव के अनुसार केल गेल सबहे कुछ छोडर दुअ । येहा पुरणका स्वभावके धोखा दिय बाला इच्छा सबके कारण सअ आहां सब नष्ट भअ रहल छी । <sup>23</sup>आहांसब अपन विचारके आत्मामे फेन: लबका हुव के लेल अपन पुरणका स्वभावके त्याग दु । <sup>24</sup>परमेश्वर जेहन चाहै है ओहने लबका स्वभाव बनिया सअ लेवके लेल एना करु । यी लबका स्वभावके धार्मिकाता और सच्चाई के पवित्रतामे रचन गेल है । <sup>25</sup>ओही दुवारे झुठ के त्याग दु । सबहे कोय अपन परोसी जरे साच बोले, “कैलाकी अपनासब एकैटा शरीरके अंगसबके रुपमे एक दोसरके छी । <sup>26</sup>पिताउ लेकिन पाप नै करु । सुरज डुब सअ पहिले आहांसबके पित मैर जाय । <sup>27</sup>दुपटके मौका नै दु । <sup>28</sup>चोरी कर बाला आब कहियो चोरी नै करै बल्की उ मेहनत करै जेकरा सबके जरुरी परल है ओकरा सबके मदत कर सकै । <sup>29</sup>आहांसबके मुख मेश हानी पहुचाव वाल कोनो बात नै निकलै लेकिन एकरा सट्टामे जरुरी सब पुरा करबाला आ सुन बाला आदमीसबके हित होव बाला बात सब मुख सअ निकलै । <sup>30</sup>आ परमेश्वरके पवित्र आत्माके दुःखीत नै बनाउ कैलाकी छुटकाराके दिनके लेल ओकरे सअ आहांसबमे छाप लगाउल गेल है । <sup>31</sup>सबहे प्रकार के तिताबातसब क्रोध, तामस, झगडा, दोसरके बेजत केनाई और दुष्ट भावनाके आहांसब त्याग दु । <sup>32</sup>एक दोसर के लेल दयालु बनू । एक दोसरके लेल कृपालु बनू । जहिना मशिहमे परमेश्वर आहांसबके क्षमा केलकै ओहिना अहुसब एक दोसरके क्षमा करु ।

## Chapter 5

<sup>1</sup>ए दुवारे परमेश्वरके प्रिय बेटाबेटी सब जाका ओकर देखा सिरवी करू । <sup>2</sup>आ मशिह अपना सबके प्रेम कक जेना अपनेके अपना सबके लेल बलि कअ देलकै ओहिना आहांसब प्रेममे चलू । परमेश्वरके लेल बनिया सुगन्ध दियबाला बनि आ वासना हुव के लेल ओ एकटा भेटी और बली रहै । <sup>3</sup>जेना विश्वासीसबके लेल सही होइछै, आहांसबके बिचमे व्यभिचार, आ कोनो प्रकारके गन्दा काम आ लोभके बारेमे नामो नै लु । <sup>4</sup>ने त गन्दा बात, ने त मूर्खीय बोली, ने त अपमान करबाला मजाक होय जे बात सब उचित नै है । बल्की धन्यवाद दिय बाला काम होब क चाही । <sup>5</sup>कैलाकी आहांसब यी पक्का रूप सअ जाइन लू कि कोनो व्यभिचारी कि अशुद्ध आदमी आ लोभ करबाला आदमीके मशिह आ परमेश्वरके राजमे हिस्सा नैय होतै । लोभ केनाई मुर्ति पुजा केनाई बराबर है । <sup>6</sup>आहांसबके कोय भि बिना काम के बात सब सअ धोखा नैय दैय । अही बात सबके खातिर आज्ञा नैय मान बाला सबके उपर परमेश्वरके क्रोध अबै है । <sup>7</sup>अही कारण सअ ओकरा सब जरे आहांसब सहभागी नै होउ । <sup>8</sup>कैलाकी आहांसब एक बेर अन्हार रहियै, लेकिन आब आहांसब परमप्रभुमे इजोत भअ गेल छी । अहीकारण सअ इजोतके धियापुता जाका चलू । <sup>9</sup>कैलाकी इजोतके फल सबहे भलाई, धार्मिकता, और सच्चाईमे छोड़छै । <sup>10</sup>प्रभुके खुश कराब बाला बात सब पत्ता लगाउ । <sup>11</sup>अन्हारके फल होबबाला काम सब मे भाग नैय लू । बल्की ओकरासबके देखार करू । <sup>12</sup>कैलाकी उसब जे काम सब चोरा कअ के ने है ओकरा चर्चो केनाई लाज के बात है । <sup>13</sup>जब सबहे कुछ इजोतमे अबै है, तब उसब बनिया सअ देखाई छै । कैलाकी देखार भेलसबहे कुछ इजोतमे चम कअ लगै छै । <sup>14</sup>अही कारण सअ एना कहल गेल है, " ए सुतहा सब जागू और मरल मेश जीक उड़ठ जाउ, आ मशिह आहां मे इजोत चमकौतैय । <sup>15</sup>तै दुवारेआहां केना कअ चलै छी, ओय चीजमे होसियार होउ, मुख्र जाका नैय लेकिन बुद्धिमान जाका । <sup>16</sup>समयके बचाउ, कैलाकी दिन सब खराब है । <sup>17</sup>मुख्र नै बनू । बल्की प्रभुके इच्छा कथि है कैह कअ बुझु । <sup>18</sup>दारु सअ नै मातू, कैलाकी यी विनाश दिशा लअ जाय है । लेकिन पवित्र आत्मा सअ भैर जाउ । <sup>19</sup>एक दोसरमे भजन, स्तुतिगान आ भक्तिके गीतसब गबैत बजबैत रहू । <sup>20</sup>येशू मशिह के नाममे सबहे दिन सब कुछ के लेल पिता परमेश्वरके धन्यवाद चढाउ । <sup>21</sup>मशिह के आदर होय कैह कअ एक दोसरके अधिनमे रहू । <sup>22</sup>हे स्त्री सब जेना प्रभुके अधिनमे रहै छी वहिना अपना मरद सब के अधिनमे रहू । <sup>23</sup>कैलाकी मरद जनीके शिर है , जेना मशिह सेहो मण्डलीके शिर है । मण्डली मशिहके देह है आ ऐय देहके मशिह अपने मुक्ति दिय बाला है । <sup>24</sup>जेना मण्डली मशिहके अधिनमे है ओहिने स्त्री सब सेहो सबहे कुछमे मरद सबके अधिनमे रहै । <sup>25</sup>हे मरद सब जेना मशिह मण्डलीके प्रेम केलकै आ अपनेके मण्डलीके लेल दअ देलकै, ओही तरह सअ अपने स्त्रीसबके प्रेम करू । <sup>26</sup>जैय सअ ओ ओकरा पाइन सअ धोअ कअ वचन सअ पवित्र बना सकै । <sup>27</sup>कोनो दाग नैय आ चाउरी नैय भेल आ एहन कोनो चिज नैय लेकिन पवित्र आ दोष नै भेल चमकदार मण्डली अपने लेल हाजिर कराबके लेल ओ एना केलकै । <sup>28</sup>अही प्रकार सअ मरद सब अपन स्त्रीसबके अपने शरीर जाका प्रेम करपरतैय । अपन स्त्रीके प्रेम कर बाला अपनेके प्रेम करतैय । <sup>29</sup>कहियै भि कोय अपन शरीरके घृणा नै करै है । बल्की ओ एकरा पालन पोषण कक प्रेम करै है, जहिना मशिह सेहो मण्डलीके प्रेम करै है । <sup>30</sup>कैलाकी अपनासब ओकर शरीरके अंग सब छियै । <sup>31</sup>अही कारण सअ एगो आदमी अपन बाबु आ माईके छोड़ दैय है आ अपन स्त्री सअ मिलै है आ उ दुनु एकैटा शरीर भअ जाय छै । <sup>32</sup>यी एकटा बहुत बरका छुपल सच्चाई है, लेकिन हम मशिह आ ओकर मण्डलीके बारेमे कैह रहल छी । <sup>33</sup>तैयो आहांसब सबहे कोय अपन स्त्रीके अपना जाका प्रेम करू आ स्त्री सेहो अपन मरदके सम्मान करै ।

## Chapter 6

<sup>1</sup>हे बेटाबेटी सब, प्रभुमे आहांसबके माई बाबुके आज्ञा मानू, कैलाकी यी उचित है <sup>2</sup>अपन माई बाबुके आदर करू” जे बच्चा सहितके पहिलका आज्ञा है। <sup>3</sup>जब एना करब त आहांसबके कल्याण होय आ आहांसब ऐय धरतीमे बौहते समय तक जीय सकू। <sup>4</sup>और हे बाबु सब अपन बेटाबेटाबके नैय रिसबीयै। बल्की ओकरा प्रभुके अनुशासनमे आ शिक्षामे बर हबियौ। <sup>5</sup>हे दास सब, जेना मशिहके आज्ञा पालन करै छी तहिना बरका आदर आ डर माइन कअ आहांसबके हृदयमे कोनो कपट नैय राइख कअ संसारके मालिक सबके आज्ञा पालन करू। <sup>6</sup>अपन मालिक के देखा कअ ओकरा खुशी करके लेल मात्रे आज्ञा पालन नै करू। बल्की मशिहके दास सब जाका आज्ञा पालन करू। आहांसबके हृदय सअ परमेश्वरके इच्छा पुरा करू। <sup>7</sup>जेना आदमीबसके सेवा करै छियै तेना नैय लेकिन अपन पुरा हृदय सअ जेना परमप्रभुके सेवा करै छियै तहिना सेवा करू। <sup>8</sup>आहांसब यी जानु, कि आदमीके करबाला सबहे बनिया कामके लेल उ परमप्रभु सअ इनाम पौतैय, चाहे उ आदमी दास होय आ नै होय। <sup>9</sup>हमसब मनुष्यके गवाही स्वीकार करैछी त परमेश्वरके गवाही और महान छैयई। किया त परमेश्वरके गवाही इहे हैयकी, उन्कर पुत्रके गवाही हैइके। <sup>10</sup>अन्तमे, प्रभुमे आ ओकर शक्तिके सामर्थमे बलगर होउ। <sup>11</sup>परमेश्वरके सबहे हात हतियारसब पक्रु जैस आहांसब शैतानके छल कपट करबाला जालसबके बिरोधमे खार होब सकी। <sup>12</sup>कैलाकी अपनासबके लडाई शरीर और खुनके बिरोधमे नै है लेकिन यी त प्रधान सब से और अधिकारीसबसे और अन्हारके राज्यमे शासन करबाला सब से और स्वर्गके जगहमे भेल दुष्टके आत्मिक सेनासबके बिरोधमे है। <sup>13</sup>अही कारण परमेश्वरके सबहे हाथ हाथियार पक्रु जैस ऐय दुष्ट समयमे दुष्टके सामना कर सकी आ सबहे काम पुरा कक खार होब सकी। <sup>14</sup>तै दुवारे सत्य सअ अपन डार कसू धार्मिकताके छातीमे लगवबाला पाता लगाकअ खार होऊ। <sup>15</sup>आ गोरमे मिलान करब बाला सु-समाचारके जुता लगाकअ तयार हौउ। <sup>16</sup>जरे विश्वासके ढाल हातमे लेने रहु जैस आहांसब दुष्टके सबहे अम्नीवाण मुझाव सकव। <sup>17</sup>आ मुक्तिके टोप लगाउ आ पवित्र आत्माके तरवार बोक्, जे परमेश्वरके वचन है। <sup>18</sup>सबहे प्रार्थना आ बिन्ति सअ सबहे समय पवित्र आत्मामे प्रार्थना करू। प्रार्थना कर मे सबदिन सचेत भक लागल रहु। परमेश्वरके सब लोक के लेल प्रार्थना केनाई नै छोडू। <sup>19</sup>आ हमरो लेल प्रार्थना करू, कि जब हम अपन मुख खोली त हमरा वचन दैय आ हम निडर भक लोक के सु-समाचारके भेदके सुना सकी। <sup>20</sup>जेकरा लेल हम जिन्जीर सअ बान्हल एगो राजदुत छी; आ जेना हमरा बोलक चाही, ओना हम साहस सअ बोल सकी। <sup>21</sup>लेकिन अहुसबके सेहो हमरा अवस्थाके बारेमे आ हमरा केना है कैह कअ होयके लेल प्रभुमे प्रिय भाई आ विश्वास करबाला चेला तुखिकस आ दाससबके सबहे बात बताउत। <sup>22</sup>हम ओकरा आहांसब लग एहा बिचार सअ पठौने छी, जे आहांसब हमरा बारेमे जान सकी आ उ आहांसबके हृदयके हिम्मत दिय सकै। <sup>23</sup>परमेश्वर पिता आ प्रभु येशू मशिह सअ भाइसबके विश्वास जरेके प्रेम आ शान्ति होय। <sup>24</sup>कहियो अन्त नैय हुव बाला प्रेम सअ अपना सबके प्रभु येशू मशिहके प्रेम करबाला सबहे उपर अनुग्रह रहै।

## Philippians

## Chapter 1

<sup>1</sup>मशिह येशूके दाससब पावल और तिमोथी से फिलिप्पीमे भेल ख्रिष्ट येशू मे अलग कइलगेल सब। और विशप और लिडरसब। <sup>2</sup>परमेश्वर हमनीके बाबु और प्रभु येशू ख्रिष्टके ओर से अनुग्रह और शान्ति। <sup>3</sup>हर समय तोहनी याद करीछी हम हमर परमेश्वरके धन्यवाद देइछी। <sup>4</sup>तोहनी सबके लागी हमर हरेक प्रार्थनामे हम खुशी के साथ प्रार्थना करी छी। <sup>5</sup>पहला दिनसे अभितक सुसामाचारमे तोहनी सबके सहभागी के लागी हम धन्यवाद देइछी। <sup>6</sup>हम इ बात मे दुक छी, कि तु सब निमन कामके शुरुवात करेवाला येशू ख्रिष्टके दिन तक यि पुरा करेके लागी लगातार लागल रहब। <sup>7</sup>तोहनी सबके लागी अइसन प्रकारसे बिचार करना हमरा लागी उचित हई। कइला कि हम तोहनी सबके हम अपना हृदयमे रखले छी। हमर जेल मे र सुसामाचारके समर्थन और निश्चयता दुनुमे तोहनी सब अनुग्रहमे हमर साझेदार सब भेल छी। <sup>8</sup>कइला कि ख्रिष्ट येशूके प्रेमके गहराइमे तोहनी सबके लागी कतेक तृष्णा कारीछी कहके हरेक बातमे परमेश्वर हमर गवाही हाई। <sup>9</sup>और हम यि कहके प्रार्थना कर रहल छी, कि ज्ञान और पुरा समझमे तोहनी सबके प्रेम आउरो बढते जाए। <sup>10</sup>हम अइके लागी प्रार्थना करबई ताकि तु सब जे निमन हई ऊ सब तोहनी सब पारखके छाने के सिकु। हम येकरा लागी प्रार्थना करबई। ताकि त सब ख्रिष्टके दिन मे इमानदार और बिना दोष के रहेके सिकु। <sup>11</sup>यि अइके लागी भि हई ताकि परमेश्वरके महिमा और प्रशंसाके लागी येशू ख्रिष्ट द्वारा आबेबाला धार्मिकता फलद्वारा तु सब भर सके। <sup>12</sup>भाइ हो, तोहनी सबके यि मालुम होए कहके हम चाहिछी हमरा होएल यि सब बात सुसामाचारके लागी बहुत अगाडि बढेके काम होएल हई। <sup>13</sup>कइला कि ख्रिष्टमे हमर बन्दी सबके विषयमे महलके भरके सब सुरक्षा दल और आउरो सब आदमीके मालुम भेल हई। <sup>14</sup>और परमप्रभुमे रहल बहुत भाइसब हमर कैदी के कारण निडर होके बचन बोलेके कोशिश करके अउरो बहुत उत्साहित होएल हए। <sup>15</sup>केकरो केकरो इस्त्रया और बेमेलमे और दोसर सब सदभावसे भि ख्रिष्टके प्रचार कएले हए। <sup>16</sup>प्रेम से ख्रिष्टके प्रचार करेबाला सब सु-समाचारके समर्थन करेके कारण हमरा यहां राखल गेल हई। कहके मालुम हई। <sup>17</sup>लेकिन आउरोजना सब मशिह के प्रचार बिना स्वार्थ और शुद् मन उदेश्य से करीछई। हमरा यि कैद के समयमे ऊ सब हमरा आउरो दुःख देरहल हई कहके उ सब बिचार करीछई। <sup>18</sup>एकर मतलब कथि त ? चाहे बहाना हो या सचाइमे दुनु तरिका से प्रभुके प्रचार होइछई। और अइमे हम आनन्दित होइछी। ह हम अनान्दित होबई। <sup>19</sup>कइलाकी हम जानइत छी कि परमेश्वरके आत्मा द्वारा हमरा लागी छुटकारा लतई, तोहनी सबके प्रार्थना और येशू मशिह के मदत कारण ई होतई। <sup>20</sup>हमर इहे हार्दिक आशा आ अभिलाषाके अनुसार हम कोनो बातमे लज्जितमे नपरबई, बल्कि सारा साहसके साथ सबदिन जइसे और अभि भि चाहे हमर जिवनद्वारा मशिहके आदर सदा होइत रहे चाहे हम जिंदा रही या मरजाई। <sup>21</sup>हमरा लेल जिएके अर्थ हई मशिह और मरजनाई। <sup>22</sup>लेकिन शरिरमे जिनाई हमर मेहिनतसे फल आतई कहके, कोन बात चुनबई कहके हमरा थाह न हई। <sup>23</sup>कइला कि हम चयन करेबाला दुनु बातमे हम दुबिधा परल छी, हम बिदा होके मशिहके साथ होएके इच्छा करी छी। जोन बहुत निमन बात हई। <sup>24</sup>लेकिन तोहनी सबके लागी शरिरमे रहल बहुत आवश्यक हइ। <sup>25</sup>v25 अई बातमे हम विश्वासीत होएके कारण से जानी छी, कि विश्वास मे तोनीसबके प्रगती आनन्दके साथ हम तोहनीके साथ साथ रहके निरन्तरता देबई। <sup>26</sup>फलस्वरुप तोहनी सब कहां हमर फेर से उपस्थिति के कारण तोहनी सब येशू मशिह के हमरा लागी महिमा देबेबाला काम और बहुत मात्रामे होतई। <sup>27</sup>येशू मशिह के सु-समाचार के लागी योग्य योग्य होबेबाला किसिमसे मात्र अपन जिवन

बिता । चाहे हम तोहनी से भेटे आऊ चाहे हम हाजिर न होई इ कर ताकि तोहनी सब एकेगो आत्मा मे बलबान के साथ खडा होएल छे कहके तोहनि सबके बिषयमे हम सुन सकि । सु-समाचार के विश्वासके लागी तोहनी सब मिल के एकेगो प्राण होके जोर मेहनत कर रहल छे कहके सुनेके हमर इच्छा हई ।<sup>28</sup> और तोहनी सब के दुश्मन से कइलगेल कोनो बात से न डरो, ई ओकनी सबके लागी विनाश के चिह्न हई । लेकिन तोहनी सब के लागी ई मुक्तिके चिह्न हऊ । और ई परमेश्वर से आइल हई ।<sup>29</sup> कइला कि मशिह के लागी ई तोहनी सब के देल हइ । ओकरा उपर विश्वास करेके लागी मात्र न लेकिन ओकरा लागी कष्ट उठाएके लागी भि ।<sup>30</sup> कइला कि जे तु सब हमरा मे देखले और हमरा साथ हई कहके सुनि छे, उहे दुःख तोहनी के साथ हऊ ।

## Chapter 2

<sup>1</sup>अइ के कारण हम मानी छी कि मशिहमे उत्साह हम मानी छी कि वहा संगति हई । हम मानी उनका प्रेम से आशा मिलि हई । हम मानी छी कि वहा स्नेह करुणा और सहानुभुती हई । <sup>2</sup>आहा सब एकेगो मन होके, एकेगो प्रेम धारण कके आत्मामे एक होके और एकेगो उदेश्य राख के हमरा आन्नद के पुरा कर । <sup>3</sup>स्वार्थ और खाली अहकार मे कुछो न कर बरु नम्रतामे अपना से बेसि दोसराके बडका ठानु । <sup>4</sup>अपना जरूरतमे खाली ध्यान नदिउ लेकिन दोसर सबके जरूरत कथि हई ओइमे भि ध्यान लगाऊ । <sup>5</sup>ओइ बात मे विचार कर जे मशिह येशू मे भि रहलछी । <sup>6</sup>ऊ परमेश्वरके स्वरुप मे रहित रहलई लेकिन फिर भि परमेश्वरके साथ अपना बराबरी मे पकरके राखेके न चाहलई । <sup>7</sup>बरु ऊ अपने आपके त्यागदेलाई और दास के रुप धारणा कके मनुष्य बनगेलई और मनुष्यके स्वरुपमे रहलई । <sup>8</sup>ऊ अपने आप के नम्र बनगेलई और मृत्यु मतलव कुशके मृत्यु तक आज्ञाकारी रहलई । <sup>9</sup>ओइके कारण परमेश्वर उनका सब से उच्च बनलई और उनका उ नाम देलाई जोन सबसे उच्च हई । <sup>10</sup>ऊ अइसन करलई ताकि येशू के नाम मे हरेक घुडा टेकतई स्वर्ग पृथ्वी और पृथ्वी के निचा भेल सब <sup>11</sup>और ऊ यी करलई ताकी परमेश्वर पिता के महिमा के लागी हरेक जिब्रो येशू मशिह ही प्रभु हई कहके स्वीकार करे । <sup>12</sup>अइके लागी हमर प्रिय साथी सब जेना अहा सब हरदम आज्ञा पालन करित आइल छी । ओहिना आब हमर उपस्थिति से बेसी हमर अनुपस्थिति मे पालन पालन करीत रहु जे परमेश्वरसे पाएल अपन उद्धार से उत्पन होए । <sup>13</sup>कइला कि परमेश्वरके प्रशंसा के लागी आहासब दुनु इच्छा और काम लगाबेके लागी तोहनी मे काम करेबाला परमेश्वर ही हई । <sup>14</sup>आहा सब जे कुछ करम से बिना कुडबुडाए (मारपिट) आ बिना विवाद मे परके करु । <sup>15</sup>जेई से आहा सब निर्दोष आ निष्कपट हई आ परमेश्वरके बेटाबेटी हो सके । अइसन तरिकासे व्यवहार करु ताकि आहासब चलाक और अलग कइलगेल पुस्ता के बिच अई संसारमे इजोत के जैसे चमके सके । <sup>16</sup>जिवनके वचनके जोर से पकरु ताकि ख्रिष्टके दिनमे हमरा महिमा देबेके कारण बन सके । कइला कि ओई दिनमे व्यर्थमे हम न दौरबई और हमर मेहनत व्यर्थ न गेलई कहके हम जनबई । <sup>17</sup>तोहनी सबके विश्वास के त्याग और सेवामे हम बलिदानके रुपमे अर्पित होए तौभी हम आन्नद मनबई । और हम आहा सब के साथ आन्नदित हइबइ । <sup>18</sup>ओइसने तरिका से आहा सब भि आन्नदित होऊ । और हमरा साथ आन्नदित होऊ । <sup>19</sup>लेकिन तिमोथी के तोहनी जल्दी पठाबेके लागी हम प्रभु येशू मे आशा राखी छी । ताकि ओकनी से तोहनी सबके विषयमे जानके प्रोत्साहित हो सकि । <sup>20</sup>कइला कि ओकनी के जैसे मन भेल और ओकनी जैसे तोहनी सबके लागी साचो रुप मे असुक होइबला हमरा साथ ओरो दोसर कोई न हई । <sup>21</sup>कइला कि ऊ सब येशू मशिह के बात जादा अपना इच्छा के खोजी करीछइ । <sup>22</sup>लेकिन आहा सबके ओकर योग्यता थाहै हाई कइला कि जेना बच्चा अपना बाबुके सेवा करीछई ओइसने सु-समाचारमे हमरा ऊ सेवा कइले हई । <sup>23</sup>अइके कारण हमरा लागी कथि होतइ कहके थाहा पाएके साथ जते जल्दी हो सके हम तिमोथीके तोहनी कहा पठाबे के आशा करी छी । <sup>24</sup>लेकिन हम अपने तोहनी सब के बिच मे जल्दी हि अबई प्रभुमे निर्धकक छी । <sup>25</sup>लेकिन हमरा ई आवश्यक बुझाइत छई जे हम अपन भाइ इपाफ्रोडिटसके आहा लग वापस पठाना जरुरी हई, ऊ हमरा भाइ सहकर्मी और सडगी सिपाही और तोहनी सबके सन्देशपाक आ हमरा जरूरत के लागी सेवा हई । <sup>26</sup>कइला कि ऊ भेल बात आहा सब के मालुम भेला से ऊ बहुत चिन्तित भेल रहलई । और आहा सबके साथ होएके लागी ऊ तृष्णा कइले रहलई । <sup>27</sup>कइला कि ऊ सचमे अतेक बिमार रहल कि ऊ मरे से बचलई, लेकिन परमेश्वर ओकरा उपर दया करलई और उनके मात्र न होके दुःख के उपर दुःख न होए कहके हमरो उपर दया देखलई । <sup>28</sup>अइके कारण आउरो बहुत उत्सुकके साथ हम ओकनी के पठबई छी ताकि जब आहा सब ओकनी के फेर देखबे, तब आहा सब आन्नदित हो सके और हम चिन्तासे मुक्त होबई । <sup>29</sup>ओइसे पुरा आन्नदके साथ प्रभु इपाफ्रोडिटसके स्वागत करु ओकनी जैसे आदमी के आदर करु । <sup>30</sup>कइला कि ख्रिष्टके कामके लागी ओकनी मरे से बचलई हमरा सेवा देबेके लागी और आहा सब हमरा सेवा न सकेबाला काम पुरा करेकेलागी अपन जिवन दाउ पर लागादेलाई ।

## Chapter 3

<sup>1</sup>अन्तमे हमर भाइ सब हो, परमप्रभुमे आनन्द करु। तोहनी सबके बारम्बार एकेगो बात लिखना हमरा लागी झरको लागेबाला बात न हई। यि बातसबसे तोहनी सबके सुरक्षा रहतउ।<sup>2</sup>कुत्ता सबसे होसियार रहु, खराब काम करेबाला सबसे होसियार रहु, अडग कटाई करेबाला सबसे होसियार रहु।<sup>3</sup>कइला कि खतना हम सब हि छी हमसब हि, परमेश्वरके आत्मा द्वारा आराधना करी छी। हमसब छी खिष्ट येशूमे गर्भ करी छी और शरीरमे कोनो किसिमके भरोसा न राखी छी।<sup>4</sup>हम अपने आपके शरीर पर भरोसा राखे सकित रहली यदि कोई अपना शरीर पर भरोसा राखेके विचार करी छई त ओइ से बेसी हम करे सकिछी।<sup>5</sup>हमर खतना आँठवा दिनमे खतना भेल रहलई, हम इज्राइली जाती के बेन्यामिन कुलके इब्रानसे जन्मल इब्रानी छी, धर्म नियम क पालन करेबाला दृष्टीकोण से हम एक फरिसि छी।<sup>6</sup>धर्मके प्रति हमर उत्साह अतेक रहलई कि हम मशिहके मण्डली पर बहुत अत्याचार करीत रहली आ धर्म नियम पर आधारित धार्मिकता क दृष्टी से हमरा मे कोनो (कमजोरी) त्रुटी न रहलई।<sup>7</sup>लेकिन हमरा लागी लाभदायक होएल सब बात मशिह के खातिर हम हानी ही समझल छी।<sup>8</sup>एतने न बलकि हम अपन प्रभु, मशिह येशूके जान लेनाई हि सबसे सर्वश्रेष्ठ लाभ मानी छी जेकरा तुलनामे बाली सब बात के हानी बुझी छी। हम उनका लेल सब कुछ त्याग देले छी जेई से हम ई लाभ उठाबी छी ताकी मशिह के हासिल कर सकि।<sup>9</sup>और उनकामे स्थापित हो सकि व्यवस्था से हम अपने प्राप्त कइल धर्मिकता हमरा पास न हई बरु मशिह येशू मे विश्वासके द्वारा प्राप्त कइल धर्मिकता विश्वासमे आधारित परमेश्वर से हम प्राप्त कइल छी।<sup>10</sup>अइके कारण उनका और उनका पुनरुत्थान के शक्तिके जानेके चाहिछी और उनका कष्टसबमे सहभागी होएके चाहे छी। उनका समरुपतामे हम बदलेके चाहिछी।<sup>11</sup>ताकि हम मरल से पुनरुत्थान के कोई किसिमसे अनुभव कर सकि।<sup>12</sup>हम ई सब बात प्राप्त करलेल छी, या हम पुरा होगेल छी कहके साचो बात न हई लेकिन जे चिज के लागी हम मशिह के द्वारा चुनल रहली, ऊ हम पके सकि कहके हम जोड देइछी।<sup>13</sup>भाइसब हम यि सब बात पकरलेल छी, कहके हम न मानी छी। लेकिन एगो बात हम पकरेके सिकले छी। हम पछाडि बात भुल के अगाडिके बात सब के लागी मेहनत करी छी।<sup>14</sup>हम खिष्ट येशूमे स्वर्गीय बोलावट के इनाम जिते के लागी लप्रय तर्फ अगाडि बढेमे जोड देइछी।<sup>15</sup>अइके कारण हम सब बुझेबाल लोक सब छी सब एना बिचार करु। यदि आहा सब कोनो बात बहुत किसिम से बिचार करी छी त परमेश्वर ऊ सब चिडा आहा सब के लागी प्रकट करदेतई।<sup>16</sup>हम सब जे प्राप्त करलेले छी, हम सब मे ठोस रहु।<sup>17</sup>भाइसब हो हमर देखासिकि करेबाला हमसबमे आहासब पाएल उदारहरण अनुसार चलेबाला सब ध्यान देके देखु।<sup>18</sup>ऊ बहुत आदमीसब जेकरा विषयमे हम तोहनीसबके बारम्बार बतइले रहली और अब आँख के लोर के साथ हम बतारहल छी। ताकि ऊ सब मशिहके क्रुसके दुश्मन जैसे चलरहल हई।<sup>19</sup>उ सबके विनाश निश्चित हई। कइला कि ओकनी सबके इश्वर उ सबके पेट हई और ओकनी सब शर्ममे ओकनीसब के घमण्ड हई। ओकनी सब संसारके चिजके बारेमे बिचार करीछई।<sup>20</sup>

<sup>21</sup>हुनका हमसबके शुद शरीर उनका जैसे ही महिमित शरीरमे बदल देतई, जोन शरीर सब चिज उनका अधिनमे ल्याबेके लागी उनका शक्तिद्वारा बनाएल हई।

## Chapter 4

<sup>1</sup>अइकारण हमर प्रिय भाइसब जेकरा हम चाहि छी हमर आन्नद और मुकुट हमर प्रिय साथी सब अइसने प्रभु मे बनल रहु । <sup>2</sup>हम इयोदिया और सन्तुखे प्रभु मे एकेगो मन होएके बिन्ति करीछी । <sup>3</sup>वास्तवमे एकेगो जुवामे भेल हमर साँचा मदत गार हम तोहनी के इहो बिन्ति करीछी, कि यि औरत सबके मदत कर । कइला कि ओकनीसब हम कलेमेन्ट और बाँकी मदतगार के साथ सु-समाचार प्रचार करेके लागी मेहनत कइले हई । जेकर नाम सब जीवनके पुस्तक मे हई । <sup>4</sup>प्रभु मे सादा आन्नद कर, हम फेर कहिछी आन्नद कर । <sup>5</sup>सब लोग इ देख सके कि आहासब नम्र लोक छी । <sup>6</sup>कोनो बात के चिन्ता फिक्र न कर बलकि हरेक परिस्थितीमे परमेश्वरसे प्रार्थना आ निवेदन कर । अपन बिन्ति धन्यवाद साथ उनका समुख प्रस्तुत कर । <sup>7</sup>और हमनी के सब समझ से उपर परमेश्वरके शान्ति से मशिह येशू मे ओकनी सब के हृदय और बिचार सबके रक्षा करतई<sup>8</sup>अन्तमे भाइसब हो जोन बात सब सत्य हई, जे बात सबमे आदरणीय हई, जे बात न्याय सत्य हई, जोन बात शुद्ध हई, जे बात प्रेम योग्य हई, जे बात असल नाम के हई, यदि कुछ अति उत्तम हई और प्रशंसा के योग्य हई कुछ बात सब हई त यि हे बात सबके बारेमे बिचार कर । <sup>9</sup>जे बात आहा सब हमरा से सिकले और हासिल कइले और हमरा से सुनले और हमरा मे देखले ऊ बात सब कर । और शान्ति के परमेश्वर आहासँग रहतई । <sup>10</sup>हम प्रभुमे बहुत आन्नदित छी, कइला कि अभि अन्तमे आहासब हमरा प्रति अपन वास्ता नयाँ कइले छी, आहासब वास्तवमे पहिला भि हमरा लागी वास्ता कइले रहली लेकिन उ समयमे तोहनी के पास मदत करेके वस्ता न रहल क । <sup>11</sup>हम अभि आवश्यकतामे परेके कारण हम यि न कहरल छी, हम हरेक समयमे सन्तुष्ट हरेके सिकले छी । <sup>12</sup>गरीबी कथि हई हमरा मालुम हई और बहुत जादा हई उ बात भि हमरा मालुम हई । हरेक किसिम और सब बातमे केना परिपक रहेके या भोकप्यासमे रहेके और प्रशस्ता प्राप्त करेके या आवश्यकता रहेके कहके हम सिकले छी । <sup>13</sup>जोन हमरा शक्ति देइछई उनके द्वारा हम सबकुछ करे सकि छी । <sup>14</sup>और तोहनीसब हमरा कठिन समयमे एकजुट हो के निमन कइली । <sup>15</sup>तोहनी फिलिप्पी सब यी जानी छे कि सु-समाचारके सुरुवातमे जब हम माकेडोनिया निकली तोहनी सब के बाहेक कोई मण्डली लेबे देबेके विषयमे हमरा मदत नकरलई । <sup>16</sup>हम थेसलोनिकामे रहली तौभि हमरा जरूरतके लागी तोहनी सब एक बेर जादा मदत पठइली । <sup>17</sup>हम उपहार खोजली कहके न बरु हम तोहनी सब के हिसाबमे बढते जाय कहके फल खोजी छी । <sup>18</sup>हम सब जिच सब पालेले छी और हमरा बहुत जादा हई । हम पुरा रुपसे भरल छी तोहनी सब इपाफ्रोडिटसके साथ पठाएल समान हम पइली । उ गमकेबाला बासना आबेबाला ग्रहण योग्य बलिदान हई जोन परमेश्वरके प्रसन्न करी छी । <sup>19</sup>और हमर परमेश्वर ख्रिष्ट येशूमे उनका महिमा के समपत्तिअनुसार तोहनीसबके जरूरत पुरा करदेतई । <sup>20</sup>आब हमनी के परमेश्वर औरपिता के सादा महिमा हो आमेन् । <sup>21</sup>ख्रिष्ट येशूमे भेल सब विश्वासी के अभिवादन कर । हमरा साथ भेल भाइसब तोहनीसब के अभिवादन पठाएल हए । <sup>22</sup>यहा भेल सब विश्वासी सब और विशेष कके कैसर घराना के तोहनी सबके अभिवादन पठाएल हए । <sup>23</sup>प्रभु येशू ख्रिष्ट के अनुग्रह तोहनी सबके आत्माके साथ रहे । आमेन् ।

## 2 Thessalonians

## Chapter 1

<sup>1</sup>पावल, सिलास और तिमोथी के वरफ से परमेश्वर हमर पिता आ प्रभु येशू मशिह मे थेसलोनिकी मण्डलीमे: <sup>2</sup>हमरा सबके परमेश्वर पिता आ प्रभु येशू मशिहमे अनुग्रह आ शान्ति । <sup>3</sup>भाइसबयौ हमसब आहा सबके लेलपरमेश्वरके सब्दिन धन्यवाद करैछी कैलाकी उचित है आहा सबके विश्वास बहुतेक प्रेम एक दोसरके लेल सबके बिचमे स भरल है । <sup>4</sup>अहि कारण स हमसब आहासबके धिरज आ विश्वास के बारेमे परमेश्वरके मण्डलीमे आहासब के सब सहेवाला सतावट सबके विषयमे आहासबके दुःख भोगप्रती हमसब गौरव करैछी । <sup>5</sup>इ परमेश्वरके धार्मिक न्याय प्रगत होब बाला समयके चेन्हा हई,जेकरा आहासब परमेश्वरके राज्यके योग्य ठहरब जै राज्यके लागी सबहै सतावट सहै छी । <sup>6</sup>तोहरासबके दुःख देबेबाला सबके दुःख देबक लेल परमेश्वर के धार्मिक न्याय हैई । <sup>7</sup>आरो येशू मशिह स्वर्ग स स्वर्गदुत सबके शक्तिसाथ अतै आ ओकरे आगमनमे हमसबके ई जेसव कोई संगे दुःख भोग बाला सबके छटकारा मिलत । <sup>8</sup>जे सबकोइ परमेश्वरके नै चिन्हैय आ जेसव हमर प्रभु येशूके सु-समाचारके नै पालन करैईय ओकरासबके आइगके धिधोरामे बदला लेत । <sup>9</sup>उसव कोइ प्रभु आ उनकर शक्तिके महिमाके बिचमे से दुर भक अन्नत विनाशके दण्ड भोईगरहल है । <sup>10</sup>आहां सबकोइ हमरा गवाही पर विश्वास कैली ओहिना इ देके विश्वास करबाला सबकोई से आत्मिक परके लेल आ सब सन्त सबस महिमीत होबला उतैई दिन आउतै । <sup>11</sup>ओइके लेल हमसब आहां सबके लागी सब्दिन प्रार्थना करै छी । कैलाकी हमरा सबके परमेश्वर आहांसबके लागी आहां स बोलावट के योग्य बुझै आ भलाई करवाके लेल आहां सबके इच्छा आ विश्वास के सब काम शक्तिमे पुरा होइत । <sup>12</sup>हमरासबके परमेश्वर प्रभु येशू मशिह के अनुग्रह के कारण आ उनक नाउँ के कारण आहां सबकोइ स महिमीत होई आ आहांसब उनके द्वारा महिमीत होइब ।

## Chapter 2

<sup>1</sup>आव हे भाईसब हमरा सबके प्रभु येशूके आगमन आ हमरा सबकोइके सँगे एकेबेर भेटक बारेमे हमसबकोइ उतैक स बिन्ती करैछी, <sup>2</sup>कियाकी प्रभुके दिन आईब गेलै कहीक आहां सबकोइके मन असानीसे नै घबराई अतै बेचैन होई तै आत्मा क शक्ति स तै वचनसे आ हमरा सबके चिठ्ठी से प्रभु के आगमन पहिने भगेलै कहिक धोखा नै देवसकैय । <sup>3</sup>आहां सबकोइके कोई कोलो प्रकाश ढक नै सकैई कैलाकी पतित पापीसब विनासके बेटा अधर्मी आदमी प्रगट दोवतक ई नै धेतै । <sup>4</sup>उओहे है सेकोई अपने आपसे उक्करचाहत आ परमेश्वरके विरोध कर लेल आ अपनेके परमेश्वरके रुपमे देखा क महिमा होव चाहैईय आ उनकर मन्दिर मे वैस चाहैईय । <sup>5</sup>हम अंहु सबके सँग रहैई क आहांसबके जेकाह नै छली से आहांसब उनै बुझलि । <sup>6</sup>आब आहांसब जनैछी कोनो एहन बातसब स उनकर आगमणके रोकेईय ताकी वो ठिक समय से प्रगट होईत । <sup>7</sup>कैलाकी पापके भेद्र पहिने स काम कैईर रहल है जवतक जेसब कोई उकरा सबके पकैइरके राखने रहत वो ओकरा रास्ता पर स नै हटाओव । <sup>8</sup>तकर बाद पापके आदमी प्रगट होइत जेकरा प्रभु येशू अपना मुंहेके फुकसे उन्के आगमणमे ओकर अन्त होइत । <sup>9</sup>शैतानके सबहे शक्तिके काम सब चिन्ह सब आ झुठके आइय्यके कामसब के कारण पापके आदमी के आगमण होईत । <sup>10</sup>ई अधर्मीकताके सब छलके सँगे आईत ई बात सब नाश होवब लोक निम्ति होईत जेसबकोई बचावके लेल परमेश्वरके प्रभुके सत्यके ग्रहन नै करतै । <sup>11</sup>तहिकारणसे उसब झुठके विश्वास करैय परमेश्वर ओकरासबके भर्मसबके काम पठअवैय । <sup>12</sup>ताकी अधर्मीमे आन्नद मनाव बाला सबकोइके न्याय होइक । <sup>13</sup>परमेश्वरमे औ प्रेमी भाईसब औ हमसब कोई परमेश्वर से आहांसबके लागि धन्यवाद दैत रहैछी कैलाकी परमेश्वरके आत्माके शुद्ध आ सत्यमे, विश्वासमे, उद्धारमे पहिनका फल जका आहांसब कोइ चनलकै । <sup>14</sup>हमसब जे सु-समाचार द्वारा प्रभु येशूके महिमा प्राप्त कर सकु कहिके ओ आहांसबके अहिकात वोलैइने हव । <sup>15</sup>अहि लेल आब भाईसब औ आहांसब स्थिर रहु परमेश्वरके वचन आ पत्र द्वारा आहांसब कोइके सिखाइल गेल परम्परा सब पकैर के राखु<sup>16</sup>आव अनुग्रहसे अनन्तके खुशी आ निमन आशा देवला अपना प्रभु येशू मशिह अपने स आ परमेश्वर हमर पिता से <sup>17</sup>सब असल काम आ वचनमे आहांसबके मनके शान्ति आ स्थिर करबैय ।

## Chapter 3

<sup>1</sup>आब भाई सब यौ हमरासबके लेल प्रार्थना कदिय कैलाकी हमरासबके प्रभु येशू मशिहके वचन जोर सोरसे बरहैई आ महिमीत होई जेनाकी आहांसबके बिचमेसे भेल रहई । <sup>2</sup>आ हमसब छली आ ईश्वर विनाके आदमीसब स छुटकारा पाब सकू कैलाकी सबहे गोरा सबके सँगे विश्वास नैहैई । <sup>3</sup>लेकिन हमरा सबके प्रभु विश्वासमे रह बाला जे आहांसब कोईके खरा करबाला दुष्टसब स बचावके लेल प्रदान सबदिन करत । <sup>4</sup>हमसब आहांसबे उपर प्रभुमे विश्वास करैईछी कि आहांसब कोइ हमसब जे सब आज्ञा कैने रही से सब कामसब कैरते रहब आ सबदिन कैइरते रहब । <sup>5</sup>आब प्रभु आहांसब कोइके मनके परमेश्वरके प्रेम मशिहके शहनशिलता दिशनेके अगुवाई सबदिन कैने रहैई ।<sup>6</sup>

<sup>7</sup>आब आहांसब बातसब जानैछी कि केनाके आहांसब हमरा सबके बातसब सिखली जेनाक के हमसब आहांसबके बिचमे आशकति नै देखेली । <sup>8</sup>नैत हमसब मनिमे केकरो भोजन कैली कियाकी तैके बदलामे हमसब केकरो भारी नै बनली ताई द्वारा से हमसब काम कैली राईत दिन नै बुईझके काम कैली । <sup>9</sup>यी कारणसे नै हमरा सबलगे अधिकार नैहई से बुझके नै लेकिन हमसब आहांसबके निम्ति उदाहरण भगेली ताकी आहांसब कोई हमरासबके सिखल कर सकू । <sup>10</sup>हमसब आहांसब के जौरे रहल समयमे आज्ञा कैने रहली यदि कोई काम नैकरत उसब भोजन नैकरौक । <sup>11</sup>कैलाकी हमसब सुनैछी कि कोइ कोइ अस्कति कके काम नै कके आहांसबके बिचमे चल रहल हैई लेकिन उसब अपन कोनो काम नैकके बेकारमे दोसरके काममे हाथ लागबैय । <sup>12</sup>येहन सबकोइके रहैईछी कैलाकी उसबकोई 1 शान्तिके सँगे काम करौक आ अपने मेहनत सबसे जीवन चलाबै । <sup>13</sup>तैईयो आहां भाई सओ मनमे जे निक लागल हैई से काम करसे नै सकू । <sup>14</sup>कैलाकी जे सब ई चिठीमे लिखल आज्ञाके पालन नैकरैईय ओकरासबके लागि सुर्ता नै करू आ ओकरा सबहके आहांसबके बिचमे सहभागी नै कारउ कियाकी उ सब शर्ममे पैईर सकौक । <sup>15</sup>ओकरासबके जौरे दुश्मन जाका नै व्यवहार करू लेकिन अपने सहोदर भाई बुझके सुझाव दिईओ । <sup>16</sup>शान्तिके परमेश्वर अपने से आहांसब कोईके सवदिनके लागि शान्ति दान करसकै । <sup>17</sup>यी हमरा तर्फ स प्रणाम भेल हम पावल अपने हाथसे सब येहने चेन्हा हैई । <sup>18</sup>आब हमरा सबके प्रभु येशूके अनुग्रह आहांसब कोइके उपर सवदिन रहैई ।

## 1 Timothy

## Chapter 1

<sup>1</sup>हमरासबके मुक्तिदाता परमेश्वर आ हमरा आशा मशिह येशूके आशा अनुसार येशू मशिहके प्रेरित पावल, <sup>2</sup>हमर आत्मिक बेटा तिमोथीके मशिह येशूके विश्वासमे हमर साच्चा बेटा तिमोथीके, हमरा परमेश्वर पिता आ हमरा प्रभु येशू मशिह से अनुग्रह, दया, कृपा आ शान्ति होई । <sup>3</sup>हम माकेडोनिया जाइत समयमे तोरा कहलियै वहने तु एफिससमे ही रह । ताकी अलग सिद्धान्त हरेके आज्ञा दिलेछियौ । कि विभिन्न झुटा सिखावेवालाके आज्ञा देवे सकबे । <sup>4</sup>न त उ सबकोई झुटा कथा सब आ अन्त नै होइवाला ( नै सिखावेके लेल आज्ञा कैले छियौ ) । वंशसबमे ध्यान लगतै । जे विश्वास से आवेवाला परमेश्वरके योजनाके सहयाता करेके उ सब अन्नत आज्ञा आ अन्त न बदलामे विवादसब जन्म लेइछै । <sup>5</sup>लेकिन आज्ञाके उदेश्य त शुद्ध हृदय; असल (निक) बुद्धि निस्खोट विश्वाससे आवा वाला प्रेम है । <sup>6</sup>कुछ आदमीसब यै से बहैकके बिना मतलब खोखला बात ओरी घुम गेल है । <sup>7</sup>उ सब कोई व्यवस्थाके गुरु बन चाही छै चाहे उ सब मे बातमे जोड दैहैय उ सब नै बुझिहै । <sup>8</sup>लेकिन कोई न्यायसंगत रूपसे प्रयोग करीहै त व्यवस्था असल है से बात हमरासबकोईके मालुम है । <sup>9</sup>हमसब कोई यी बातके जनैछी कि व्यवस्था धर्मि आदमीसबके लेल नै बनायल गेल है लेकिन अधर्मि आ पापीसबके लेल, आ विद्रोही आदमीके लेल आ इश्वरहिन आ अपवित्रके लेल, अपना बाबु आ माइके सबके हत्या करेवालासबके लेल; हत्यारा सबके लागी <sup>10</sup>अनैतिक यौनसम्बन्ध राखेवाला आदमीसबके लेल, समलिङ्गी सबके लेल; दास वनाबेके खातीर अपहरण करेवालासबके लेल, झुटा गवाही देवेवाला सबके लेल आ विश्वासयोग्य शिक्षाके विरुद्धमे होइवाला सबके लेल । <sup>11</sup>यी हमरा जिम्मादेलगेल धन्य परमेश्वरके शुभसन्देश अनुसार है । <sup>12</sup>आ हम धन्यवाद दैत छि कि जे हमरा शक्ति देलक; कैलाकी येशू हमरा विश्वासयोग्य समझके सेवामे चुन्नलक । <sup>13</sup>हम पहिले इश्वरनिन्दा करेवाला, सतावेवाला एक दुष्ट (हत्या करेवाला) आदमी छलि लेकिन उ सब काम अब्जनेमे आ अविश्वासके कयलाके कारण हम परमेश्वरसे दया प्राप्त कयली । <sup>14</sup>लेकिन हमरा प्रभुके दया मशिह येशूमे भेल विश्वास आ प्रेमके साथ हमरा परमप्रभु के दया बहुत जादा अलै । <sup>15</sup>यी सन्देश विश्वासयोग्य, स्वीकारयोग्यके है, कि मशिह येशू पापीसबके बचावेके लेल यई संसारमे अलै हम यी सबसे निच (तच्छ) छि । <sup>16</sup>लेकिन यही कारण के खातिर हमरा उपर पहिले दया कयल गेलै ताकी अन्नत जीवनके लेल परमेश्वरके उपर विश्वास करवाला सबके खातिर एक उदाहरण स्वरूपमे हम सबसे निच आदमीमे मशिह येशू अपन सारा धैर्यता प्रकट कर सके । <sup>17</sup>आब युगसबके राजा, अतुनाशी, अदृश्य एकमात्र परमेश्वरके सब्दीन, सदाकाल तक आदरमहिमा होइ । आमेन् । <sup>18</sup>हमर बेटा तिमोथी तोरा विषयमे पहिले कयलगेल अगमवाणीमे हम सहमत होइते तोरा आज्ञा करिछियौ ताकी असल लडाई लड । <sup>19</sup>यहिकारण तु असल विश्वास आ असल विवेक कायम जारी राख । कुछ लोगसब आ आदमीसब यी बातके इन्कार कके विश्वासमे नष्ट भगेल है । <sup>20</sup>हुमेनियस आ अलेक्जेन्डर जेखा आदमीसबके हम शैतानके हातमे जिम्मा ददे छी ताकी ओकरासबके निन्दा नै करचाही से सिखे ।

## Chapter 2

<sup>1</sup>हम सब से पहिने इ निवेदन करैछि जे बिन्ती प्रार्थना आ धन्यवाद लोकसवके लेल परमेश्वर लग चढाएल जाई । <sup>2</sup>राजा सबके लागी आ सब अधिकारीसबके लेल सेहो जइसे अपनासव भक्ति आ मर्यादाकेसाथ आदरसाथ आ शान्तिसे <sup>3</sup>यी सब परमेश्वर आ अपनासवके मुक्तिदाताके नजरमे असल आ ग्रहणयोग्य है । <sup>4</sup>परमेश्वर सब आदमीसब वाच् सत्यताके ज्ञानमे आवे हुनकर इच्छा इ हई जे दब लोकसब उद्धार पावे आ सत्यके ज्ञानमे आवे । <sup>5</sup>कियाकी परमेश्वर एकमात्रे है परमेश्वर आ मानवजातीके बिचमे एकमात्र मध्यस्थकर्ता ( मानव मशिह यशू है ) अर्थात मशिह येशू; जे स्वयम मनुष्य हई । <sup>6</sup>जे अपने आपके छुटकाराके मोलस्वरुप लेल द देलक जे ठिक समयमे दियलगेल है । <sup>7</sup>यही उदेश्यके लेल हम एक सन्देश वाहक ( बहुलाकी ) बनाइलगेल; हम सांच बोलीछी हम झुठ नै कहैछी । <sup>8</sup>यही कारणसे हरेक ठाउँ मे पुरुषसब बिना क्रोध आ शंका बिना, पवित्र हात उठाके प्रार्थना करे से चाहिछी । <sup>9</sup>यहनेकके महिला सब सरललोक साथ आ भद्राकेसाथ आत्मसंयमके साथ कपडा पहिरे । केसके सिङ्गार पटार चाहे सोना आ मोति आ बहुमुल्य वस्तु पहिरके नै । <sup>10</sup>लेकिन महिलासब सुमादिएबाला असलकामसबके द्वारा अपनेआपके सुशोभित करे । <sup>11</sup>एक महिला सारा आज्ञा पालन करेकेलेल चुपचाप सिखे । <sup>12</sup>हम मशिहसब सिखावे आ पुरुषके उपर अधिकार करेके आज्ञा नै दैत छि, लेकिन उ चुपचाप रहे । <sup>13</sup>कैलाकी पहिला आदम मशिह भेल वडकेवाद हब्बा <sup>14</sup>आदम पापमे नै फसलछल लेकिन स्त्री पुर्णरुसे अपराधमे फसलछल । <sup>15</sup>तैयौ यदि महिलासब भद्रताकेसाथ विश्वास, प्रेम आ पवित्रआत्मामे लागत रहतै त बच्चा जन्मेसमयमे उसब बचायल जतै ।

## Chapter 3

<sup>1</sup>ई बात एकदम सत्य है, यदि कोई मण्डलीके विशप (जिम्मेवार) वनेके इच्छा करैत है उ एकदम उत्तम काम करेचाहैइ हैइ । <sup>2</sup>तहिसे विशप त निराकलंक होइ । आ ओकर एकैटा स्त्री (श्रीमती) होइचाही, विचारवान, भद्र (ब्यवस्थित) अथितीसत्कार करेबाला, शिक्षा देब इ निपुण । <sup>3</sup>उ सरावी आ मारामारी करेवाला नइ । बल्की भद्र, नम्र शान्ति दिएवाला बातके ऊ झगडा कयनिहार करेवाला आ धनके लोभी नैइहुए । <sup>4</sup>ओकरा अप्पन घर निमन से ब्यबस्थापन करेके परतई और उन्कर ब चा उन्कर आज्ञा सहो आदर के साथ पालन कर परतइ <sup>5</sup>लेकिन यदि केओ अपना घर व्यवहारके ठिक से चलाब नैइ जनैइ हैइ । त उ परमेश्वरके मण्डलीके केना देख-रेख करसकतैइ । <sup>6</sup>मण्डलीके जिम्मेवार व्यक्ती नयाँ विश्वास नै होई चाही ताकी उ घमण्ड भक शैतानके दण्डमे परे । नइ त ऐना नइ होई जे घमण्ड भके दण्ड पावेवाला भागी वनिजतै जेना शैतान बनगेलै । <sup>7</sup>उ सब बाहीरी लोक, अर्थात अविश्वासी सभके बिचमे सम्मानित होवेकेचाही । ताकी उ शर्ममे (लाजमे) आ दुष्टके जालमे नइ फसे । <sup>8</sup>तहिना मण्डलीके सेवकसबके ठिक व्यवहार होइचाही । उ दुदेसिया सराबी आ लोभी नै होइचाही । <sup>9</sup>परमेश्वरसे प्रकट कयलगेल सत्य सबके शुद्ध आ निर्दोष मनसे मानेवाला चाही । <sup>10</sup>पहिने ओकरासबके जाँच भेलाकेवाद परमेश्वरके सेवा करेसकैय । कैलाकी उसब लकंकीत नै होइचाही । <sup>11</sup>एहि तरहसे स्त्री सब सेहो सभ्य आचरणबाली होई, दोसरके निन्दा सिकायत करबाली नै बल्की संयमी आ सबबातमे विश्वास योग्य होइचाही । <sup>12</sup>लीके सेवकसब एकटा स्त्रीके पती और अपन बालबच्चा आ घर व्यवहारके ठिकसे चलावेवाला होइचाही । <sup>13</sup>कैलाकी मण्डलीके सेवक बैनगेल जे सब सेवा करिहई उ सब आपनालेल इज्जत आ मशिह येशू पर जे विश्वास कयने है बहुत वडका भरोसा पतई । <sup>14</sup>हमरा आशा है जे हम जल्दी अहांलंग आयब ; ई चिठी एहिलेल लिखैइछी । <sup>15</sup>लेकिन हमरा आवमे जे देर भ जायतै त अहां अई बातके जाइन लु जे परमेश्वरके परिवारमे लोकसबके चालचलन केहन रहेके चाही परमेश्वरके परिवार जे है , से जिवित परमेश्वरके मण्डली है । उ सत्यके खामहा आ जग है । <sup>16</sup>आ साथमे हमसब सहमत होइछी, “कि धार्मिकता मे खुलस्त सत्यता महान है उ मनुष्यके रुपमे प्रगट भेलै पवित्रआत्माके द्वारा धर्मि प्रमाणीत भेल स्वर्गदुतसबके देखाई देलकै; जाती जातीसबके बिचमे हुनकर घोषणा भेलै । संसारमे हुनका उपर विश्वास कयलगेल “आ महिमा के स्वर्गमे उठाइल गेल ।

## Chapter 4

<sup>1</sup>पवित्रआत्मा स्पष्ट कहीकहल हई, आवेबाला समयमे लोक सब एहन होतै- जे सब बहकाबे वाला आत्मा सबके आ दुष्टआत्मा सबके शिक्षामे मनलगाके विश्वासके त्याङ्गेत । <sup>2</sup>यी सब झुठ बोलेबाला कपटी लोकसबके कारण होतै जेकरा सबके विवेक धिपल लोहा से दगायल जे सुन्न भगेल हई । <sup>3</sup>उसब विवाह नै करके आ उसब विवाह करे से रोकैछौ आ भोजनके किछ चिजसे खायसे रोकैछौ । एहिले परमेश्वर जकरा रचना कलकै कि सत्यके जानेबाला आ विश्वास करेबाला सबकोइ के द्वारा धन्यवाद देके वई चिजसबके खायल जायई । <sup>4</sup>कैलाकी परमेश्वर जे सृष्टि कैले है उ सब चिज निमन है । धन्यवाद द के लेलेगेल कोनो चिजसबके अस्वीकार नई करु । <sup>5</sup>कैलाकी ऊ परमेश्वरके कहल बात आ प्रार्थनासे पवित्र होइछौ । <sup>6</sup>यदि आहा सब यी बात सब अपना दाजुभाई अगाडी राइख देबइ त आहासब येशु मसिह के असल सबक होइब किएक त् अहा बिस्वाश के बचन और पछयाइल असल शिक्षासे पोषण मिलत । <sup>7</sup>लेकिन वृद्ध स्त्रीहरूसबसे प्रेम कएल संसारिक कथा सब के इन्कार करु । बरु अपने आके भक्तिमे तालिम दिउ । <sup>8</sup>किएक त शरीर मे देल्गे तालिम उपयोगी होइछै । अई मे अभिके जीवन और और आबेबाला जीवन के लेल प्रतिज्ञा रही छै । <sup>9</sup>ई सत्यबात है जेकर विश्वास सबकोइके करेके चाही । <sup>10</sup>कैलाकी सबकोइ यहिकेलेल संघर्ष आ कठिन परिश्रम के काम करीछी । कैलाकी हमरासबकोइके जिवन परमेश्वरके उपर भरोसा है , जे सबलोकसबके लेले; विशेषकके विश्वासी लोकसबकलेल उद्धार कर्ता है । <sup>11</sup>अहां अपना उपदेशमे एही बातसबके शिक्षा दैत रहु आ आदेश दैत रहु । <sup>12</sup>जवान अवस्थामे कोइ अहांके तुच्छ नै बुझे; लेकिन बातचितमे, चाइल-चलनमे, प्रेममे, विश्वासमे आ पवित्रतामे विश्वासबके लेल अहां एक नमुना बनू । <sup>13</sup>जवतइक हम नै आयब; तबतैक मण्डलीके विश्वासी सबके धर्मशास्त्र पढ़के सुनावमे विश्वासीसबके उसाहित कर मे आ सिखाबेमे लिन रहु । <sup>14</sup>अहां मे भेल वरदानसबके अवहेलना नै करु जखनी मण्डलीके सेवक सब अहापर हाथ रखलक, जे अहांके ओइसमयमे भविष्यवाणी के द्वारा देल । <sup>15</sup>ई बात सबके मनमे राखु । वहीबातसबमे लिनगेल रहु, ताकी अहांके प्रगती सबलोकके नजरके सामने आबे । <sup>16</sup>अहां अपना विषयमे आ अपना शिक्षाके विषयमे होसियारीसाथ ध्यान दे ने रहु । अई बात सबमे लागातार ध्यान दिअ , कैलाकी एना कयला स अहां अपने लेल आ अहांके वचन सुनेबालासबके बचाएब ।

## Chapter 5

<sup>1</sup>वृद्ध परुषसबके नै डाटीयौ बल्की ओकरा सबके अपन बाबु जेका माईनके आग्रहपुर्वक समझाउ-बुझाउ । जवान सबके अपना भाइ जेका समझाउ <sup>2</sup>वृद्ध स्त्रीसबके अपन माई जेका; जवान स्त्रीसबके बहिनमाइनके ओकरासबके साथ एकदम पवित्र भावनासे व्यवहार करु । <sup>3</sup>जे सब वास्तबमे विधवा है; ओकरासबके सम्मान आ सहायाता करु । <sup>4</sup>लेकिन यदि कोनो विधवाके बेटाबेटी चाहे नातीपोता सब है त सबसे पहिने ई सिखाबेके चाही जे माई, बाबु, दाई, बाबा सब जे हमरासबके पालन पोषण कयलक तेकरा तई उपकारके ऋण चुकाउ । कैलाकी एहन बातसब परमेश्वर खुशी होइछै । <sup>5</sup>लेकिन जे विधवा निःसहाय है, ओकरा देखबाला कोई नै है ओकर अन्तिम भरोसा परमेश्वर पर राइखके राइत आ दिन बिन्ती आ प्रार्थनामे लागल रहतै । <sup>6</sup>लेकिन जे विधवा भोगविलासमे लागल है, से स्त्री जिवित होइतो मडरगेल है । <sup>7</sup>आ यी बातसबके मण्डलीमे सब लोकसबके सिखाउ (आज्ञा) सन दिऊ जहिसे ( विश्वाससब ) उ सब निन्दा से वचन रहे । <sup>8</sup>यदि जे केउ अपना कटुमउ ब आ विशेष कके अपने परिवारके सदस्य सबके रेख देख नई करैछै से विश्वास त्याग देले है आ ऊ अविश्वासीयो से भ्रष्ट भगेल है । <sup>9</sup>साइठ वर्ष वर्षसे कम उमेर भेल एकटा पतिके पत्नी आ पवित्र रहल स्त्रीसबके मात्र विधवासबके नाममे लिखब । <sup>10</sup>उ सब भलाइके काम सब से चिन्हल जाइ चाही, चाहे उ सब अपन बालबच्चासबके ठिक से पालन पोषण कयने होइ । चाहे अन्जान लोकसबके सेवा, सत्कार कयने होइ चाहे प्रभुके सेवकसबके पैर धोयने होई, दिन दुःखी सबके सहायाता कयने होई । <sup>11</sup>लेकिन कमउमेर भेल विधवासबके नाम विधवासबके सुचीमे नइ लिखु, कैलाकी ओकरासबके शारीरिक अभिलाषासब मशिहसे दुर लजयतई तब ओकरासबके विवाह करेके इच्छा होतई । <sup>12</sup>अइसे उ सब अपन पहिलका करार भङ्ग कयलाके खातीर दोषके बशमे पडर जाइछई । <sup>13</sup>उ सब समय बरवाद करेबाला आ अडगने-अडगने घुमानाई ओकरासबके आदत भ जाई छई । यई तरहसे उ सब आलसी मात्रै नई बल्की वजकरीई आ दोसरके काममे टाङ्ग अडा बेबाली बइनजाइछई । <sup>14</sup>यहिकारण से हम चाहै छि जे जवान विधवासब विवाह करैई, सन्तान सब जन्माबे आ अपन घर व्यवहार चलाबे; जहिसे विरोधीसब मण्डलीके विश्वासीसबके निन्दा करके मौका नई पाबे । <sup>15</sup>कैलाकी एखनीयो त कुछ विधवासब भटैइके शैतानके पछाडी चल लागल है । <sup>16</sup>जदि कोनो विश्वासी स्त्रीके परिवारमे विधवासब है, त उ सब वई विधवासबके सहायाता करैई, ताकी मण्डली पर विश्वाससबके बोझा नई राखल जाई, जइसे माण्डली वई विश्वास विधवासबके सहायाता कर सके जेकरा वास्तबमे केओ नहई । <sup>17</sup>माण्डलीके ठिकप्रकारसे रेखदेख कयनिहार अगुआ सबके दोबर आदर सम्मान योग्यके बुझा चाही, विशेषरुपसे जे सब परमेश्वरके वचन प्रचार करेके काम आ सिखाबके काम करैई है । <sup>18</sup>कैलाकि परमेश्वरके वचन मे लिखल है कि, दाउनी करेबाला बैलके मुहमे जाबी नई लगवही आ मजदुरके अपन मजदुरी पाबेके पुरा अधिकरा (हक) है । <sup>19</sup>दु आ तिन कोइके गवाहीके बिना मण्डलीके रेखदेख करबाला पर लगाल दोषके स्वीकार नकरु । <sup>20</sup>जे सब पाप करै है त ओकरासबके सामने डाटु, जइसे दोसरे लोकसब पाप करेसे डेराइल लागत । <sup>21</sup>हम परमेश्वर, मशिह येशू आ हुनकर चुनलगेल स्वर्गदुतके सामने अहांके स्पष्ट आज्ञा दै छिइ, कोनो भेदभाव बिना यहि नियमसबके पालन करु । आ कोनो बातके लेल पक्षपात नई करु । <sup>22</sup>केकरो पर तुरुन्त हात नई राख अनकार (दोसर) के पापके भागी न बनु । आ अपनाके पवित्र राखु । <sup>23</sup>अटा पानी मात्रै नहि पिऊ, बल्की पेट के लेल आ स्वस्थ ठिक राखेके लेल कैनका दाखमध पिऊ । <sup>24</sup>कुछ लोकसबके पाप प्रत्यक्ष होइ छई आ उ सब न्यायी जाँचसे पहिने दोषी प्रमाणीत भ जाइछई । लेकिन कुछ लोकके पाप बादमे प्रगट होइछई । <sup>25</sup>वहने कके कुछ बनिया काम सब सेहो प्रत्यक्ष देखल जाइ है, लेकिन आवर काम सबके नइ नुकाबे सकइय ।

## Chapter 6

<sup>1</sup>गुलामीके जुआके तरमे भेल सबलोसब अपना मालिकके पुर्ण सम्मानके योग्य बुझू, जहिसे परमेश्वरके नाम आ अपनासबके शिक्षाके निन्दा नैई होइ, <sup>2</sup>जई दासके मालिक प्रभु येशू पर विश्वास करैहैई उ सबकोइ विश्वासमे भाई होइअ ओइकारण से ओकरासबके अवहेलना नई करु । बल्की उ सब मालिकके आदर बढियासे सेवा करेचाही । <sup>3</sup>मानु के उ आन तरिकासे शिक्षा दै हई आ परमेश्वरके कहल बात अपनासबके विश्वासयोग्यके शिक्षा अर्थात अपनासबके प्रभु येशूमशिहके वचनके स्वीकार न ई करैइ हई । आ ओई शिक्षा सं सहमत नई होइय, जे असली भक्ती उत्पन करई हई । <sup>4</sup>उ आदमी घमण्डी आ अज्ञानी हई । ओकरा झगडा करेकेआ शब्द सबके विषयमे बिना मतलब वाद-विवाद करेके रोग लागल हई । अई प्रकारके वाद-विवाद से दुश्मनी, निन्दा आ दोसर लोकसब पर यी शब्दसबसे डाह, कलह, बदनामी आ खराब संखा सब उत्पन करबैछई । <sup>5</sup>जेकरा सब के बुद्धि भ्रष्ट भ गेल हइ ओहने लोक हरदम झगडा करबैइ छई । उ लोकसब सत्यबातसे दुर रहइछई । जे सब भक्तीके धनिक होइके साधन मानीइछई । <sup>6</sup>आब सन्तुष्टि सहितके भक्ती से बहुत फाइदा होइछई । <sup>7</sup>कैलाकी अपनासब संसारमे किछो नई लक आयल्ल्ही, न इ त किछु लक न जायब । <sup>8</sup>लेकिन अपना सबके भोजन आ बस्त्र हई त ओहीसे सन्तुष्ट रही । <sup>9</sup>आब धनिक होइ चाहेबाला सब प्रलोभमे पडर जाइछइ । उ मुखतापुर्ण आ हानीकारक लालसाके जालमे फइसजाइ छइ आ लोकसबके वरबादी आ विनाशके खधियामे खसा दैइ हइ । <sup>10</sup>रुपैया पैसाके मोह सब किसिमके खराबीके जैर हई । पैसाके लोभमे पडइके कतेक लोकसब विश्वाससे भटइके खराब रास्तामे लागल हई, आ बहुत दुःख पिडा से ओकरासबके हृदयमे घोपल हई । <sup>11</sup>लेकिन परमेश्वरके भक्त अहां अहिसब बातसे दुर भागु, आ धर्मिकता, भक्ती, प्रेम, धिरज आ नम्रताके साधनामे लागु । <sup>12</sup>विश्वासके उत्तम लडाइ लरु । ओइ अन्नत जिवनके पकडने रहु । जे जिवन पावेके लेल अहां बोलाइलगेली आ अहां अपना विश्वासके विषयमे बहुत लोकसबके समक्ष असल गवाही देली । <sup>13</sup>सब चिजके जिवन देवेबाला परमेश्वर आ पन्तियस पिलासके समक्ष असल गवाही दियबाला मशिह येशूके सामने, हम अहांके आज्ञा दैई छी । <sup>14</sup>कि अहां अपनासबके प्रभु येशू मशिहके प्रगट होइतक अई आज्ञाके सिद्ध आ दोषरहित राखु । <sup>15</sup>आवर धन्य सर्वशक्तीमान, राज्य करेबाला राजा, शासन करेबाला परमप्रभु परमेश्वर प्रभु येशू मशिहके वैई उचित समय पर प्रगट करथीन । <sup>16</sup>परमेश्वर एक मात्र अमरताके स्रोत हइ आ ओहन इजोतमे वास कटैइ जेकरा लगमे कोइ नइ आ सकैय । परमेश्वरके कोनो आदमी कहियो नई देखे हई आ नई कहियो कोइ देखसकैइय । ओही परमेश्वरके सम्मान आ शक्ती सदासर्वदा होइ । आमिन । <sup>17</sup>अइ संसारके धनिक सबके घमण्डी अई संसारके धनिकसब के अभिमानी नैई हुए के आज्ञा दियौउ । संसारके धन पर नई नैई, आ अश्वित सम्पतीपर आशा नई करेके कहु । लेकिन परमेश्वर पर भरोसा राखेय, जे अपनासबके आन्नदित करेकेले सब चिजसब वेक्षी से दैई हई । <sup>18</sup>उ सब असल काम करैत रहेय, उ सब असल काम मे धनीक बनैत रहेय, कन्जुस नई रहेय, आ दोसर लोकसबके भलाई करेके मन राखे । <sup>19</sup>अहिना के उ सब अपना लेल एहन पुजी जम्मा करत जे भविष्यके आबेबाला दिन एक उत्तम अधार रहतैय, जेकराद्वारा उ सब कहियो नाश नई हुएबाला जिवन प्राप्त करत जे वास्तबमे जिवन हैई । <sup>20</sup>तिमोथी अहां के जिम्मा मे जे दियल गेल हई ओकरा रक्षा करु । मुखतापुर्ण वाचचित आ निर्धक बकवाद जे झूठ ज्ञान हैई, तैई से दुरे रहु । <sup>21</sup>कतेक लोकसब अई ज्ञानसबके स्वीकार करैइहई, आ एहिना कके उ सब विश्वासके मार्गसे भटक गेल हई । अहां पर कृपा बनल रहओ ।

## Titus

## Chapter 1

<sup>1</sup>परमेश्वरके सेवक और येशू मशिह परमेश्वरके दूत पावल परमेश्वरके द्वारा चुनल गेल आदमी सबके विश्वास के स्थापित करेके लागी और सत्यके ज्ञानके स्थापित करेके लागी जोन भक्ति के साथ सहमत होइछई । <sup>2</sup>अन्नत जीवनके निश्चयतामे बिना झूठ परमेश्वरके समयके सब युग के पहिले प्रतिज्ञा करलई । <sup>3</sup>ठिक समयमे हमनी के मुक्तिदाता परमेश्वरके हुकुम अनुसार हमरा प्रचार करेके लागी देलगेल सन्देशके अनुसार उ अपना वचन सफा करलई । <sup>4</sup>हमनी के साझा विश्वासमे साचाँ बेटा तीतस । बाबु परमेश्वर और हमनी के मुक्तिदाता येशू ख्रिष्ट से अनुग्रह, कृपा और शान्ति । <sup>5</sup>अभि भि पुरा नहोएल बातसब तु व्यवस्थित कर और हम तोरा बतबउ ओई अनुसार हरेक सहर मे प्रभुके दास बना कहके उदेश्य से हम तोहनी सबके क्रेटमे छोडली । <sup>6</sup>परमेश्वरके दास बिना दोष के एकेगो घरबाली के पति खराब या अनुशासन हिन सबके सुचीमे नपरेवाला विश्वास योग्य बेटाबेटी हाए परलई । <sup>7</sup>परमेश्वरके घरानाके बसाबे बाला के रुप मे परमेश्वरके दास होएके लागी बिना दोषके न पिताएवाला या नियन्त्रित न पिताएबाला दारु के लत नलागल, झगडा नकरेबाला और लोभ नकरेबाला होएके आवश्यक हइ । <sup>8</sup>लेकिन ओकनीसब मान इज्जत करेबाला जोन चिज असल हई ओइके साथी, सवेदनशील, धर्मी, भक्त और धिरजवन्द होएके चाही । <sup>9</sup>उ सब भरोसा करे सकेबाला वचनके सिद्धान्त मे मेहनतके साथ लागे परतई, ताकि उ जे उचित हई ओइ नियम द्वारा उत्साह देबे सके, और ओकर विरोध करेवालासबके डाट सके । <sup>10</sup>कइला कि वाँहा बहुत अनुशासनहिन आदमीसब हई खास करके खतना कैल वाला सव उ सबके वचन बिना मुल्य के हई । उ सब आदमीसबके छल करीछई और गलत रास्तामे चलबीछई । <sup>11</sup>उ सबके रोकना जरुरी हई, उ सब लजबिज लाभ के लागी न सिकाबे बाला चिज सिकाबिछई और पुरा परिवारके बर्वाद करदेईछई । <sup>12</sup>उ सबमे से बुद्धिमान आदमी कहले हई क्रेटके आदमी सब बिना रोकले झूठ बोलेबाला सब खराब और खतरनाक जनारव अर्थात अल्ल्ही पेट बाला सब हई । <sup>13</sup>ई भनाई सहि हई उ सब के कडाइके साथ, सुधार ताकि उ सब विश्वासमे ठिक होए सके । <sup>14</sup>यहुदीसबके दन्त्य कथामे सत्यमे बगलके चलेबाला आदमीसबके बातमे समय बर्वाद नकर । <sup>15</sup>शुद्ध होएबाला सबके लागी सब चिज शुद्ध होइछई, लेकिन प्रदुषित और विश्वास नकरे बाला सबके लागी किछो भि शुद्ध न होइछई । बरु ओइसबके लागी मन और विवेक समेत प्रदुषित होइछई । <sup>16</sup>उ सब परमेश्वरके चिनले छी त कहीछई, लेकिन उ सबके काम से परमेश्वरके इनकार करीछई । उ सब घृणीत और आज्ञा नमानेवाला होइछई, और कोई भि निमन कामके लागी ओकर योग्य न होइछई ।

## Chapter 2

<sup>1</sup>लेकिन तु उचित साथ मिले बाला बात मात्र कह । <sup>2</sup>बुढ़ा पुरुष संयम प्रतिस्थित, समझदार, विश्वासमे, प्रेममे और धैर्यमे पक्का होएपरलई । <sup>3</sup>ओहने प्रकार से बुढ़ीया जनीजात चन्डगलै करेवाला हमेशा अपने आपके आदरके समान प्रस्तुत करेपरलई । ऊ सबके दारु पिएके न हई । <sup>4</sup>जवान स्त्रीसबके उ सबके सोचमे सन्तुलित होएके लागी जानकारी करेके लागी ऊ सबके अपना पतिसब बच्चासबके प्रेम करेके लागी हौसला देबेके लागी और समझदार होएके लागी <sup>5</sup>शुद्ध निमन गृहणी और ऊ सबके पति के आज्ञा माने के लागी ऊ सबके जो चिज निमन हई ऊहे चिज सिकाऊ । ताकि परमेश्वरके वचन के निन्दा नहोए ॥ <sup>6</sup>ओइसने प्रकारसे जवान आदमीके समझदार होएके लागी जनकारी दियौउ । <sup>7</sup>सब बात मे अपने आपके निमन काम के एगो नमुना के जैसे समझदार होएके लागी आहवान कर । आहा जब सिकबई तब शुद्ध अच्छा और बेइज्जत नकरे सकेबाला बोली वचन देखाऊ । <sup>8</sup>सच्याबे नपरेबाला बातसब बोलु,लेकिन जब उ तोहर बिरोध करेके प्रयास करत ऊ तब हमनी के कहेबाला कोई भि खराब बात न होएल ऊ केकरो उपर लाज नलावेइ ॥ <sup>9</sup>दास सब हरेक बातमे ऊ सबके मालिक के बात मानेके चाहि । ऊ सब ओकनी सबके खुशी करेके प्रयास करु । ऊ सबसे कोई प्रकारके विवाद नकरु । <sup>10</sup>आ कोनो भि चिज चोरी नकरे लेकिन ऊ सब निमन विश्वासके देखा सके, ताकि ऊ सब हमनीके मुक्तिदाता परमेश्वरके बारेमे हमनी के शिक्षाके सब प्रकारसे आकर्षक बनाऊ । <sup>11</sup>देख हमनी खूशी के साथ आशा कर रहल अर्थात हमनी के महान परमेश्वर और मुक्तिदाता येशू मशिह के महिमा प्रकट होएवाला बातसब प्राप्त करेके परिक्षा करेके सब कइ ल मुक्ति ल्याबेमे कामयाब परमेश्वरके कृपा देखा परल हई । <sup>12</sup>और हमनीके अधर्म और संसारी इच्छा हटाबेके लेल और यि जगतमे समझदार , <sup>13</sup>धार्मिक और इश्वरीय जीवन जिएके लागी तालिक देइछई । <sup>14</sup>येशू हमसबके अधर्म से छुटकारा करेके लागी और अपने लागी जो चिज निमन हई उहे करेके लागी इक्छुक आदमीसब अर्थात शुद्ध बनाबेके लागी अपने आपके हमनीके लागी देदेलई । <sup>15</sup>यि बातसब कहेके लागी और हौसला देबे के लागी और पुरा अधिकार समेत सच्याऊ और तोरा कोई भि अनादर नकरे ।

## Chapter 3

<sup>1</sup>शासक सब और अधिकारी सबके अधिनमे रह, ऊ सबके बात मानेके और सब निमन काम के लागी तयार रहेके लागी <sup>2</sup>केकरो निन्दा करणा, बातबिवाद से अलग रहेके, दोसर आदमी सबके अपना अपना रस्ता पर चलना और सब आदमी के प्रति नरम स्वभाव देखाना याद दिलाऊ ।<sup>3</sup>कइला कि एकबार हमनीसब भि लापरबाह बात नमाने बाला रहली । हम सब अलग कइल और बहुत किसिमके खराब मनसब और भोकविलास के चपेट रहली । हम सब दुष्टता और ईष्यार्मा जिडत रहली । हम सब निन्दा और एक दुसराके घृणा करेबाला आदमी रहली ।<sup>4</sup>लेकिन जब परमेश्वर हमनीके उद्धारके दया और आदमीप्रति उनका प्रेम देखा परलई ।<sup>5</sup>हम सब धार्मिकता कइल काम सबद्धारा न लेकिन उनका कृपा अनुसार और पवित्र आत्माके नविकरण द्वारा ऊ हमसबके बचलई ।<sup>6</sup>परमेश्वर हमसबके उद्धारके येशू मशिहके उपर पवित्र आत्मा बहुत मात्रामे गिरकई ।<sup>7</sup>ताकि उनका अनुग्रहके द्वारा धर्मी ठहरली, हमसब अन्नत जीवनके पक्का बेटाबेटी सब भेली ।<sup>8</sup>यि वचनसब विश्वास योग्य हई तु यि बातसबके जोडके साथ हो हम चहि छी । ताकि परमेश्वरमे भरोसा करेवाला ऊ ओइसबके अगाडि रखल निमन काम सब प्रति ऊ सब मन लाग्गए । यि बात सब आदमी सब के लागी निमन और फइदासरह हई ।<sup>9</sup>लेकिन व्यवस्था बारे मुखता पुर्ण बादबिवाद सब वंशाली सब झगडा और दवन्दबाट अलग रहू । ऊ बातसब बिना मुल्य बेफाइदा हई ।<sup>10</sup>एक या दुई बेर चेतावनी के बाद तोहनी सबके बिचमे फुट कराबेबाला के इनकार करू ।<sup>11</sup>और जान कि अइसन आदमी सही रास्तासे भटक गेल हई । पाप करीछई और अपने आपके दोष लगबिछई ।<sup>12</sup>जब हम अर्तिमास वा तुखिकस कोई तोरा कहा पठबज जल्दी कर और निकोपोलिसमे आ जहा हम जो समय बताबेके निश्चय करले छी ।<sup>13</sup>जल्दी कर और नियम कानुन जानेबाला और अपोललोसके ऊ सब चिज चाहि देके पठाऊ ।<sup>14</sup>हमनी के लोकसबके लेल जरूरी सब चिज पुरा करेबाला निमन काम सबके अपने लागेके सिकेपरी छई, ताकी ऊ सब असफल नहोए ।<sup>15</sup>हमरा साथ होएल सब तोरा अभिवादन पठएले हए । विश्वासमे हमसबके प्रेम करेबाला सबमे अभिवादन कहदु । तोहनीसबके साथ अनुग्रह वनल रहे । आमेन् ।

## Philemon

## Chapter 1

<sup>1</sup>मशिह येशूके कैदी पावल आ हमरा तिमोथी से हमरा प्यारा साथी आ सडगीकर्मी फिलेमोनके, <sup>2</sup>आ हमर बहिनी अप्फिया आ हमरा सडगी-सिपाही आर्खिप्पस आ अहा के घरमे भेल मण्डली सब, <sup>3</sup>परमेश्वर पिता आ हमर प्रभु येशू मशिह के अनुग्रह आ शान्ति ।<sup>4</sup>तोहरा सबके प्रार्थना मे याद करै छी हम सबदीन परमेश्वर के धन्यवाद दइछी ।<sup>5</sup>प्रभु येशू मे भेल अहा के विश्वास आ प्रेम आ विश्वासी सब पर भेल अहाके प्रेम के बारेमे सुनले छी ।<sup>6</sup>हम प्रार्थना करै छी कि मशिह मे हमसब मे भेल सब असल बात के ज्ञान के लेल अहा सबके विश्वासके सहभागीता प्रभावकारी रहइ ।<sup>7</sup>के त अहा के प्रेम से हमरा बहुतै आनन्द आ सान्त्वना पैले छी कैलाकी भाइ अहा अपमा विश्वास सबके हृदय ताजा बनौलियइ ।<sup>8</sup>उही कारण स अहा के कथि करे परत, अहा के बात आ अहा सबके आज्ञा दिके लेल मशिह मे हमरा साहस मिलल तैना कि <sup>9</sup>प्रेम के कारण हम वृद्ध पावल, येशू के लेल एगो कैदी छी, हम अहा सबके बिन्ती करै छी।<sup>10</sup>हम अप्पन बेटा ओनेसिमसको के लागि अनुरोध करैछी जेना हम कारागारमे रहल छलि हम पिता बनली <sup>11</sup>कैला कि एक बार उ अहा के लेल काम नलागेवाला व्यक्ति रहलैइ आ अभी उ अहा के आ हमसब दुनुगोरा के काम लागेवाला भेल छी ।<sup>12</sup>हम हुनका, जे हमर हृदय हइ तोहरा लाग भेज रहल छी ।<sup>13</sup>हम सुसमाचार के लेल कारागारमे रहित उ अहा के बदलामे हमर सेवा करे के रहलैय कहीक हम ओकरा हमअपमा साथे राखेके चाहित रहलिय ।<sup>14</sup>लेकिन हम अहा के पुछले बिना कुछो नै करे चहैछी । कैलाकी हम तोहरा के हमर लेल कुछ असल काम करेके लागी जबरदस्ती नै करे चाही छी आ तु अपने राजीखुशी स करे हम चाही छी ।<sup>15</sup>अब सायद अहा सबदीन के लागी ओकरा फिर्ता पाबे सकु कहिक उ कुछ समय के लागी अलग भेल हइ ।<sup>16</sup>एक दास के रुपमे नै आ दास से बनिया एगो प्रिय भाइ के रुपमे ग्रहन करू । हम ओकरा प्रेम करै छी आ अहूँ हुनका प्रेम कारू । अहा हुनका अपना शरिर समैझ क आ प्रभुमे भाइके रुपमे प्रेम करू ।<sup>17</sup>जेना हमरा सहयोगी माइन क से स्वीकार करै छी कहिक हुनका सेहो हमरा जइसाही स्वीकार कारू ।<sup>18</sup>आ उ कोनो भुल कइले छै कहिक हमरा दोष लगाउ आ कुछ तिरैपरतैइ कहिक हमरा हिसाब मे राखेब ।<sup>19</sup>हम पावल, अपना स हाते इ बात लिखरहल छी, कि उ हम अहा के तिरैवाला छी । हम इ उलेख नै करब, कि अहा अपना जीवन के लेल हमरा प्रति केते कर्ज दार छी ।<sup>20</sup>यौउ भाइ, हमरा आनन्दके लेल प्रभुमे कुछ बढिया ; मशिह मे हमर हृदय के ताजा बनाऊ ।<sup>21</sup>अहा हमर आज्ञा पालन करै छी कहिक निश्चित भक हम अहा के ई पत्र लिख रहल छी । हमरा विश्वास छैइ कि अहाके हम कहले छली ओइसे ज्यादा करबैइ ।<sup>22</sup>साथे, हमरा लेल एगो कोठा तयार करू, कैलाकी हम आशा करै छी, कि अहा के प्रार्थना स हम बहुत जल्दी भेट आइब रहल छी ।<sup>23</sup>मशिह के लेल मसित कैद मे भेल इपाफ्रास भि अहासबके अभिवादन पठौउले छैइ ।<sup>24</sup>साथे हमर सहयोगी सब मर्कुस, अरिस्तार्खस, डेमास आ लूका भि अभिवादन पठौउले छैइ ।<sup>25</sup>हमरा येशू मशिह के अनुग्रह तोहरा आत्मा साथ रहो । आमेन ।

## James

## Chapter 1

<sup>1</sup>परमेश्वर और प्रभु येशूके सेवक याकुवके तरफसे अलपत्र परल बारह कुलके अभिवादन ।<sup>2</sup>हमर भाईसब, आहा सब बहुत किसिमके समस्या सबके अनुभव करेके समयमे एकरा पुरा रुपसे आनन्द समझू ।<sup>3</sup>तुसब जनइछे कि तोरासबके विश्वासके जाँचसे धैर्य पैदा करबइछै ।<sup>4</sup>धैर्यके पुरा रुपसे काम करे दे, ताकी तुसब सम्पूर्ण रुपसे सूधारल और पूर्ण होए सके और तोरा सबमे कोइ भि चिजके कमि न होए ।<sup>5</sup>लेकिन यदि तोरा सबमे से केकरो बुद्धिके कमि हई त सबके खुला

दिलसे, नहरकाके देवे वाला परमेश्वर से मागौक, आ प्रभु ओकरा सबके उ देतई ।<sup>6</sup>लेकिन उ कोनो शंका नकरके बिश्वास सहित मागौक । कएलाकि शंका करेवाला त हावा-बयारसे उठा-पटक होएवाला समुन्द्रके छाल जइसन् होइछै ।<sup>7</sup>ओहन आदमी, प्रभुसे कुछ पाएब से न सोचौक ।<sup>8</sup>ओहन आदमी दोहरा (दोधार) मनके होइछै और अपन सब चालचलनमे डगमगाएल रहइ छै ।<sup>9</sup>9 दिन भाई अपन धनिकाईमे गर्व करौक,<sup>10</sup>लेकिन धनिक आदमी सब अपना गरिबीमे गर्व करौक, किएक त उ घाँसमे फूलाएल फूल लेखा मुरझा जाएत ।<sup>11</sup>किएक त कडा रौद सहित सुरुज उगई छइ आ घाँसके सुखा देईछै । फूल झर जाईछै और ओकर सुन्दरता खराब हो जाईछै । ओहिनाइते धनिक आदमी अपन यात्राके बिचमे हि हेरा जाईछै ।<sup>12</sup>उ आदमी बहुत धन्य के हई जे परिक्षामे स्थिर रहइछै । कएलाकि परिक्षामे सफल भेलाके बाद उ जिवनके मुकुट पावै छै, जे परमेश्वरके प्रेम करेवाला सबके लेल प्रतिज्ञा कएलगेल छै ।<sup>13</sup>परिक्षामे परलाके बाद “कोई यि न कहौक कि परिक्षा परमेश्वरके देल हई”, किएक त दुष्टसे परमेश्वरके परिक्षा नहोइ छै, और परमेश्वर अपनेसे केकरो परिक्षा न करइछै ।<sup>14</sup>लेकिन हरेक आदमी अपने इच्छासे लोभ, मोहके चलते परिक्षामे परइछै और जे इच्छा ओकरा बहकवैछै आ प्रलोभनमे पारै छै ।<sup>15</sup>मनमे अभिलाशा भेलाके कारण पाप जन्म लेई छै, और उ पाप बेसि बदलापर मृत्यू लवईछै ।<sup>16</sup>हमर प्रिय भाईसब, धोकामे नपर ।<sup>17</sup>सब निक बरदान और सिद्ध बरदान परमेश्वरसे आएल हई । यि सब ईजोतके पितासे निचा आएल हई, और यि बदलेवाला छाही जैसन न हई ।<sup>18</sup>परमेश्वरके सृष्टिके सबसे पहिल फल के रुपमे हमसब हो सकि ताईके लेल परमेश्वर हमरा सबके वचनके द्वारा जिवन देलक ।<sup>19</sup>हमर प्रिय भाई सब, आहा सब भी जनैछी कि सब आदमी सुनेमे जल्दी, बोलेमे देर और खिसियाएमे धिमा होए ।<sup>20</sup>किएक त आदमीके पित परमेश्वरके धर्किकताके काम न करई छै ।<sup>21</sup>ताइके लेल पापमय और घिन लागेवाला चिज और दुष्टताके हटादे और परमेश्वरके देल वचनके धारण कर जे तोरासबके प्राण बचाएत ।<sup>22</sup>अपने आपके धोका देके वचन सुनेवाला मात्रे न बल्कि पालन करेवाला बन् ।<sup>23</sup>यदि कोई आदमी वचन सुनेवाला मात्रे हई लेकिन पालन करेवाला नहई त उ ऐनामे अपन स्वभाविक चेहरा देखेवाला आदमी जेहन हि हई ।<sup>24</sup>उ अपना आपके देखै छै और चल जाइछै आ उ केहन आदमी हई से बिसर जाई छै ।<sup>25</sup>लेकिन सुनके बिसुरता होएवाला आदमी मात्रे नहोके स्वतन्त्रताके सिद्ध नियमके पालन करके निरन्तर ओहिने पालन करेवाला ब्यक्ति उ अपन सब काजमे आशिषित होई छै ।<sup>26</sup>यदि कोई आदमी अपना आपके धार्मिक समझई छै लेकिन उ अपन जिवपर लगाम न लगावै छै त उ अपन हृदयके धोका देईछै और ओकर धर्म बेकार हो जाईछै ।<sup>27</sup>परमेश्वर और पिताके सामने निष्कलंक धर्म ईहे है कि, अनाथ और विधवाके दुःखमे सहयाता करु और अपना आपके संसारके नजरमे निष्कलंक राखु ।

## Chapter 2

<sup>1</sup>हमर भाईसब, कुछ आदमी सबके उपर पक्षपात करैत महिमाके प्रभु हमरा सबके प्रभु येशू ख्रिष्ट पर तुसब बिश्वास न कर । <sup>2</sup>बिचार कर कि कोई आदमी तोहरा सबके सभामे सोनाके औंठीसब आ निक-निक कपडालता लगाके प्रवेश कैलक आ ओहीठाम एगो गरिब आदमी सेहो मैल वस्त्रमे आएल । <sup>3</sup>यदि तुसब ओई निमन कपडा लगैले आदमीके ओर देखईछे आ “कृपया एई निमन जगहपर बैठलजाओ” कहके कहईछे, लेकिन तुसब ओई गरिब आदमीके “तु एहि ठाम खडा रह” या “हमरा पैर लअ बैठ” कहके कहईछे त, <sup>4</sup>कि तुसब अपने बिचमे न्याय न कर रहल छे कि तुसब दुष्ट बिचारसे भरल न्यायकर्तासब न बनले ? <sup>5</sup>हमर प्रिय भाईसब, सुन, कि परमेश्वर संसारके गरिब सबके बिश्वासमे धनिक होएके लागि आ उनका प्रेम करेवाला सबके लागि उनकर प्रतिज्ञा कएल राज्यके उतराधिकारी होएके लागि न चुनलक ? <sup>6</sup>लेकिन तुसब गरिब सबके अनादर कएले छे । कि तोहरा सबके उपर दमन करेवाला धनिक सब हि न हई ? आ तोहरा सबके घिंचके अदालतमे लेजाए वाला ओहेसब न हई ? <sup>7</sup>तुसब जिनकर छे, उनकर सुनामके ओहेसब अपमान न करइछै कि ? <sup>8</sup>तैयो, यदि तुसब “अपना पडोसीके अपने जेखिन प्रेम कर” कहके बताएल गेल धर्मशास्त्रके राजकिय व्यवस्थाके पुरा करइछे त निके करइछे । <sup>9</sup>लेकिन यदि तुसब कोनो आदमी उपर भेदभाव देखएले त तुसब पाप कर लेबे आ व्यवस्थाद्वारा व्यवस्थाके उलङ्घन कएले सब छे कहके दोषी ठहराएल जाएबे । <sup>10</sup>कएलाकि जे सम्पूर्ण व्यवस्थाके पालन करइछै, लेकिन एकेटा बातमे चुक जाइछै त, उ सम्पूर्ण व्यवस्थाके उलङ्घन करेके लागि दोषी ठहराएल जाइछै । <sup>11</sup>कएलाकि जे “व्यभिचार न कर” कहले हई, ओहे “हत्या न कर” सेहो कहले हई । यदि तुसब व्यभिचार न करइछे, लेकिन हत्या करइछे त तुसब व्यवस्थाके उलङ्घन करइछे । <sup>12</sup>ओहि कारण स्वतन्त्रताके व्यवस्थाद्वारा न्याय पावेवाला सब जेखिन बोल और व्यवहार कर । <sup>13</sup>कएलाकि कृपा न देखाबेवाला सबके उपर कृपा बिना हि न्याय होइछै । कृपा न्यायपर विजयी हाइछै । <sup>14</sup>हमर भाईसब, यदि कोई आदमी ओकरा साथ बिश्वास हई कहके कहइछै लेकिन कोनो काम न करइछै त, ओई से कि लाभ . कि उ बिश्वास ओकरा बचाबे सकतई <sup>15</sup>बिचार कर, कि कोनो भाई वा बहिनके कपडा निक न हई आ ओकरालेल दैनिक भोजनके अभाव हई । <sup>16</sup>बिचार कर, कि तोहरा सबमेसे कोनो ओकरा “शान्ति से जो, गरमाके बैठ और पेटभर खो”, कहके कहइछे । और यदि तुसब ओकरा शरिरके आवश्यक होएवाला चिजसब न देइछे त, ओइ से कि लाभ होतई <sup>17</sup>ओही तरहसे बिश्वास भि काम न करइछै त उ मरल समान होइछै । <sup>18</sup>लेकिन तैयो कोई येना कहतई “तोहरा लअ बिश्वास हई और हमरा लअ काम हई” । काम बिनाके तोहर सबके बिश्वास हमरा देखो और हम अपन कामसे हमर बिश्वास तोहरा सबके देखबौ । <sup>19</sup>परमेश्वर एगो मात्र हई कहके तुसब बिश्वास करइछे, यि तुसब निक करइछे । लेकिन भुत-प्रेत सब सेहो बिश्वास करइछै, और थर-थर कांपइछै । <sup>20</sup>मुख आदमीसब, कि तुसब यि जाने चाहइछे कि बिश्वास बिनाके काम व्यर्थ होइछै <sup>21</sup>हमरा सबके पुर्खा अब्राहम अपन बेटा इसाहकके जब वेदीपर अर्पण करलकई, त कि अपना कामके द्वारा हि उ धर्मी न ठहराएल गेल रहई कि <sup>22</sup>तुसब देखइछे, उनकर कामसबके साथे बिश्वास कार्य कएले रहई आ कामके द्वारा हि उनकर बिश्वास पूर्ण भेलई । <sup>23</sup>धर्मशास्त्रके यि कहल वचन पुरा होलई जे, “अब्राहम परमेश्वर पर बिश्वास करलकई और उ चिज उनका लागि धार्मिकता गनल गेलई” । <sup>24</sup>तुसब देखइछे, कि कामके द्वारा आदमी धर्मी ठहराएल जाइछै, केवल बिश्वासद्वारा न । <sup>25</sup>ओही तरहसे राहाब वेश्या भि जब गुप्तचर सबके स्वागत करके दोसर रास्तासे भेज देलक, तब उ कामद्वारा हि धर्मी न ठहराएल गेलई कि <sup>26</sup>जेना आत्मासे शरिर अलग होएलापर मर जाइछै, ओही तरह कामसे अलग होएलापर बिश्वास मर जाइछै ।

## Chapter 3

<sup>1</sup>हमर भाईसब, बहुत कोई शिक्षक न बनेके चाही । हमसबके यि जानेके चाही कि, हमरा सबके इन्साफ और जादा कडा होतई । <sup>2</sup>कएलाकि हमसब बहुत किसिमके भुल करइछै । यदि कोई अपना बोलिमे भुल न करइछै, त उ पूर्णरूपसे परिपक्व आदमी हई, आ उ अपना सारा नियन्त्रणमे करे सकइछै, <sup>3</sup>आज्ञा पालन कराबेके लेल आब यदि हमसब घोडाके मुँहमे लगाम लगबई छि, त हमसब ओकर सारा शरिरके हि नियन्त्रण करे सकई छि । <sup>4</sup>पानिजहाज सबके याद कर, उसब बहुत बडका रहइछै आ उसब बहुत तेज हावासे चलइछै, तइयो एगो बहुत छोट पतवारसे खेवईया (नाविक) ओकरा जहाँ लेजाए चाहइछै, ओही जगह लेजाइछै । <sup>5</sup>ओही तरह जिव (जिभ, जिउ) भि शरिरके एकगो अङ्ग हई, तइयो उ बडका-बडका बातसबके अभिमान करइछै । एगो छोटका आगके लुति विशाल जङ्गलमे पसाही (आग) लगा देइछै । <sup>6</sup>जिव भि आग हि हई, हमरा सबके शरिरके अङ्ग सबमे यि अधर्मके दुनियाँ हि हई । यि सम्पूर्ण शरिरके अशुद्ध बना देइछै और जिवनके मार्गमे आग लगा देइछै । नरकमे यि अपने भि झुलस जाइछै । <sup>7</sup>कएलाकि सब किसिमके जङ्गली जनावरसब, चिरइचुनमुनसब, ससरेवाला जन्तुसब और समुन्द्रमे रहल प्राणिसबके वशमे राखल गेल हई, आ उ मानव जातिद्वारा हि वशमे राखल गेल हई । <sup>8</sup>लेकिन आदमी सबमे कोई भि जिवके वशमे न राखे सकल हई । यि घातक विषसे भरल और नियन्त्रण नकरे सके वाला दुष्ट हई । <sup>9</sup>एहि जिवसे हमसब परमप्रभुके प्रशंसा करइछि आ एहिसे हमसब परमेश्वरके स्वरुपमे बनाएल आदमीके सरापई छि । <sup>10</sup>एकेगो मुँहसे आशिष और अपशब्द निकलइछै । हमर भाईसब, एहन बातसब न होएके चाहि । <sup>11</sup>कि एकेगो पानिके धारसे मिठ और तित दुनु पानि निकलइछै <sup>12</sup>हमर भाईसब, कि अज्जिरके झारमे (पेडमे) जैतुन फरे सकइछै ? चाहे अंगुरके झारमे अज्जिर फरे सकइछै ? नुनगर पानिके धारसे भि मिठ पानि न निकले सकइछै । <sup>13</sup>तोहरा सबके बिचमे बुद्धिमान और समझदार के हई ? उ व्यक्ति बुद्धिके नरमतामे अपन कामसबसे एगो असल जिवन जि के देखबउक । <sup>14</sup>लेकिन यदि तोहरा सबके हृदयमे तित ईर्ष्या और अभिलाषा हउ, त सत्यके विरुद्धमे अभिमान न कर और झुठ न बोल । <sup>15</sup>यि उपरसे निचा आबेवाला विवेक न हई, बल्कि यि त संसारिक, अनात्मिक और शैतानिक हई । <sup>16</sup>कएला कि जाहाँ इष्र्या और अभिलाषा रहइछै, उहाँ भ्रम और हरेक तरहके दुष्ट काम होइछै । <sup>17</sup>लेकिन स्वर्गसे आबेवाला विवेक त सबसे पहिले शुद्ध हाइछै, ओहिके बाद शान्तिप्रिय, कोमल, बिचारशिल, कृपा और असल फलसे भरल, कमजोर न करेवाला और निष्कपट हाइछै । <sup>18</sup>धार्मिकताके फल त शान्ति कायम करेवालासबके बिचमे शान्तसे बोएल (छिटल) रहइछै ।

## Chapter 4

<sup>1</sup>तोहरा सबके बिचमे झगडा और विवाद काहाँसे अबइछे ? कि उ बात तोहर शरिरके अङ्ग सबके बिचमे संघर्ष लाबेवाला तोहर सबके अपने अभिलाषा सबसे न अबइछे <sup>2</sup>तुसब हत्या करइछे आ लालच करइछे लेकिन पावे त न सकइछे । तुसब झगडा और लडाई करइछे, लेकिन तोहरा सबके न मिलइछौ, कएलाकि तुसब न माँगइछे । <sup>3</sup>तुसब माँगइछे लेकिन न मिलइछौ, कएलाकि तुसब अपन अभिलाषा पूर्ति करे सकि कहके गलत नियतसे माँगइछे । <sup>4</sup>व्यभिचारी आदमीसब, संसारके साथ दोस्ती करनाई परमेश्वरके साथ दुस्मनी करनाई हई से तोहरा सबके मालुम न हउ कि ? ताइलेल, जे संसारसे दोस्ती करे चाहइछे उ अपने आपके परमेश्वरके दुस्मन बना लेइछे । <sup>5</sup>या धर्मशास्त्र, “परमेश्वरसे हमरा सबमे बास करेके खातिर राखल आत्मा बहुत डाही हो गेल हई” कहके बेकारे कहइछे से तुसब सोचइछे कि? <sup>6</sup>लेकिन परमेश्वर और ज्यादा अनुग्रह देइछे । ओहीसे धर्मशास्त्र यि कहइछे कि, “परमेश्वर अभिमानी सबके बिरोध करइछे लेकिन नम्र सबके अनुग्रह देइछे ।” <sup>7</sup>ओहीलेल, अपने आपके परमेश्वरमे समर्पण कर । शैतानके बिरोध कर, आ उ तोहरा सबसे भगतउ । <sup>8</sup>परमेश्वरके नजदिकमे आवैजो, आ उ तोहरा सबके नजदिकमे अतउ । अए पापिसब, तोहरा सबके हाथ सफा कर, आ दुगो मनवाला सब, तोहरा सबके हृदय शुद्ध कर । <sup>9</sup>दुःखी बन, शोक मनो और कान । तोहरा सबके हसी दुःखमे और आनन्द निराशामे परिणत होए । <sup>10</sup>प्रभुके सामने अपने आपके नरम बनो, और उ तोहरा सबके उपर उठतउ । <sup>11</sup>भाई सब, एक दोसरके बिरोधमे नबोल । कएलाकि एगो भाईके बिरोधमे बोलेवाला वा एगो भाईके न्याय करेवाला व्यवस्थाके बिरोधमे बोलइछे आ व्यवस्थाके साथ न्याय करइछे । यदि तुसब व्यवस्थाके साथ न्याय करइछे त तुसब व्यवस्था पालन करेवाला न होइछे, लेकिन न्यायकर्ता जरूर बन जाइछे । <sup>12</sup>व्यवस्था देवे वाला और न्यायकर्ता सिर्फ एगो हई । बचावे और न्याय करे सके वाला एकेगो परमेश्वर मात्र हई । अपना पडोसीके इन्साफ करेवाला तुसब कोन छे ? <sup>13</sup>हाब सुन, तुब जे, “आई या विहान हमसब शहरमे जाएब, उँहा एक बरिष बिताएब और व्यापार करके नाफा कमाएब,” कहके कहइछे । <sup>14</sup>बिहान कि होतई और तोहर जिवन केहन रहतई से बात केकरा थाह हई ? कएलाकि तुसब त धुन्धके समान छे, जे कुछ समय देखाई देइछे और बादमे गायब हो जाइछे । <sup>15</sup>एकर बदलामे तोहरा सबके अई तरहसे कहेके चाहि कि, “यदि परमेश्वरके इच्छा होतई त हम जियब और यि चाहे उ करब ।” <sup>16</sup>लेकिन अभि त तुसब अपने-अपने अभिमानी योजना सबमे घमण्ड करइछे, एहन सब घमण्ड गलत हई । <sup>17</sup>ओहीलेल, जे भलाई करेके जानके भि भलाई न करइछे, त उ चिज ओकरा लागि पाप होइछे ।

## Chapter 5

<sup>1</sup>आब सुन, तोहरा सबमे जे धनिक छे, तोहरा सबपर आबेवाला कष्ट सबके लागि कान और बिलाप कर । <sup>2</sup>तोहरा सबके धन सड गेल हई, और तोहरा सबके लता-कपडासब घुन खा गेल हई । <sup>3</sup>तोहरा सबके सोना-चानिमे बिझ लागल हई । ओइमे लागल बिझ हि तोहरा सबके बिरोधमे गवाही होतई । और उ तोहरा सबके शरिरके आगिके लेखा नष्ट कर देतई । तुसब अपन धन-सम्पत्ति अन्तिम दिनके लेल जम्मा करके रखले छे । <sup>4</sup>देख, ओई मजदुर सबके मजदुरी जोर-जोरसे चिचिया रहल हई, उ मजदुरी जे तोहरा सबके खेतमे कटनी करे वाला सबके देबेला तुसब रोक लगएले छे । और ओई मजदुर सबके चिचियाहट सेना सबके परमप्रभुके कान तक पुगल हई । <sup>5</sup>तुसब पृथ्वीपर सुख - भोगमे रह रहल छे, और अपने आपके संतुष्ट कएले छे । तुसब अपना हृदयके बलि होएवाला दिनके लागि हृष्टपुष्ट कएले छे । <sup>6</sup>तोहरा सबके बिरोध करेवाला धर्मात्मा सबके दोषी बनाके हत्या कएले छे । <sup>7</sup>ओहीलेल भाईसब, प्रभुके आगमन तक धैर्य धारण कर । एगो किसान जमिनसे बहुमुल्य फसल पावे खातिर करेवाला प्रतिक्षाके देख । केना उ अगला और पिछला वारिष न होएतक धैर्यतासे प्रतिक्षा करइत रहइछै । <sup>8</sup>तुसब सेहो धैर्य धारण कर । तोहरा सबके हृदय मजबुत बनो, कियक त प्रभुके आगमन बहुत नजदिक हई । <sup>9</sup>भाईसब, तोहरा सबके इन्साफ नहोए कहके एक दोसरके बिरोधमे गनगन नकर । देख, न्याय करेवाला दुवारे पर खडा हई । <sup>10</sup>भाईसब, प्रभुके नामसे बोलेवाला अगमवक्ता सबके कष्ट और धैर्यतासे एगो उदाहरण ले । <sup>11</sup>देख, धैर्य धारण करेवाला सबके हमसब आशिषित समझइछि । तुसब अय्युबके धैर्यके बारेमे सुनले छे और परमेश्वर कतेक ज्यादा दयालु आ कृपालु हई, ओई बिषयमे परमेश्वरके उद्देश्य तोहरा सबके मालुम हई । <sup>12</sup>हमर भाईसब, यि सब चिजसे पहिले, स्वर्गके या पृथ्वीके या कोनो और चिजके किरिया न खो । बल्कि, इन्साफमे नपरे खातिर तोहरा सबके “ह” मतलब “ह” आ “न” मतलब “न” हि होएके चाहि । <sup>13</sup>कि तोहरा सबके बिचमे कोनो कष्ट भोग रहल हई ? त उ प्रार्थना करउक । कि कोनो आनन्दित हई ? त उ प्रशंसाके गित गबउक । <sup>14</sup>कि तोहरा सबके बिचमे कोई बिमार हई ? त उ मण्डलीके एल्डरसबके बोलबउक आ उसब ओकरा लेल प्रार्थना करउक । प्रभुके नामसे उसब ओकरा तेलसे अभिषेक करउक । <sup>15</sup>बिश्वास के प्रार्थना ओई बिमार आदमीके चङ्गाई करतई और प्रभु ओकरा उपर उठतई । यदि उ पाप कएले हई त परमेश्वर ओकरा क्षमा करतई । <sup>16</sup>ओहीसे तुसब एक-दोसरसे अपन अपराध स्विकार कर आ चङ्गा होए खातिर एक-दोसरके लागि प्रार्थना कर । धार्मिक आदमीके प्रार्थना बहुत शक्तिशाली और प्रभावकारी होइछै । <sup>17</sup>एलिया सेहो हमसबके जेखिन आदमी हि रहलई । वारिष नहोए कहके उ नरमतासे प्रार्थना करलकई आ देशमे तिन बर्ष और छौ महिना तक वारिष न होलई । <sup>18</sup>बादमे एलिया फेरसे प्रार्थना करलकई, आ आकाशसे वारिष हालई और जमिन उब्जा देलकई । <sup>19</sup>हमर भाईसब, यदि तोहरासबके बिचमे से कोई सत्यसे मुहँ फेरके जाइछै आ कोई ओकरा फिर्ता लबइछै त, <sup>20</sup>उ ब्यक्ति यि जान लेउक, कि जे कोनो पापिके ओकरा भटकल रास्तासे फिर्ता लवइछै, आ उ ओकरा मृत्युसे बचतई और अनगिन्ती पापके झाप देतई ।

## 2 Peter

## Chapter 1

<sup>1</sup>येशू मशिहके दास और प्रेरित सिमोन पत्रुसके तरफ सअ हमरा सबके परमेश्वरके धर्मिकता और मुक्ति दियबाला येशू मशिहमे हमरे सब जाका मुलवान विश्वास पाब बाला सबके <sup>2</sup>अनुग्रह होय हमरा सबके परमेश्वर और येशू मशिहके ज्ञान सअ आहांसबमे शान्ति बौहते होइते जाय ।। <sup>3</sup>अपने महिमा और असक गुण सअ अपना सबके बोलाव बाला परमेश्वरके ज्ञान सअ अपना सबके ईश्वरके शक्तिके जीवन और धार्मिकताके लेल जरूरी परबाला सब कुच देल गेल है । <sup>4</sup>अही चिज सब सअ ओ परमेश्वर हमरा सबके बरका मोलके और सब सअ बरका बच्चा सब देने है । आहांसब संसारके खराब इच्छा सअ आवबाला भ्रष्ट काम सअ भाइग कअ ईश्वरके स्वभावमे सहभागी होइब सकी कैहक ओ एना केलकै ।। <sup>5</sup>अही कारण सअ आहांसबके विश्वासमे असल गुण असल गुणमे ज्ञान थपके लेल प्रयास करु । <sup>6</sup>आहांसबके ज्ञानमे अपनसंयम और अपनसंयमे धैर्य आरो धैर्य मे ईश्वरभक्ति । <sup>7</sup>ईश्वरभक्तिमे भाइ बहिन बाला स्नेह और अपना भाइ-बहिन बाला स्नेह मे प्रेम थपू । <sup>8</sup>जब यी चीजसब आहांसबमे हैय और बौहते बैरतै जाय है त प्रभु येशू मशिहके ज्ञानमे आहांसब बिना फलके नै होब । <sup>9</sup>लेकिन उ आदमी आनहर है जेकरामे यी चिजके घटी है और लगके चीज मात्रे देखै है । उ यी बात बिसैर गेल रहै छै कि हम पुरणा पाप सअ धुवल गेल छी । <sup>10</sup>अही कारण हे भाइ अपन बोलाहट और चुनाउ पक्का करके लेल जतेक सकै छी ओतेक प्रयास करु । आहांसब एना करब त आहांसब नै ख सब । <sup>11</sup>अही कारण, हमरा सबके प्रभु येशू मशिहके कहियो अन्त नै होबबाला राज्यमे पैस के लेल आहांसब के बौहते अनुमती (स्वागत) मिलत ।। <sup>12</sup>अही कारण, यी सबहे बात आहांसबके थाह है और ऐय सच्चाईमे आहांसब मजबुत छी लेकिन तैयो हम आहांसबके यी बात सब समझावके लेल तयार छी । <sup>13</sup>जब तक हम ऐय देहमे रहबै तब तक आहांसबके जग्गे रखनाई और यी बातसबके बारेमे आहांसबके समझौनाई हमरा लेल बन्हिया है कैह कअ हमरा लगैय । <sup>14</sup>कैलाकी हम अपन देह के बौहते जल्दीये छोड बाला छियै कैह कअ हमरा देखौने है । <sup>15</sup>हमरा मरला के बादमे भि आहांसब यी बात सबके सबहे दिन याद कर सकु कैह कअ हम जतेक सकब ओतेक प्रयास करब । <sup>16</sup>कैलाकी हम सब येशू मशिहके शक्ति और आगमणके बारेमे आहांसबके जब बतौलियै तब चलाखी स गरहल मनके कथा सबके हम सब नै पछपौलियै, लेकिन हम सब हुनकर देखल वैभवके गवाह रहियै । <sup>17</sup>ओ ( प्रभु येशू मशिह ) परमेश्वर पिता सअ आदर और महिमा पौलकैय, वैय पुरावाला वैभव के महिमा सअ एहन आवाज आएल रहै: “यी हमर प्यारा बेटा है, जेकर सअ हम बहुत खुशी छी । <sup>18</sup>हम सब जब हुनका जरे ओय पवित्र पहाड्मे रहियै हम सब अपने सअ स्वर्ग स एल ओय आवाजके सुनलियै । <sup>19</sup>हमरा सब लअ भेल अगमवाणीके वचन और पक्का भअ गेल है, जेकरा आहां सब पालन करके लेल बन्हिया कोशिश करैछियै । यी जब तक इजोत नैय होय और आहां सबके हृदयमे भोरके तरेगन नै उगै तब तक अन्हारमे चम्क बाला इजोत जाका है । <sup>20</sup>आहां सब पहिले यी जानू कि लिखल कोनो भविष्यवाणी अगमवक्ताके अपने तरफ से नैय अबै है । <sup>21</sup>कैलाकी कोनो भी अगमवाणी आदमी सबके इच्छा सअ नै एल है लेकिन परमेश्वरके तरफ सअ बाला पवित्र आत्मा सअ सिखाउलगेल आदमी सब सअ एल है ।

## Chapter 2

<sup>1</sup>जेना इस्राएली सबके बिचमे झुठा अगमवक्तासब रहै वहिना आहांसबके बिचमे सेहो झुठा शिक्षा सिखावबाला सब अउतैय उ सब अपना जरे चोराक विनाश करबाला गुरुके सेहो इन्कार करतैय आ उ सब अपनाउपर जल्दिए विनाश लौतै । <sup>2</sup>बौहते कोय ओकरासबके खराब चिजसबके (बिलासी आचरणसबके) पछयौतैय आ ओकरासब सअ सच्चाईके (सत्यके) रास्ताके बदनामी हेतै । <sup>3</sup>लोभ के कारण उसब झुठ बात बना कअ आहां सब फाइदा उठौतैय । ओकरा सबके छोडलखिन्ह) लेकिन ओकरासबके निचा पतालमे फेक देलकै और जब तक इन्साफ नै हेतै तब तक पतालके घोर अन्हारमे बाइन कअ रखल कैय । <sup>4</sup>किएक त परमेश्वर पाप करेबाला स्वर्गदुत क भी न छोडलकै बरु ओकरा के पाताल जिम्मा लगा देलकइ और इन्साफ न होइ तक जन्जिर से बान्हके घोर अन्धकारमे छोडर देलकै । <sup>5</sup>परमेश्वर पहिलका संसारके सेहो बाँकी नैय रखलकैय लेकिन धार्मिकता के प्रचार करबाला (दुत) नोआ आ आरो सात आदमी के बचौलकै आ पानीके प्रलय सअ अधर्मी संसारके विनाश केलकै । <sup>6</sup>अधर्मी सबके सामने उदाहरणके (नमुनाके) लेल परमेश्वर सदोम और गमोरा सहरसबके आइग सअ भस्म कअ देलकै (छाउर बना देलकै) और ओकरासबके विनाश के लेल दोषी ठहरा देलकै । <sup>7</sup>लेकिन जब परमेश्वर एना केलकै तब धर्मी लोवके बचौलकै जे लोत दुष्ट आदमी सबके दुष्ट व्यवहारके कारण बहुत दुःखी रहै । <sup>8</sup>कैलाकी ओकरा सब जरे दिन-दिन रहै ओकरा सबके बिचमे कुकर्म सब देखै, और सुनै तब यी धर्मी आदमी के अपन आत्मामे बौहते कष्ट होय । <sup>9</sup>अही कारण सअ धर्मीसबके परीक्षा सअ बचावके लेल और अधर्मी करबाला सबके न्यायके दिनमे सजायके लेल केना कअ तयार राख परतैय स ओ (परमेश्वर) जनै छै<sup>10</sup>यी विशेष कक शरीरके भ्रष्ट इच्छा सबमे जिय बाला और अधिकारके अवहेलना कर बाला सबके लेल है । एहन सब हठी आ घमण्डी होइछै आ स्वर्गके प्राणीसबके निन्दा करके लेले डर नै माने है । <sup>11</sup>स्वर्गके दुत सब जरे आदमी सब सअ बेसी शक्ती आ सामर्थ है, लेकिन तैयो उसब प्रभुके अगाडी ओकरासबके (आदमीसबके ) बिरोधमे पुरा निन्दा के दोष नैय दैय है । <sup>12</sup>लेकिन यी आदमीसब अपने जे नै बिडने है ओय बातसबके निन्दा करै है । यि सब अज्ञानी पशु सब जाका है जे अपन स्वभावके इच्छासबके वशमे रहै है । यि सब पकैर कअ मार के लेल जन्मल है । यीसब पशु सब जाका नष्ट हेतै । <sup>13</sup>अपने सअ जे गलत काम सब के नै है ओकर परिणाम सअ ओकरासबके क्षति पुगतैय । यी सब दिनमे भोग-विलासमे मस्त रहनाई खुशी के बात मानै है । यी सब कलंकित आ दुषित लोक सबके है । जब आहांसब जरे भोजमे बैसै है तब यी सब अपने छलमे आनन्द मनबै है । <sup>14</sup>ओकरा सबके आइख व्यभिचार सअ भरल होइछै; यी सब कतबो पाप करै है तैयो मन नै भरै है । यी जेकरा सबके मन चञ्चल है ओकरा सबके फुस्तबै है । एकरा सबके मन लोभमे तालिम पौने रहै है आ यी सब श्रापित धियापुता है ।<sup>15</sup>

<sup>16</sup>मुदा ओ अपने अपराधके लेल धम्की पौने रहै । एकटा नैय बोलबाला गधा आदमीके आवाजमे बोडल कअ अगमवक्ताके पगलपनीके रोडक देने रहै । <sup>17</sup>यी आदमी सब पानी नै भेल कुवा जाका है । यी सब बिहाइर सअ उडर जा बाला बादल जाका है । एकरा सबके लेल पतालके अन्हार राखल गेल है । <sup>18</sup>यी सब व्यर्थमे घमण्डके साथ बोलै है । खराबी सअ भाग बाला आदमीसबके फस्बै है । <sup>19</sup>उ सब एकरा सबके छुटकारा देवके लेल बाचा करै है, लेकिन उसब अपने भ्रष्टताके दास या गुलाम है । कैलाकी आदमीके जे जीत लैय है, ओ ओकरे दास बैन जाय है । <sup>20</sup>जब कोय अपना सबके प्रभु आ मुक्ति दिय बाला येशू मशिह के चिनो कअ ऐय संसारके दुषित कराव बाला हालत पहिलका सअ आरो खराब हेतै । <sup>21</sup>धर्मिकताके रास्ता के जाइनो कअ ओकरा सबके देल गेल पवित्र आज्ञासब सअ पछारी घुर के सट्टा ओकरासबके धर्मिकताके रास्ता कहियो नै जन्ने रहै तैय से बनिया होइतै । <sup>22</sup>ओकरासबके लेल यी कहावत सही है: कुता अपने बोकरल चाटके लेल घुमै है आ नहाउल सुगर घुडम कअ फेन थाल मे ओडराय लगै छै ।''

## Chapter 3

<sup>1</sup>हे प्रिय, आहांसबके शुद्ध मन जगावके लेल (उत्साहीत कराव के लेल) हम यी दोसर चिट्ठी लिख रहल छी । <sup>2</sup>ताकि आहांसब पवित्र अगमवक्तासब सअ बोलल वचन सब आ आहांसबके प्रेरित सब सअ देलगेल अपनासबके प्रभु आ मुक्तिदाताके आज्ञासब याद कर सकू । <sup>3</sup>पहिले यी बात जानु कि अन्तिम दिन सबमे गुल्ला करबाला सब गिल्ला करैत आ अपने इच्छामे चलैत औतै । <sup>4</sup>आ एना कैह ते औउतैय, “हुनकर आवबाला बाचा कत गेलै? हमरा पुर्खा सब मैर गेलै, मुदा रचनाके शुरुवे सअ सबहे कुछ वोहने है । <sup>5</sup>बौहते वर्ष पहिले वचनमे सअ स्वर्ग और धरती स बनाउल गेल रहै कैहक ऐय बातके उ सब जाइन बुझ कअ वास्ता नै करै है <sup>6</sup>वेहा पानी सअ ओही समयके जल ध्यान नै दैय है प्रलयमे डुब कअ नष्ट भैलै । <sup>7</sup>और स्वर्ग आ धरती आइगके न्याय के लेल आ दुष्ट सबके विनाशके लेल वेहा वचन सअ बचाक राखल गेल है । <sup>8</sup>लेकिन हे प्रिय यि बातके नैय भुलु कि प्रभुके लेल एक दिन एक हजार वर्ष आ एक हजार वर्ष एक दिन जाका होइछै । <sup>9</sup>जेना दोसर कोय सोचै हैय ओना परमेश्वर अपन बाचाके बारेमे लेट नै करतैय, लेकिन आहांसबके लेल ओ धैर्यवान छै । ओ परमेश्वर आहांसब मे स एकौटा नाश नैय होय लेकिन सबहे कोय पश्चाताप (पाप काम सब छोड़ दैय) करै कैय कअ चाहै छै । <sup>10</sup>लेकिन परमेश्वरके समय चोर जाका औ तैय । बरका आवाज ढक आकाश खतम भअ जेतै । आइगके ताउ सअ (आकाशके चिज सब) पगैल जेतै । आ धरती और ऐमे भेल सबहे कुछ जैर जेतै । <sup>11</sup>सबहे कुछ एना कअ नाश हेतै त आहांसबके केहन आदमी बन परतैय ? आहांसबके पवित्र और धर्मी जीवन जिय परतैय । <sup>12</sup>आहांसब पुरा इच्छा के साथ परमेश्वरके आवबाला दिन के लेल आशा करु ओय दिन आकाश सब आइग सअ नष्ट हेतै और आकाश के जिज सब करगर ताउ सअ पगैलजेतै । <sup>13</sup>लेकिन ओकर बाचा अनुसार हम सब लबका स्वर्ग आ लबका धरतीके रास्ता तके छियै, जैय धार्मिकता बास करै है । <sup>14</sup>अहीकारण हे प्रिय, आहांसब यी बात सबके रास्ता ताइक रहल छी त एहन कोशिष करु जे ओय दिनमे आहांसब प्रभुके नजरमे कोनो दोष नै भेल आ कोनो खोट नै भेल आ ओकरे शान्तिमे रही । <sup>15</sup>अपना सबके प्रभुके धिरजके मुक्ति मानु जेना हमरा सबके प्रिय भाई पावल सेहो ओकरा देल गेल ज्ञान सअ आहांसबके लिखने छै । <sup>16</sup>पावल अपन सबहे चिट्ठीमे ऐय बात सबके बारेमे लिखने हैय, जैय बुझह के लेल कठिन के बात सब भि है । नै परहल आदमी सब आ स्थिर नै भेल आदमी सन दोसर धर्मशास्त्रसब जाका ऐय चिज सबके उल्टापुल्टा बनबैय है आ अपने विनाश कबै है । <sup>17</sup>अहिंकारण हे प्रिय, आहांसब यी बात सब जन्ने छि तैय दुवारे अपनेके बचाउ आ दुष्ट आदमी सबहे छल सअ आहांसब के दुर नैय ल जाय आ आहांसब अपन विश्वासयोग्यताके नै गुमाउ । <sup>18</sup>लेकिन अपना सबके प्रभु और मुक्ति दिय बाला येशूके अनुग्रह और ज्ञान मे बैठते जाउ । हुनका अखुन आ सबदिन तक महिमा होस । आमेन् ।

## 2 John

## Chapter 1

<sup>1</sup>एल्डर-स चूनल नारी आ हुनकर बेटाबेटी सबके जेकरा सबके हम सच्चाई मे प्रेम करै छी-आ हम मात्रे नै ओ सब सेहो प्रेम करै छै । जे सच्चाई जनले छै । <sup>2</sup>हमरा भिन्नमे जे सच्चाई हय आ आहमरा सब लअ सब्दीन रहतैय वे सच्चाईके कारण हमसब प्रेम करै छी । <sup>3</sup>परमेश्वर पिता आ येशू मशिह स हमरा मे अनुग्रह, दया, क्रिपा, शान्ति आ सच्चाई आ प्रेम मे वोकरा लअ रहै । <sup>4</sup>जेना हम सब यी हुकुम परमेश्वर पिता पौलियड वहिना अहाके कुछ धियापुता के सच्चाईमे चलल-हमरा जब मिलल हम बौहते खुशी छि । <sup>5</sup>अब हे नारी हम अहा के बिन्ती करै छी- कि हम अहा के नयाँ आज्ञा नै लिख रहल छी जेना नै हई जेना हमरा संग सुरु से नै रहलै कि हम सब एक दोसर के प्रेम करै परतैई । <sup>6</sup>आ प्रेम यी हई कि, हम सब प्रभुके आज्ञा अनुसार चलेपरत । आहांसब सुरु से सुनले आज्ञा यी हई कि आहां सब अइमे चले परत । <sup>7</sup>कैलाकी बहुत छल करेवाला संसार मे गेल छै, जेना येशू शरीरमे अलइ कहीक स्वीकार नै करी छै । यी नै छल आ मशिह के बिरोधी हइ । <sup>8</sup>अपना आप के देखु कि अहा सब यी बात बात न हराउ जईके लेल अपना सब काम कैले छी आ अहा सब पुरा इनाम पाबेसकब । <sup>9</sup>जे अगाडि बरहित रहतैइ आ मशिह के शिक्षा मे नरहतैइ तेकरा साथ परमेश्वर नै रहतैइ । जे शिक्षा मे रहतैइ वोकरा साथ पिता आ पुत्र दुनु गोटा रहतैइ । <sup>10</sup>जेनाकि अहा साथ कोइ अलैइ आ यी शिक्षा नै लतैइ हुनका अपने घर मे नमस्ते आ प्रणाम नै करु आ हुनका स्वागत भि नै करु । <sup>11</sup>कैलाकी जे-जे हुनका प्रणाम करै छै उ हुनका खराब काम मे रही छै । <sup>12</sup>हम अहा सब के बहुत बात लिखे के छै, लेकिन यी बात सब कागज आ मसी से लिखेके इच्छा नै करै छी । लेकिन हम भि आहां सबके बिचमे आबेके लेल आशा करै छी, ताकि हमरा सबके आन्नद पुरा होत् । <sup>13</sup>आहां कि चूनल बहिनी के लरका-लरकी सबके अहा के प्रणाम करत ।

## 3 John

## Chapter 1

<sup>1</sup>प्रिय एल्डर ग्यासके जेकरा हम सत्यतामे प्रेम करीछी । <sup>2</sup>प्रिय हम अहाँके लेल प्रार्थना करीछी कि तोहरा अगाडिजेना अहाँके आत्मिक रुपमे उन्नती होइऊ । तेहिना सब ओइसही तु सब चिज मे अगाडि बढ और स्वस्थ रह । <sup>3</sup>कइला कि जेना अहाँ सब सत्यमे चलि छी ओहिना भाईसब आके अहाँके सत्यताप्रति गवाही देलक हम बहुत खुशी ( आन्नदित भेल ) तोहनी के सत्यतामे गवाही देलई । हम बहुत खुशी होएली । <sup>4</sup>यी सबसे मतलब हमर बेटाबेटी सब सत्यतामे चलीछई कहके सुनेसे अच्छा और कोनो बरका खुशीके हमरा ल साथ नहोइअ । <sup>5</sup>प्रिय मित्र अहाँ अपरितोसबके लेल जे काम करिछी वइसे अहाँ विश्वास योग्यताके अभ्यास करिछी । <sup>6</sup>जोन मण्डली के अगाडि तोहर प्रेम के गवाही देइछई । तु सब ओकनी सब के रास्तामे उ सब मण्डलीके सामने (विचमे) अहाँके प्रेमके गवाही दैअ । रास्तामे परमेश्वरके योग्य होएबाला तरिका से भेजेमे निमन करबई । ‘यदि अहासब (प्रदेशी) अपरिचीत सबके वई प्रकारसे विदा करिछी जै प्रकारसे परमेश्वरके लोकके लेल उचित है त वहिना ( वहिया करिछी ) । <sup>7</sup>कइला कि अन्यजाति सबमे से कुछो न लेके नाउ के लागी उ सब वई नामके लागी निकलल है

आ ऊ सब गेलई । अन्यजातिसे किछीयो नै लैय छी ।<sup>8</sup>तेई के कारण यि सबके हमनीके स्वागत करेके परतई ताकी हमनीसब सत्याताके लागी सहयोग बैन सकी ।<sup>9</sup>हम मण्डलीके लागी कुछ लिखली लेकिन डियोत्रिफस जे ऊ सबमे अगाडि हाएकेचाहिछई, ओ हमसबके स्वीकार नकरीछई ।<sup>10</sup>ओईके कारण यदि हम अबई त ऊ करेबाला काम सब अर्थात ऊ खराब बोली के साथ हमनी के बिरुद्ध कोन तरिका हासील गेबाला बात सब हम समझबई । यि बात से मात्र सन्तोख न होके ऊ अपने भाइसबके न स्वीकार करतई । एने कारेबाला सब के लागी भि ऊ रोकि छई । और ऊ सबके मण्डली से निकाल देइछई ।<sup>11</sup>प्रिय जे चिज खराब हई उ चिजके देखासिकि न कर लेकिन जो चिज असल हई ऊ चिजके देखासिकि कर जो असल करीछई ऊ परमेश्वरके हई जो दुष्ट काम करिछई ऊ अपने परमेश्वरके न देखले हई ।<sup>12</sup>डेमेत्रियसके विषयके बारेमे सब जना से और सत्याता से अपने द्वारा गवाही भि देइछई । हम सब भि गवाही देबइ और तु जानी छे कि हमनी के गवाही साचो हई ।<sup>13</sup>हमरा तोहरा लिखेके लागी बहुत बात सब हई लेकिन हम ओकनी सबके कागज और मसी लिखेका इच्छा न करीछई ।<sup>14</sup>लेकिन तोरा से जल्दी भेटेके आशा करीछी, और हमनी आमने सामने बात करबई ।<sup>15</sup>तोहनी सब के शान्ति मिले साथी सब तोहरा अभिवादन साथी सबके मिल के अभिवादन कर ।

## Jude

### Chapter 1

<sup>1</sup>येशू मशिह एकटा सेवक आ याकुबके भाई यहुदा सअ बोलाइलसब आ परमेश्वर पितामे प्यारा आ येशू मशिहके लेल राखल गेल सब कोयके <sup>2</sup>अनुग्रह,शान्ति आ प्रेम आहाँसाबके लेल बहुते होइत जाई ।<sup>3</sup>प्यारासब अपनासबके सँझिया मुक्तिके बिषयमे हम आहाँ सबके लिखैला जब कोशिष कइली,विश्वासीसबके सब दिनके लेल देलगेल विश्वासके लेल सच्चा रुपसअ सडघर्ष करेके लेल उपदेश दैला हम आहाँ सबके इ लिखेला जरुरी लागल ।<sup>4</sup>कैलाकी आँहासबके बिचमे कोनो आदमीसबके नुकाक दुकल है । इ एहन आदमीसब हइ,जे दण्डके लेल चुनल हय । इ परमेश्वरके डर (भय) नै मानेवाला आदमीसब हइ,जे परमेश्वरके अनुग्रहके लिच्चापनके अनैतिकताके लेल भ्रष्ट करै हइ और अपनासबके एकैटा मालिक आ प्रभु येशू मशिहके इन्कार करै छी ।<sup>5</sup>आहाँसब एकबेर एकरा पुरा रुपस जाइन लेली तैयो आब हम आहाँसबके याद कराबैला चाही छी की परमेश्वर जे मिश्रदेश मे स आदमीसबके बचौलकै लेकिन पछारी विश्वास नै करवालासबके परमेश्वर खतम क देलकै ।<sup>6</sup>अपन अधिकारके मान कायम नै राइख कअ बढिया रहेवाला ठाउँ छोडेवाला स्वर्गदुतसबके परमेश्वर पतालके अनहारमे न्यायके ओय बरका दिन तक के लेल सब दिनके बन्धनमे रखने है ।<sup>7</sup>इ त सदोम आ गमोरा आ अरोस परोसके सहर जैसन हय । जे लोक अपना लुच्चापनके अनैतिकतामे सहभागी भेल ओइसन खराब इच्छा सबके पछारी लागत हय । उसब कहियो नै मुझाइवाला आइगमे दण्ड भोइग कअ सबके लेल उदाहरण बनल हय ।<sup>8</sup>लेकिन अहि प्रकार सअ इ सपना देखेवालासब सेहो अपना-अपना शरिरके गन्दा करै हय । उ सब अधिकारके इन्कार करै हय आ स्वर्गके प्राणीसबके बिरोधमे बेइजत करवाला बातसब करे हय ।<sup>9</sup>लेकिन मुख प्रधान दुत मिखाएल सेहो दुष्ट जउरे वहस कलकै आ मोशाके शरिरके विषयमे ओकरा जउरे विवाद भैले त ओकरा बिरोधमे निन्दा (घिना) लागेवाला इन्साफ करेके लेल साहस नैकलकै । उ कहलकै परमप्रभु तोरा हपकबौ ।<sup>10</sup>लेकिन इ आदमीसब अपने नै बुझेवाला बातसबके बिरोधमे निन्दा (घिन) करै हय आ उसब बुझेवाला बातसब जे मुख पशुसब अपन स्वभाव सअ उहे बातसब एकरा सबके नष्ट कैने हय ।<sup>11</sup>धिक्कार ओकरा सबके । कैलाकी उसब कयिनके रास्तामे चले हय आ लालचके खातिर बालाम जे गलती कलकै ओहिमे सहभागी होइ हय । उसब कोरहके बिद्रो जाका खतम भेल हय ।<sup>12</sup>तोरासबके प्रेम भोजमे नुकाइल दोषसब इहे सब हउ । उसब खाली अपने लेल निर्लज भक भोज खाइ हय । उसब शरद मौसममे फल नै देइवाला गाछी सब हय । जे दुबेर मैरगेल हय आ जइरे स उखइर गेल हय ।<sup>13</sup>उसब समुन्द्रके डर लागेवाला लहरसब हय,जे अपना वेशर्मके फेन निकाले हय । उसब लक्ष्यविना चलेवाला तरेगन सब हय । जेकरा लागी सबदिनके घोर अन्हार राखल हय ।<sup>14</sup>आदम स लक अ सतमा पुस्ता हनोक सेहो ओकरा सबके विषयमे येना कैहक अ अगमवानी कैने रहय । कि देखु परमप्रभु अपना हजारौ पवित्र लोक सबके लकअ आइबरहल हय ।<sup>15</sup>प्रभु सबकोइके इन्साफ करेला आइब रहल हय । परमेश्वरके डर नैमानेवाला सव जे ईश्वरहिन रुपमे जे काम करैय आ परमेश्वरके डर नैमानेवाला पापीसब प्रभुके बिरुद्धमे बोल लहबा बोलिसबके दोष लगाबेला प्रभु आइब रहल हय ।<sup>16</sup>ओकरा सब के सन्तोष न हय, उसब बरका बरका सौख करबालासब हय,जे अपना फाइदाके लागी दोसरके चुगलपनी करे हय ।<sup>17</sup>लेकिन प्रिय सब आँहासबके अपन प्रभु येशू मशिहके प्रेरितसब जे पहिले बोल्ले हय ऊ बातसब याद कर ।<sup>18</sup>उसब आहासबके येना कहत अन्तिम दिनमे बेइजत करेवाला होऊ,जे सब अपने ईश्वरहिन (ईश्वरके मन नै परेवाला) इच्छा सबके पछारी जाइ हय ।<sup>19</sup>इ उहे फुट लाबेवाला आदमी सब हय । उसब संसारके हय आ ओकर सब जउरे पवित्र आत्मा न हय ।<sup>20</sup>लेकिन हमर प्रिय आहाँसब अपने-आपके सबसे ज्यादा पवित्र विश्वास मे बनाउ आ पवित्र आत्मामे प्रार्थना कर ।<sup>21</sup>आहासब अपने-आपके परमेश्वरके प्रेममे राखु,अपना सबके प्रभु येशू मशिहके दयाके लागी इन्तजार करु जे आहासबके बिचमे कहियो नैमरेवाला जीवन लाबै हय,,<sup>22</sup>जेकरा शडका हय ओकरा पर दया कर ।<sup>23</sup>दोसर सबके आइग स बाहर निकाइलक बचाउ । दोसर सबके जउरे होसियार भक दयालु होउ । पापस कलडकीत (अशुद्ध) वस्त्रके घृना कर ।<sup>24</sup>आब आहासबके डगमगाइसे बचाबेवाला आ प्रभु अपन माहिमा भेल उपस्थिति लअ निष्कलडन आ बरा खुशी साथ आहासबके खार होइवाला बनाइत ।<sup>25</sup>अपना सबके उद्धार (मुक्ति या छुटकारा) करवाला एकेगो परमेश्वर सब हे समय पहिलेसे अबही तक आ सबदीनके लागी अपना प्रभु येशू मशिह माहिमा, गौरव, पराक्रम आ शक्ति रहय । आमेन ।